श्री शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 27 | गुवाहाटी | सोमवार, 21 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

तकनीकी शिक्षा को उद्योग की जरूरतों के बराबर बनाई जाएगी : पर्यटन मंत्री — पेज 3
अमित शाह की कांग्रेस को चुनौती, बोले- हिम्मत है तो 50 साल का रिपोर्ट... — पेज 4
अरविंद राजभर ने बढ़ाई दारा की मुश्किल, बसपा ने उम्मीदवार न खड़ाकर लाई खुशी — पेज 5
हर 12 साल में इंद्रदेव बिजली गिराकर चकनाचूर कर देते हैं ये शिवलिंग — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

2024 के लिए भाजपा का मिशन 20 प्लस में असम के 14 सीट महत्वपूर्ण

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर की 25 लोकसभा सीटों में से कम से कम 20 सीटें जीतना एक कठिन काम है, फिर भी भाजपा को इस क्षेत्र में 2024 के लिए मिशन 20 प्लस के अपने लक्ष्य को हासिल करने की उम्मीद है। हालांकि, इस लक्ष्य को हासिल करना काफी हद तक असम में भगवा पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर निर्भर करता है, जहां 14 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने असम की 14 में से नौ सीटें जीतीं। वे धुबड़ी में एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल से हार गए और कांग्रेस ने तीन सीटें-नगांव, कलियाबोर और बरपेटा जीतीं। कोकराझार लोकसभा सीट भाजपा की सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने जीती थी। इस बार भाजपा राज्य में अपनी सीटें बढ़ाने के लिए बेताब है। पिछले लोकसभा चुनाव में जीती गई सभी सीटों को बरकरार रखने के अलावा, पार्टी की नजर वर्तमान में कांग्रेस सांसदों के पास मौजूद तीन सीटों पर भी है। प्रद्युत बरदलै की नगांव सीट भाजपा का पहला निशाना है। 2014 में मजबूत ताकत बनने से पहले भी भगवा पार्टी ने इस सीट पर एक से अधिक बार जीत हासिल की थी। राजेन गोहाईं ने लगातार चार बार लोकसभा में - 1999, 2004, 2009 और 2014 में - नगांव निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 2019 में, गोहाईं को टिकट नहीं दिया गया और भाजपा ने चार बार के सांसद की जगह रूपक शर्मा के रूप में एक युवा चेहरे को मैदान में उतारा। पहली मोदी कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री रहे गोहाईं टिकट वितरण से नाखुश थे और उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इससे स्थानीय स्तर पर भी कुछ नाराजगी हुई और भाजपा बरदलै से सीट हार गई। राजेन गोहाईं ने शुक्रवार को दावा किया कि परिसीमन अभ्यास के बाद, भाजपा के लिए नगांव सीट जीतना और भी कठिन हो जाएगा और एआईयूडीएफ का अब यहां दबदबा है। हालांकि, हिमंत विश्व शर्मा नगांव निर्वाचन क्षेत्र को वापस जीतने के लिए दृढ़ हैं, और सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने अच्छे प्रदर्शन के लिए जमीन तैयार कर ली है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री तरूण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई कलियाबोर सीट से सांसद हैं। परिसीमन प्रक्रिया में यह सीट खत्म हो गई है और नई लोकसभा सीट काजीरंगा बनाई गई है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, नई सीट पर बहुसंख्यक हिंदू वोट हैं और अगले आम चुनाव में पार्टी के लिए यह आसान जीत होगी। बरपेटा और धुबड़ी में मुस्लिम आबादी 50 फीसदी से ज्यादा है। अपनी आंतरिक बैठकों में भाजपा ने इन सीटों पर जीत की संभावना छोड़ दी है और बाकी 12 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हेवीवेट मंत्री और मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी पीयूष हजारिका ने व्यंग्यात्मक रूप से कहा कि हमने जानबूझकर कांग्रेस और एआईयूडीएफ के लिए कुछ सीटें छोड़ी हैं और 14 लोकसभा सीटों में से 12 पर जीतने जा रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आईएएनएस से कहा कि भाजपा जानती है कि राज्य की अधिकांश सीटों पर उनकी स्थिति बहुत खराब है। मैं शर्त लगाता हूं कि अगर आज चुनाव होते हैं, तो कांग्रेस यहां कम से कम सात लोकसभा सीटें जीतेगी। जाहिर तौर पर, इस समय, भाजपा राज्य में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की लोकप्रिय छवि पर सवार है। असम में लगभग 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और यह हिस्सा शर्मा के कामकाज के तरीके से नाखुश है। मुस्लिम बहुल इलाकों में लगातार बेदखली अभियान, मदरसों पर कार्रवाई, बड़ी संख्या में पुलिस मुठभेड़ और बाल विवाह के खिलाफ हालिया कार्रवाई - राज्य में मुसलमानों को लगता है कि लगभग सभी चीजों में वे प्रशासन के निशाने पर रहे हैं। वे 2024 के आम चुनाव में निश्चित रूप से भाजपा के खिलाफ वोट करेंगे। हिमंत विश्व शर्मा इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं और उन्होंने बार-बार कहा है कि उनके पास *मिया* वोट नहीं हैं, यह शब्द स्पष्ट रूप से असम के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में बंगाली भाषी मुसलमानों को संदर्भित करने के लिए गढ़ा गया है। ऊपरी असम क्षेत्र की सीटों पर भाजपा को आसानी से जीत मिल सकती है क्योंकि वहां हिंदुओं की संख्या मुस्लिम आबादी से अधिक है। निचले असम और बराक घाटी में परिदृश्य बदल जाएगा, जहां मुस्लिम वोट आम तौर पर तय करते हैं कि कौन जीतता है या हारता है। उदाहरण के लिए, बराक घाटी की करीमगंज लोकसभा सीट कई वर्षों के बाद 2019 के चुनावों में भाजपा ने जीती थी। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में इनर लाइन परमिट से बेहतर एमआरएसएसए : हेक

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के एनिमल हसबेंडरी एवं वेटरनरी मिनिस्टर एलेग्जेंडर लालू हेक ने कहा है कि मेघालय में इनर लाइन परमिट की व्यवस्था से बेहतर मेघालय रेजिडेंट्स सेफ्टी एंड सिक्योरिटी एक्ट को लागू करना है। ये बातें मंत्री हेक ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही। मंत्री ने कहा कि इस एक्ट के जरिए राज्य के प्रत्येक होटल, गेस्ट हाउस, स्टे होम आदि के लिए यह आवश्यक है कि उनके यहां ठहरने वाले हर एक व्यक्ति का विवरण नजदीक के थाने में उपलब्ध कराएं। मंत्री ने कहा कि इस कानून के जरिए मेघालय में आने वाले हर व्यक्ति की पहचान आसानी से हो जाएगी। वहीं, दूसरी ओर मंत्री हेक ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

राजेन गोहाईं की आज अमित शाह से मुलाकात

गुवाहाटी। भाजपा के अनुभवी नेता राजेन गोहाईं ने आज दिल्ली के उड़ान भड़ी, जहां उनका 21 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का कार्यक्रम है। यह बैठक गोहाईं द्वारा अपने कैबिनेट पद से हटने के बाद सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त करने के मद्देनजर हुई है। 18 अगस्त से प्रभावी गोहाईं का इस्तीफा, सीमा समायोजन के माध्यम से चुनावी हेरफेर के रूप में उनके विरोध को दर्शाता है। वह अपने दावे पर अडिग रहे हैं कि इन समायोजनों ने विशिष्ट उम्मीदवारों का पक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
आलसी राजा अप्राप्त लाभ को प्राप्त नहीं करता।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राज्य में भारी बारिश की संभावना

गुवाहाटी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, असम क्षेत्र में अगले 4-5 दिनों में बारिश होगी, अलग-अलग इलाकों में अत्यधिक भारी से बहुत भारी बारिश होगी। मौसम संबंधी निगरानी, मौसम पूर्वानुमान और भूकंप विज्ञान के प्रभारी प्रमुख एजेंसी द्वारा आगामी कुछ दिनों के लिए असम के कुछ क्षेत्रों में पीले और नारंगी रंग की सलाह भी जारी की गई है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा साझा की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, कम दबाव का क्षेत्र जो दक्षिण झारखंड और पड़ोसी राज्यों उत्तर आंतरिक ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और उत्तरी झारखंड पर था, अब चक्रवाती परिसंचरण के साथ उत्तरी -शेष पृष्ठ दो पर

दो बैंकों के मलबे से 1.70 करोड़ बरामद

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल के मुस्तांग जिले के कागबेनी में पिछले हफ्ते बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए दो बैंकों के भवन के मलबे से 1.70 करोड़ रुपए नकद बरामद किए गए। बाढ़ से हालात सामान्य होने के बाद सरकार क्षतिग्रस्त भवनों के मलबे को साफ करवा रही है। इस दौरान दो बैंकों के मलबे से यह रुपए मिले हैं। मुस्तांग के प्रमुख जिलाधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर

केसीपी के तीन आंतकी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर के इंफाल के सिंगजामेई बाजार से प्रतिबंधित कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबंगनबा) के तीन आंतकवादियों को गिरफ्तार किया गया। वे एक दुकानदार से पैसे वसूलने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि उनके कब्जे से चार मोबाइल हैंडसेट और कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए। गिरफ्तार आंतकियों की पहचान ओइनम मिल्सन, सलाम रंजीत हाओबिजाम हरिदास के रूप में हुई है। उन्हें शनिवार को इंफाल पश्चिम जिले के ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और छह दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वे सिंगजामेई पुलिस स्टेशन में हैं। एक अलग ऑपरेशन में असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस कमांडो ने इंफाल के चाओबोक लिलोंग में हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया। संयुक्त टीम ने एक चीनी हथगोला, विस्फोटक सामग्री से भरा एक देश-निर्मित पाइप लॉन्चर, एक कार्बाइन, एक -शेष पृष्ठ दो पर

मध्यप्रदेश में 150 सीटें जीताकर कांग्रेस को करें परास्त : शाह

ग्वालियर (हि.स.)। मध्यप्रदेश का कार्यकर्ता देवदुर्लभ और अनुभवी है। यहां के कार्यकर्ता ने चुनाव जीते भी हैं और जिताए भी हैं। आज हम जिस पद पर भी हैं, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ही हैं। इसलिए यह चुनाव भाजपा के भविष्य का चुनाव है, भारतमाता के वैभव को परम शिखर पर पहुंचाने का चुनाव है। नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाकर करोड़ों गरीबों के जीवन में जनसंघ के दीप के उजियारे को प्रदीप्त करने का चुनाव है। हम सभी को मिलकर चुनाव अभियान में जुटना है। भारतमाता को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए इस चुनाव में हमें 150 सीटें जीतकर कांग्रेस को परास्त करना होगा। यह बातें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को ग्वालियर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की वृहद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इस अवसर पर पार्टी के नए सदस्यता अभियान की शुरुआत भी की। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भाजपा का विजय अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। जिस दिन पूरी दुनिया भारत माता के जयकारे लगाएगी, उस दिन यह लक्ष्य पूरा होगा। मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता चुनाव जीतने के लिए बने हैं, क्योंकि विजय आपका स्वभाव है, आपका पराक्रम है और विजय ही आपका लक्ष्य है। हमें लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। मैं गारंटी के साथ आपसे कहता हूं कि 30 साल तक मध्यप्रदेश में पंचायत से पार्लियामेंट तक भाजपा का भगवा परचम लहराता रहेगा। शाह ने कहा कि ग्वालियर श्रद्धेय राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी के पुण्य से -शेष पृष्ठ दो पर

नौ सैनिकों की शहादत पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को लद्दाख में सेना के एक वाहन के खाई में गिरने से नौ सैनिकों की मौत पर दुख जताया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में शनिवार को सेना के एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें नौ सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना दक्षिणी लद्दाख के न्योमा के कियारी के पास हुई। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वह दुर्घटना की खबर से *बहुत दुखी* हैं और उन्होंने कहा कि देश इन सैनिकों के निस्वार्थ बलिदान के लिए उनके प्रति -शेष पृष्ठ दो पर

पार्टी के भीतर करें असंतोष का समाधान : रंजीत दत्त

गुवाहाटी (हि.स.)। बिहाली के विधायक और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रंजीत दत्त ने बिहाली निर्वाचन क्षेत्र को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित करने के लिए चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई शिकायत नहीं है। ये बातें आज उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि 2001 से वे बिहाली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की ओर से चुनाव जीतते आ रहे हैं। वे उत्तर असम से भाजपा के पहले विधायक हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल 2009 में भाजपा में शामिल हुए थे, जब वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ पार्टी को लेते हैं। पहला राष्ट्र, दूसरा पक्ष और तीसरा व्यक्ति है। आजकल नये और पुराने भाजपाई को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

विहंगम योग संस्थान के सभी केंद्रों पर चंद्र प्रकाश शर्मा का प्रवेश बंद

गुवाहाटी (विभास)। सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान ने कहा है कि हमारे संस्थान का गुवाहाटी के किसी भी अन्य संस्थान के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी नहीं है। विहंगम योग संस्थान का किसी अन्य ट्रस्ट के साथ मिलकर किसी भी प्रकार का कोई भी प्रकल्प नहीं चल रहा है। इसलिए किसी भी संगठन संस्थान के साथ विहंगम योग के नाम पर किसी भी प्रकार का लेन-देन स्वयं की जिम्मेदारी पर ही करें इसके लिए विहंगम योग संस्थान किसी भी स्तर पर उत्तरदायी नहीं है। संस्थान के प्रचार-प्रसार एवं जनसंपर्क प्रभारी राकेश शर्मा ने एक आदेश जारी कर आश्रम के एक सदस्य चंद्र प्रकाश शर्मा का आज -शेष पृष्ठ दो पर

हिमाचल प्रदेश को आर्थिक मदद देने में केंद्र पीछे नहीं : नड्डा

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार 20 अगस्त को हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। दोनों नेता हिमाचल प्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर है। दोनों नेता दौरे के दौरान सबसे पहले पांवटा साहिब क्षेत्र के सिरमौरीताल गांव गए जहां उन्होंने आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। दोनों नेताओं ने यहां बादल फटने से हुए नुकसान का जायजा लिया। यहां एक ही परिवार के पांच लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई थी। इस दौरान जेपी नड्डा और अनुराग ठाकुर ने आपदा पीड़ित परिवार से मुलाकात भी की है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को केंद्र सरकार की तरफ से हर संभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन भी दिया है। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार आर्थिक मदद देने में कभी पीछे नहीं रही है। हिमाचल प्रदेश की आपदा को देखकर केंद्र सरकार पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण प्रभावित स्थानों का दौरा करने का मौका मिला। इस आपदा से हुए नुकसान से मैं दुखी हूं। प्रशासन द्वारा सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानांतरित लोगों को आवश्यक सहायता हो रही है। जेपी नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार को मदद देने के लिए बिलकुल पीछे नहीं है। हर तरह की आर्थिक मदद दी -शेष पृष्ठ दो पर

गंगोत्री हाइवे पर गुजरात की बस गिरी, सात मरे

उत्तरकाशी (हि.स.)। उत्तराखंड में गंगोत्री दर्शन कर लौट रही गुजरात के यात्रियों से भरी बस आज दोपहर बाद गंगनानी के पास अनियंत्रित होकर के गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 07 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 27 यात्री घायल हो गए। इन सभी को रेस्क्यू कर चिकित्सालयों में भेजा गया है। बस में लगभग 33 यात्रियों और बस स्टाफ सहित कुल 35 लोग सवार बताए गए हैं। अभी सभी की शिनाख्त नहीं हो सकी है। लापता हुए कुछ लोगों को खोजने के लिए अभी रेस्क्यू कार्य जारी है। प्रदेश सरकार की ओर से गंगोत्री राज्य मार्ग उत्तरकाशी बस दुर्घटना को लेकर हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंगोत्री से उत्तरकाशी जा रही बस के गंगनानी में दुर्घटना को दुखद बताते हुए प्रशासन को त्वरित राहत बचाव के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस घटना में कुछ लोगों के हताहत होने का अत्यंत पीड़ादायक समाचार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

उद्योगपति रतन टाटा का देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान : शिंदे

मुंबई (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उद्योगपति रतन टाटा का महाराष्ट्र सहित पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्य सरकार ने इस वर्ष रतन टाटा को उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम करने वाले सम्मानित करने का सिलसिला जारी रहेगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे रविवार को महाराष्ट्र इंडस्ट्री अवार्ड्स 2023 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर राज्यपाल रमेश बैस, उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार के साथ उद्योग मंत्री उदय सामंत भी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि

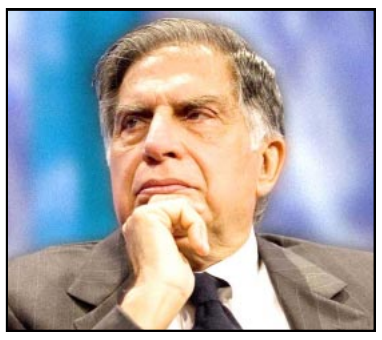

मराठवाड़ा और विदर्भ भी समृद्धि हाईवे के कारण विकसित हुए हैं। अब वहां व्यापार करना भी आसान हो गया है। फडणवीस ने कहा कि रतन टाटा को पहला पुरस्कार मिलना सबसे खुशी का पल है। देश के निर्माण में टाटा समूह का योगदान अहम है। टाटा राष्ट्रीयकरण स्वीकार करने वाला समूह है। टाटा ने अब इस समूह में आधुनिकता भी जोड़ी है। अदार पूनावाला की तारीफ करते हुए फडणवीस ने कहा कि कोविड जैसी महामारी में भी सीरम ने दवा बनाकर एक अलग क्रांति पैदा कर दी। आज हम उन्हीं की वजह से इस हॉल में बिना मास्क के बैठते हैं। हम गढ़चिरौली में स्टील उद्योग का विकास कर रहे हैं। समृद्धि हाईवे के कारण मराठवाड़ा और विदर्भ का भी विकास हुआ है जिससे यहां कारोबार करना आसान हुआ है।

यूक्रेन के चेर्निहाइव में रूस का मिसाइल हमला, सात की मौत, 144 घायल

कीव (हि.स.)। यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा है कि उत्तरी यूक्रेन के शहर चेर्निहाइव में एक प्रमुख चौराहे पर शनिवार को रूस के शक्तिशाली मिसाइल हमले में सात नागरिक मारे गए और 144 घायल हो गए। घायलों में कई बच्चे भी हैं। इस चौराहे पर पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी और एक सिनेमाहाल भी है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया में शेयर किया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि जब हमला हुआ, तब लोग धार्मिक अवकाश मनाने के लिए चर्च जा रहे थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की इन दिनों स्वीडन की यात्रा पर हैं। संयुक्त राष्ट्र ने रूस के इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि वह इस से *बेहद परेशान* है। चेर्निहाइव में तीन दिन के शोक की घोषणा की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कीव की वायु सेना के हवाले से कहा गया है कि यूक्रेनी सेना ने रातभर मॉस्को द्वारा लॉन्च किए गए 17 ईरान निर्मित ड्रोनों में से 15 को मार गिराया।

सीपीआईएम ठिकाने से हथियार जब्ती का मामला

एनआईए ने 16 लोगों के खिलाफ दायर किया पूरक आरोपपत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल झारखंड में सीपीआई (माओवादी) के ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद की जब्ती से जुड़े मामले में एक महिला सहित 16 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दायर किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आतंकवाद विरोधी संघीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत पूरक आरोपपत्र शनिवार को एक विशेष अदालत में दायर किया गया था। झारखंड पुलिस ने नौ अन्य आरोपियों के खिलाफ 18 मई 2022 को आरोपपत्र दायर किया था। यह मामला पिछले साल 21 फरवरी को लोहरदगा के पेशरार पुलिस स्टेशन से सीपीआई (माओवादी) कैडरों की गिरफ्तारी और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद की जब्ती से संबंधित है। एनआईए ने 14 जून, 2022 को मामले को अपने हाथ में ले लिया था। एनआईए प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ्तारी और बरामदगी बुलबुल के वन क्षेत्र में छापेमारी के बाद हुई, जहां सीपीआई (माओवादी) के क्षेत्रीय कमांडर रवींद्र गंझू इसके सक्रिय कैडर बलराम ओरांव, मुनेश्वर गंझू, बालक गंझू, दिनेश नगेसिया, अघनु गंझू, लाजिम अंसारी, मारकुश नगेसिया, संजय नागेशिया, शीला खेरवार, ललिता देवी और लगभग 40 से 60 अन्य लोग सुरक्षा बलों और बॉक्साइट खदान क्षेत्र में हमले की साजिश रचने और योजना बनाने के लिए इकट्ठे हुए थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त अभियान चलाया गया, जिसके दौरान सीपीआई (माओवादी) कैडरों ने बहाबर जंगल के रास्ते हरकट्टा टोली और बंगला पाट में सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। प्रवक्ता ने कहा कि एनआईए की जांच से पता चला है कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कैडरों और सदस्यों ने हिंसक कृत्यों और गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने और देश की सुरक्षा को खतरे में डालने की साजिश रची थी। उनकी योजना आतंकवादी कृत्यों और हिंसात्मक हमलों को अंजाम देकर लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने की थी। प्रवक्ता ने कहा कि जांच से यह और भी प्रमाणित हो गया है कि सीपीआई (माओवादी) के शीर्ष कमांडरों और सशस्त्र कैडरों ने अगस्त-सितंबर, 2022 में बूढ़ा पहाड़ में एक आपराधिक साजिश रची थी और सीपीआई (माओवादी) के वरिष्ठ नेता प्रशांत बोस की गिरफ्तारी के बाद बदला लेने का फैसला किया था।

पुलिस और ड्रग्स माफिया के बीच झड़प हवाई फायरिंग, आठ गिरफ्तार

नगांव (हिस.)। नगांव जिले के लंका के नखुटी में पुलिस द्वारा चलाए गए ड्रग्स के विरुद्ध अभियान के दौरान पुलिस और ड्रग्स तस्करों के बीच जमकर झड़प होने की सूचना है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार बीती रात एक गुप्त सूचना के आधार पर ड्रग्स के विरुद्ध अभियान चलाने पहुंची पुलिस की टीम पर हमला कर दिया गया। सूचना के अनुसार पुलिस ने हवा में गोलियां चलाई। सूत्रों ने बताया है कि अभियान के दौरान पहुंची पुलिस की टीम पर ड्रग्स तस्करों ने लाठी, भाला, दाव आदि लेकर हमला कर दिया। आखिरकार पुलिस ने हवाई फायरिंग कर स्थिति को नियंत्रण में करने की कोशिश की। होजाई पुलिस ने घटना के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

असम सरकार ने कॉलेज शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड जारी किया

गुवाहाटी। असम सरकार ने कॉलेज शिक्षकों के लिए एक ड्रेस कोड जारी किया है, जिसमें उन्हें सादे रंगों के औपचारिक कपड़े पहनने और कैजुअल और पार्टी परिधान से बचने के लिए

कहा गया है। असम उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि ड्रेस कोड को इस तथ्य के मद्देनजर लागू किया जा रहा है कि कुछ शिक्षकों को ऐसे कपड़े पहनने की आदत पाई गई है जो बड़े पैमाने पर जनता द्वारा स्वीकार्य नहीं लगते हैं। पुरुष शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड औपचारिक शर्ट और पैंट, धोती-पायजामा या अन्य पारंपरिक पोशाक है। महिला शिक्षकों को अच्छे सलवार सूट, साड़ी या मेखला चादर पहननी चाहिए और टी-शर्ट, जींस या लेगिंग जैसे कैजुअल कपड़ों से बचना चाहिए। पुरुष और महिला दोनों शिक्षकों को स्वच्छ, शालीन और सौम्य रंगों के सभ्य कपड़े पहनने चाहिए जो आकर्षक न दिखें। कैजुअल और पार्टी परिधान से सख्ती से बचना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि ड्रेस कोड से कोई भी विचलन अनुशासनात्मक कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है। ड्रेस कोड को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। कुछ शिक्षकों ने इसका स्वागत करते हुए कहा है कि इससे कॉलेज कक्षाओं में अधिक पेशेवर माहौल बनाने में मदद मिलेगी। अन्य लोगों ने इसकी आलोचना करते हुए कहा है कि यह उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। असम सरकार ने कहा है कि कॉलेजों में शिष्टाचार और व्यावसायिकता की भावना बनाए रखने के लिए ड्रेस कोड आवश्यक है। ड्रेस कोड तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इससे पहले इस साल मई में असम सरकार ने स्कूल शिक्षकों के लिए इसी तरह का ड्रेस कोड जारी किया था।

सद्भावना दिवस पर पूर्व पीएम राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

शिमला (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 79वीं जयंती आज यहां सद्भावना चौक पर मनाई गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्रियों सहित अन्य नेताओं ने राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें याद किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कर्नल डॉ धनीराम शांडिल, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, मुख्य संसदीय सचिव मोहन लाल ब्राक्टा, सांसद लोकसभा एवं प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस प्रतिभा सिंह, विधायक ठियोग कुलदीप सिंह राठौर, महापौर नगर निगम शिमला सुरेंद्र चौहान, उपमहापौर उमा कौशल, पूर्व विधायक आदर्श कुमार सूद, पूर्व विधायक राकेश सिंघा, पार्षदगण सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने भजन और देशभक्ति के गीतों की प्रस्तुति दी। उल्लेखनीय है की हर वर्ष 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का जन्मदिन सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पृष्ठ एक का शेष

2024 के लिए भाजपा...

कांग्रेस और एआईयूडीएफ दोनों ने मजबूत उम्मीदवार उतारे थे; दरअसल, उस वक्त मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल की पार्टी से थे। तीनों पार्टियों के बीच त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा ने मामूली अंतर से सीट जीत ली। बराक घाटी और निचले असम की आधा दर्जन सीटों पर स्थिति लगभग समान है। पूरे विपक्ष का एक संयुक्त उम्मीदवार भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बनेगा। लेकिन चूंकि *भारत* गठबंधन ने एआईयूडीएफ को बाहर कर दिया है, यह भाजपा के लिए एक फायदा है। हाल के परिसीमन से पता चला है कि भाजपा ने आंतरिक रूप से असम में जनसांख्यिकी की व्यापक समीक्षा की और ईसीआई द्वारा परिसीमन की तारीखों की घोषणा से ठीक पहले चार जिलों को खत्म करके इस अभ्यास को अपने पक्ष में करने की कोशिश की। अगले साल के चुनावों में पूर्वोत्तर से आशाजनक परिणाम लाने के लिए, भाजपा को असम में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यहां के कुछ राज्यों जैसे मेघालय, मिजोरम और यहां तक कि नगालैंड में भी भाजपा अपने दम पर नहीं जीत सकती। उन्हें सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा। इसलिए, शर्मा की रणनीति असम में अधिक से अधिक सीटें जीतने के लिए हर संभव प्रयास करने की है। यदि भाजपा असम में अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहती है, तो भगवा खेमे के लिए पूर्वोत्तर में पूरी गतिशीलता नाटकीय रूप से बदल जाएगी।

मेघालय में इनर ...

कि इनर लाइन परमिट मेघालय जैसे राज्य में लागू करना मुश्किल है। क्योंकि, मेघालय होते हुए बहुत सारे राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं। इन राजमार्गों से होते हुए लोग सिलचर, मिजोरम मणिपुर नगालैंड आदि राज्यों में जाते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग पर होकर गुजरने वालों से इनर लाइन परमिट मांगना उचित नहीं है। क्योंकि, किसी भी अन्य राज्य में ऐसा नहीं होता है कि किसी भी भारतीय नागरिक को उस राज्य की सड़क से होकर गुजरने के लिए किसी इनर लाइन परमिट की आवश्यकता होती हो। वहीं, दूसरी ओर मंत्री हेक ने मेघालय को रेल लाइन से जोड़ने का स्थानीय सामाजिक संगठनों द्वारा किए जा रहे विरोध को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। मंत्री ने कहा कि सड़क मार्ग से आने की वजह से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें मेघालय पहुंचकर काफी बढ़ जाती है। वहीं, रेल नेटवर्क होने से रेलमार्ग से कम ढुलाई खर्च पर सभी वस्तुएं मेघालय तक पहुंच सकेगी। मंत्री ने कहा कि यदि मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में रेल का नेटवर्क जुड़ सकता है तो मेघालय में क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि मेघालय के रेल नेटवर्क से जुड़ने से राज्य के गरीब लोगों का काफी फायदा होगा।

राजेन गोहाईं की ...

लिया है, विशेष रूप से बदरुद्दीन अजमल के लिए नगांव सीट की कथित सुविधा पर जोर दिया है। गोहाईं के विचार में, यह कथित पक्षपात लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है। असम के राजनीतिक क्षेत्र में एक दिग्गज होने के नाते, गोहाईं की उपस्थिति और प्रभाव दशकों तक फैला हुआ है। नगांव निर्वाचन क्षेत्र में उनका प्रतिनिधित्व 1999 से कायम है, और 2014 तक लगातार चार बार जीत हासिल की। फिर भी, राजनीतिक परिदृश्य 2019 में बदल गया जब गोहाईं को अप्रत्याशित रूप से पार्टी के टिकट से वंचित कर दिया गया, जिससे पार्टी की गतिशीलता और क्षेत्रीय राजनीतिक प्रक्षेपवक्र पर सवाल खड़े हो गए। गोहाईं के असंतोष की रूपरेखा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निर्देशित उनके तीखे सवालों से स्पष्ट हो गई है। बदरुद्दीन अजमल को सीट की पेशकश क्यों की गई ? गोहाईं ने नगांव निर्वाचन क्षेत्र के आवंटन के आसपास निर्णय लेने की प्रक्रिया के बारे में अपनी चिंताओं पर जोर देते हुए पूछताछ की। उन्होंने स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री कार्यालय में बदलाव को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि शर्मा की देखरेख में परिसीमन ने अजमल की एआईयूडीएफ पार्टी के लिए मार्ग प्रशस्त किया है।

केसीपी के तीन आंतकी...

पीडब्ल्यू22 पिस्तौल, विभिन्न कैलिबर के गोला-बारूद और अन्य युद्ध जैसे सामान बरामद किए। इस बीच मणिपुर के एक प्रभावशाली कुकी संगठन कुकी इंपी ने तीन मई को राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से कुकी समुदाय के लेखकों, बुद्धिजीवियों, विद्वानों, शिक्षाविदों, नेताओं और राजनेताओं के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने की मांग की है। कुकी इंपी ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन में कहा कि ये मामले कट्टरपंथी और अलगाववादी मैतेई द्वारा दुर्भावनापूर्ण इरादे से दायर किए गए थे। ज्ञापन में मणिपुर संकट पर संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण की भी निंदा की गई।

मध्यप्रदेश में 150 ...

सींची हुई भूमि है, जहां एकात्म मानववाद को सबसे पहले पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने प्रतिपादित किया था। यह स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की कर्मभूमि है, यह श्रद्धेय कुशाभाऊ के संगठनात्मक तप की भूमि है। यहां उन्होंने पार्टी का जो बीज बोया था, वह आज वट वृक्ष बन गया है। आज यहां चार पीढ़ी के कार्यकर्ता बैठे हैं। देश-दुनिया में बहुत कम राजनीतिक पार्टियों के पास ऐसे देवदुर्लभ कार्यकर्ताओं की टीम है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास चार पीढ़ियों की टीम है। उन्होंने कहा कि एक बार की विजय अगली विजय के उत्साह को पैदा करती है, परंतु बार-बार विजय मिले तो आलस्य पैदा होता है। इसलिए आलस्य को त्यागकर पूरे उत्साह के साथ कार्यकर्ताओं को जुटना होगा। भगवान हनुमान जी की तरह अपनी शक्तियों को पहचान कर अपने बूथ पर पूरे प्राण प्रण से जुटना होगा। मैं सिर्फ आपको विजय का संकल्प याद दिलाने आया हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस बूथ पर हमारा कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ खड़ा हो जाएगा, वहां भले ही 100 कांग्रेस कार्यकर्ता क्यों न आ जाएं, पटखनी देने के लिए काफी है। यहां पर बैठे सब कार्यकर्ताओं में चुनाव जीतने और जिताने की क्षमता है। आपको कुछ सिखाने की जरूरत नहीं है, सिर्फ स्मरण करने की जरूरत है। शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में सबसे अधिक चुनाव जीतने का रिकॉर्ड है। पंचायत से लेकर जिला व विधानसभा चुनाव जीतने का अनुभव है। 2019 में 29 में से 28 जिताने वाला कार्यकर्ता मेरे सामने बैठा है। इसलिए संकल्प लें कि लोकसभा चुनाव में इस बार सबसे पहले छिंदवाड़ा की सीट जीतकर विजय संकल्प अभियान की शुरुआत करेंगे। इस संकल्प को अगर हमें सिद्ध करना है तो 2023 में डेढ़ सौ से अधिक सीटें जीतकर भाजपा का भगवा एक बार फिर मध्यप्रदेश में लहराना होगा। हम विजय के अधिकारी हैं, हमें चुनाव लड़ना और लड़ाना आता है। हमारा उद्देश्य पवित्र है, हमारे संकल्प में स्व का भाव नहीं है, हमारा संकल्प गरीब कल्याण है। हमें 150 सीटें जीतने के लिए चुनाव लड़ना है। इतना बड़ा चुनाव लड़ना है तो जोश से नहीं होश से काम करना है। मतदाता सूची के हर पेज से 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने का चुनाव लड़ना है। अमित शाह ने कहा कि 2018 में चुनाव हम नहीं हारे थे, एक लाख वोट हमें अधिक मिले थे। इस बार जातिवाद, तुष्टिकरण, परिवारवाद सामने आएगा, लेकिन यह सब चलने वाला नहीं है क्योंकि प्रदेश की जनता कांग्रेस को अच्छी तरीके से जान गई है। इस बार राष्ट्रवाद की विजय होगी। हर पेज प्रमुख के साथ बैठकर 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का संकल्प दिलाना है। यहां से हमें यही संकल्प लेकर जाना है। हमारी विजय बहुत जरूरी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज भाजपा सभी तरह के वैभव से युक्त है। पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक, बंगाल से कच्छ और लद्दाख से कन्याकुमारी तक भाजपा के जयकारे और भारत माता की जय सुनाई देती है। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ख्याति और उनकी सिद्धियों के माध्यम से आज दुनियाभर में भारत माता का जयघोष हो रहा है। जिस उद्देश्य के लिए पार्टी को बनाया गया था, उसकी पूर्ति होते हुए हम देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना के समय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, पुनर्जागरण, भारत माता को वैभव तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया था, जिसे मोदी सरकार ने 2019 में ही पूरा कर लिया है। इसलिए देश की प्रगति के लिए सरकार बनाना बहुत आवश्यक है। यह विजय आपका पराक्रम और आपका लक्ष्य है। यदि आपने मन से संकल्प ले लिया तो 30 साल तक भाजपा का भगवा ध्वज देश और प्रदेश में लहराता रहेगा।

नौ सैनिकों की ...

कृतज्ञता का एक बड़ा ऋणी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने *एक्स* पर किए गए एक पोस्ट में कहा कि यह जानकर बहुत दुख हुआ कि लेह में एक सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के जवानों की जान चली गई। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। भगवान उन्हें इस त्रासदी को सहने की शक्ति दे। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। राष्ट्र इन सैनिकों के निस्वार्थ बलिदान के लिए उनका बहुत बड़ा ऋणी है। उपराष्ट्रपति जगदीप धाखड़ ने भी शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लद्दाख में सेना के एक ट्रक के नदी में गिरने से मारे गए सैनिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया है और कहा है कि राष्ट्र के प्रति उनकी समृद्ध सेवा को हमेशा याद किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने भी मृत सैनिकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, लद्दाख में एक वाहन के खाई में गिरने से कम से कम नौ भारतीय सेना के जवानों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा शाम करीब 6.30 बजे हुआ। उन्होंने कहा कि सैनिक कारू गैरीसन से लेह के पास क्यारी की ओर बढ़ रहे थे।

पार्टी के भीतर ...

तरह-तरह की बहस छिड़ी हुई है। भारतीय जनता पार्टी में कोई भी नया या पुराना नहीं है। यह शब्द कांग्रेस पार्टी का इजाद किया हुआ एक शब्द है। भारतीय जनता पार्टी के भीतर दरार पैदा करने के लिए कांग्रेस पार्टी इस तरह की चीजें लेकर आई है। राजनीतिक दल में नए लोग आएंगे। नए लोगों को काम करने का मौका देकर ही पार्टी आगे बढ़ेगी। बिहाली निर्वाचन क्षेत्र को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित करने पर मेरे मन में कोई पछतावा नहीं है। पार्टी ने मुझे बहुत कुछ दिया है, मुझे अब और उम्मीद नहीं है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि राजेन गोहाईं ने ऐसा बयान क्यों दिया, यह कहते हुए कि हमें नए को मौका देना चाहिए। यह उनकी पूरी व्यक्तिगत राय है। भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति पर निर्भर रहने वाली पार्टी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि एक घर में भाई-बहन के बीच लड़ाई होती है। लेकिन, उसे घर के अंदर मिटाया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से उन्होंने आग्रह किया कि वे पार्टी के भीतर चर्चा करके इसे हल करें।

विहंगम योग संस्थान ...

आश्रम नियमों के विरुद्ध कार्य करने के आरोप में पूर्वांचल क्षेत्र के सभी केंद्रों पर प्रवेश बंद कर दिया, जो आश्रम मुख्यालय के अगले आदेश तक जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि विगत 15 अगस्त से विहंगम योग संस्थान का प्रभार राकेश शर्मा संभाले हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश को ...

जा रही है। बारिश से जो नुकसान हिमाचल प्रदेश में हुआ है उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बेहद चिंतित है। मैं पीएम का प्रतिनिधि बनकर ही बाढ़ और बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने पहुंचा हूं। उन्होंने कहा कि ये आपदा बेहद दुख देने वाली है। पीड़ित परिवारों से हमारी सहानुभूति है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में शिव मंदिर के मलबे से एक और शव बरामद होने के बाद राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या शनिवार को बढ़कर 78 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए *ऑरेंज अलर्ट* जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान ईश शर्मा (28) के रूप में हुई है जबकि उनके पिता का शव बृहस्पतिवार को बरामद हुआ था, जो हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में गणित विभाग के अध्यक्ष थे।

गंगोत्री हाइवे पर ...

बताया। उन्होंने प्रशासन को त्वरित रूप से राहत और बचाव कार्य संचालित करने और घायलों के उपचार के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को यह कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने जनपद उत्तरकाशी में हुई वाहन दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों के प्रति गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। राज्यपाल ने इस दुर्घटना में घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। इस दुर्घटना की सूचना पर जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला, पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी पुलिस टीम, एसडीआरएफ, एनडीआरफ, फायर सर्विस, 108 एम्बुलेंस मौके पर मौजूद हैं। घटना स्थल पर रेस्क्यू कार्य अभी किया जा रहा है ताकि लापता लोगों को खोजा जा सके। घटनास्थल से जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला और आपदा परिचालन केंद्र उत्तरकाशी से दुर्घटना की पुष्टि करते हुए मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर बाद चार बजे की है, जब गुजरात के तीर्थयात्रियों से खचाखच भरी बस संख्या यूके07पीए -8585 गंगोत्री हाइवे पर गंगनानी के पास अनियंत्रित होकर 50 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गई, जिससे इस हादसे में 07 यात्री की मौत हो गई और 27 यात्री और अन्य घायल हो गए। इन सभी को रेस्क्यू कर अस्पतालों में भेजा गया है। बस में 33 यात्रियों और बस स्टाफ के साथ कुल 35 लोग बस में सवार थे। अभी लापता हुए लोगों को खोजने के लिए रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है।

राज्य में भारी ...

छत्तीसगढ़ और इसके आसपास के क्षेत्रों पर है। यह समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है। अगले 24 घंटों के भीतर, इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिमी दिशा में उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश में आगे बढ़ने का अनुमान है। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि मॉनसून ट्रफ वर्तमान में समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक जाता है, जो गंगानगर, नारनौल, दतिया, सतना से होकर गुजरता है, जो उत्तरी छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्र में निम्न दबाव क्षेत्र का केंद्र है क्योंझरगढ़, और बालासोर। 21 अगस्त से, पूर्वी छोर के अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर बढ़ने की सबसे अधिक संभावना है। बंगाल की खाड़ी से पूर्वोत्तर भारत तक तेज़ निचले स्तर की हवाएं इस क्षेत्र में नमी लाने की काफी संभावना है। आईएमडी की रिपोर्ट आगे कहती है कि अगले 4-5 दिनों में असम क्षेत्र में कई स्थानों पर और अधिकांश स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

दो बैंकों के ...

अनुप केसी ने बताया कि कागबेनी में 13 अगस्त को भारी बारिश एवं बाढ़ ने तटीय इलाके के कई घरों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। इन घरों के मलबे को हटाने के दौरान प्रभु बैंक और नेपाल इनवेस्टमेंट बैंक की कागबेनी शाखा भवन के मलबे से कुल 1.70 करोड़ रुपए नकद मिले। कागबेनी इलाके में बाढ़ के कारण एक पुलिस चौकी का भवन, वार्ड कार्यालय सहित कुल 29 घर पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिलाधिकारी ने एक माध्यमिक विद्यालय, एक धर्मशाला सहित 13 घरों के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की भी जानकारी दी।

स्वर्वेद भाष्य

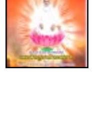

पंचम मंडल तृतीय अध्याय अध्याय

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(4)

वायु निरन्तर वह रहा, पहुँचन इच्छा ताहि।
मिलन वायु में गति नहीं, पर अस्कम्भ समाहिं॥ 07 ॥

शब्दार्थ : (निरन्तर) सदैव (पर) उत्कृष्ट।

भाष्य : वायु दूसरे पदार्थ से मिलने की इच्छा से गतिमान नहीं है, वह केवल सर्वोत्कृष्ट सर्वाधार स्कंभ मं पहुंचने की इच्छा से सदैव प्रवाहित गो गतिशील हो रही है।

यह समस्त मारग चलैं, श्रुति प्रतिपाद्य अनेक।
इच्छा पहुँचन ताहि की, गति अस्कम्भ हैं एक॥ 08 ॥

शब्दार्थ : (पथ) मार्ग (श्रुति) वेद।

भाष्य : श्रुति प्रतिपादित समस्त मार्ग एक स्कंभ तक पहुंचने की इच्छा से चले जा रहे हैं।

तकनीकी शिक्षा को उद्योग की जरूरतों के बराबर बनाई जाएगी : पर्यटन मंत्री

नलबाड़ी (हि.स.)। राज्य के पर्यटन आदि मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा असम की तकनीकी शिक्षा को उद्योग की जरूरतों के बराबर बनाना चाहते हैं। इस उद्देश्य के लिए राज्य में उद्योग 4.0 के तहत अत्याधुनिक कार्यस्थल विकसित करने के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से राज्य में कुल 61 संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें से तीन सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों और तीन सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को अपग्रेड करने का काम पूरा हो चुका है और पाठ्यक्रम 2 अक्तूबर से शुरू किया जाएगा। इन छह संस्थानों में नलबाड़ी सरकारी इंजीनियरिंग संस्थान भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आज हमने नलबाड़ी के जिला आयुक्त, कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग के अधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अंतिम तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने आशा जताई कि असम में कौशल विकास सीखने से वर्तमान उद्योग जगत की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। कार्यक्रम से पहले आज मंत्री ने नलबाड़ी शहर स्थित श्रीश्री हरि मंदिर में एम्बुलेंस का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने बालीकरिया स्थित गुरुकृपा वेद विद्यापीठ के नए भवन का शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने नलबाड़ी शहर के मध्य नारी शिक्षा के प्राणकेंद्र स्वरूप स्थिति महेंद्र नारायण चौधरी बालिका विद्यापीठ के स्वर्ण जयंती समारोह में उन्होंने ध्वजारोहण करके कार्यक्रम की शुरुआत की।

राज्यपाल से मिला तेयुप का प्रतिनिधिमंडल

गुवाहाटी। तेरापंथ युवक परिषद, गुवाहाटी का एक प्रतिनिधिमंडल गत शनिवार को महामहिम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मिला। इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के नेत्रदान सलाहकार एवं गुवाहाटी सभाध्यक्ष बजरंग सुराणा ने राज्यपाल महोदय को अभातेयुप द्वारा नेत्रदान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभातेयुप नेत्रदान एवं रक्तदान के क्षेत्र में भारतवर्ष में अग्रणी भूमिका निभा रही है। तेयुप अध्यक्ष जयंत सुराणा ने तेयुप के गति-प्रगति का प्रतिवेदन माननीय राज्यपाल महोदय को भेंट किया। परिषद द्वारा समाजसेवा के विभिन्न स्थायी प्रकल्पों आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, आचार्य तुलसी जैन हॉस्टल, रक्तदान, नेत्रदान व अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर महामहिम ने नेत्रदान अभियान समर्थन पत्र भरते हुए कहा कि नेत्रदान से उनलोगों को ज्योति मिल सकेगी, जिन्हें इसकी आवश्यकता है। मैं नेत्रदान का समर्थन करता हूं। उन्होंने इस प्रयास के लिए अभातेयुप के प्रति अपनी मंगल भावना प्रकट की। प्रतिनिधिमंडल में तेरापंथी सभा के उपाध्यक्ष पवन जम्मड़, तेयुप नेत्रदान संयोजक सतीश भादानी एवं विनीत चिंडालिया तथा श्रीमती पिंकी सुराणा शामिल थे। मंत्री संदीप कुमार भादानी ने नेत्रदान समर्थन पत्र देने के लिए राज्यपाल महोदय का आभार ज्ञापन किया। इस आशय की जानकारी सहमंत्री अमित मालू ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

अज्ञात मरीज का शव

गुवाहाटी (विभास)। एक अज्ञात मरीज का शबद जीएमसीएच में है, जिसकी आयु लगभग 45 वर्ष बताया गया है जैसा की सूचना है। प्राप्त सूचनानुसार शव की जीएमसीएच के मुरदा घर में है। उसे 16 अगस्त को 10.50 बजे रात्रि में जीएमसीएच लाया गया था। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है।

नगांव माहेश्वरी महिला समिति ने मनाया तीज का त्योहार

नगांव (नि.सं)। विशेष कर महिलाओ द्वारा मनाया जाने वाला तीज का त्योहार सामूहिक रूप से नगांव माहेश्वरी महिला समिति के तत्वावधान मे गत दिनो अग्रवाल भवन मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समिति की अध्यक्ष किरण धूत ने बताया कि उक्त तीज त्योहार कार्यक्रम मे गुवाहटी, तेजपुर, डिफू व देरगांव से भी महिलाओ की उपस्थिति रही। कार्यक्रम मे जूनियर ग्रुप मे खनक माहेश्वरी, गौरांश झंवर, मेहा सोनी, काव्या बिहानी और तनवी कर्वा ने नृत्य प्रस्तुत किया। एकल सिनियर ग्रुप में डिंपल झंवर, माया धूत, हेमा झंवर, सुशीला पेड़ीवाल (डिफू) ने और ग्रुप नृत्य कुमकुम सोनी, सारिका झंवर व सोनम बागड़ी ने शानदार नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम मे चार चांद लगा दिए। ग्रुप नृत्य मे युवीका और रीत झंवर ने भी साथ दिया। सास बहू की एकांकी सोनम बागड़ी और स्नेहा गगड़ ने प्रस्तुत कर उपस्थिति महिलाओ को हंसने पर मजबूर कर दिया। गुवाहाटी से पधारी शशिकला साबू ने एक गीत प्रस्तुत किया। जबकि कार्यक्रम मे प्रश्नोत्तरी का दौर चला और सही जबाब देने वाले को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन स्नेहा गगड़ ने कुशलतापूर्वक किया। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला समिति की हाल ही मे संपन्न हुई राष्ट्रीय स्तर की पंच स्तुति गायन प्रतियोगिता मे नगांव की कुमकुम सोनी ने प्रथम पुरस्कार जीता कर जो उपलब्धि प्राप्त की थी उस गीत की रचनाकार डिफू निवासी रुपा पेड़ीवील को कार्यक्रम में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुमन सोमानी (देरगांव) सचिव सरला चांडक, कोषाध्यक्ष बीणा मुंदड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष संतोष धूत, रुचि पेड़ीवाल, निधि सोमानी, वंदना पेड़ीवाल, पिंकी बिहाणी, रेखा झंवर, बिमला बागड़ी सहित अन्य सदस्यायें उपस्थित थी। इस आशय की जानकारी सचिव सरला चांडक ने दी।

मिजोरम सीमा पर छह ऑस्ट्रेलियाई ब्लैक पाम कॉकटू बरामद

कछार (हि.स.)। कछार जिले के धोलाई थानाक्षेत्र में आज सुबह तस्करों के पास से छह विदेशी मूल की पक्षियां बरामद की गई। छह ऑस्ट्रेलियाई ब्लैक पाम कॉकटू को असम-मिजोरम सीमा के पास तस्करों के पास से जब्त किया गया। जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने मीडिया को बताया कि आज सुबह तकरीबन 6 बजे कुछ तस्कर इन ऑस्ट्रेलियन पक्षियों को लेकर जा रहे थे। लेकिन, स्थानीय लोगों को देखकर वे पक्षियों को छोड़कर वहां से भाग गए। लोगों ने इन पक्षियों को उठाकर लाया और निकटवर्ती धोलाई थाने में खबर दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सभी छह ऑस्ट्रेलियाई पक्षियों को थाने में लायी। इन सभी पक्षियों की कीमत तकरीबन एक करोड़ 20 लाख रुपए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बताई गई है। आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग के पदाधिकारियों को सूचना दी गई है। ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है कि पक्षियों के तस्कर असम मिजोरम के सीमावर्ती जंगलों में इन विशिष्ट प्रजाति की पक्षियों का शिकार करके उसे बेचते हैं।

पू.सी. रेल ने जुलाई में 1064 माल रेक अनलोड किए

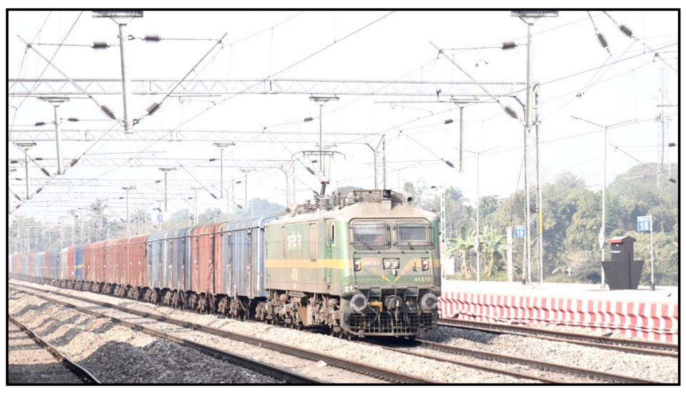

गुवाहाटी। आवश्यक एवं अन्य वस्तुओं की आपूर्ति बरकरार रखने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल निरंतर माल अनलोडिंग में वृद्धि दर्ज कर रही है। इस वर्ष जुलाई माह में 1064 माल लदा रेक अनलोड किए गए। चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से जुलाई, 2023 के दौरान, पू. सी. रेल के क्षेत्राधिकार में 4447 माल लदा रेक अनलोड किए गए। पू. सी. रेल ने उक्त महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, ऑटोमोबाइल, कंटेनर जैसे सामानों और अन्य वस्तुओं का परिवहन किया और इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया। जुलाई, 2023 में, असम में माल लदे ट्रेनों के 598 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 321 आवश्यक वस्तुओं के थे। उसी महीने के दौरान त्रिपुरा में 73 रेक, नागालैंड में 17 रेक, मणिपुर में 9 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 6 रेक और मिजोरम में 7 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, पू. सी. रेल के क्षेत्राधिकार में जुलाई महीने में पश्चिम बंगाल में 193 माल रेक और बिहार में 161 माल रेक भी अनलोड किए गए। पू. सी. रेल के महत्वपूर्ण सेक्शनों पर दोहरीकरण कार्यों के त्वरित निष्पादन से माल परिवहन की आवक व जावक गतिविधि में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप आवश्यक और अन्य वस्तुओं के परिवहन में वृद्धि के साथ-साथ माल अनलोडिंग भी बढ़ी है। इस आशय की जानकारी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

मेरापानी हत्याकांड के आरोपी की पुलिस हिरासत में मौत

गोलाघाट (हि.स.)। जिले के मेरापानी से आज गिरफ्तार हत्या के आरोपी तोलन बोरा की मेरापानी पुलिस की हिरासत में मौत हो गई। तोलन बोरा उर्फ रूपेश्वर बोरा पर शनिवार रात मेरापानी के तेतेलीगुड़ी में राजीव गोगोई नामक युवक को यातना देकर बेरहमी से हत्या करने का आरोप था। घटना के तुरंत बाद मेरापानी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए घायल तोलन को पहले मेरापानी सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन, डॉक्टरों ने उसे गोलाघाट कुशल कोंवर सिविल अस्पताल रेफर कर दिया। मेरापानी पुलिस ने बताया कि तोलन बोरा की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। इस खबर के बाद पूरी घटना एक रहस्य में घिर गई है।

सिलापथार में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

धेमाजी (हि.स.)। सिलापाथर इलाके में नकली सोने और ड्रग्स के विरुद्ध पुलिस द्वारा जोरदार अभियान चलाया गया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बीती रात सिलापथार में पालपट्टी रोड स्थित सलमान अली के घर पर छापा मारा। पुलिस की कार्रवाई में अली के घर से एक कैश बैग बरामद किया गया। पता चला है कि बैग से 5.50 लाख रुपए और 5.20 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इस दौरान पुलिस ने कार्रवाई में दो पल्सर बाइक जब्त करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने सैदुल इस्लाम नामक एक व्यक्ति को अवैध सामान रखने के आरोप में गिरफ्तार किया।

दंपति शिविर कपल कैसे बने सफल आयोजित

गुवाहाटी। तेरापंथ के एकादशम् अधिशास्ता युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखाजी के पावन सान्निध्य एवं श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में दंपति शिविर *कपल कैसे बने सफल* का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्रीजी के द्वारा भगवान पारसनाथ की स्तुति से हुई। इस कार्यक्रम में लगभग 50 जोड़ों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। साध्वीश्री स्वर्णरेखाजी ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में कहा कि सृष्टि का आधार स्त्री और पुरुष हैं। इसी प्रकार परिवार का आधार है सुखी दांपत्य जीवन। दांपत्य जीवन धर्म है, समर्पण है, विश्वास है। पति-पत्नी जीवन की उड़ान में पक्षी के दो पंखों की तरह होते हैं, यदि 2 अंकों में एकरूपता न हो, तालमेल न हो तो गंतव्य तक पहुंचना कष्टकर हो जाता है, इसीलिए हमें आवश्यकता है कि हम परस्पर सामंजस्य, मधुरता व तालमेल बनाए रखें। हम एक दूसरे की सोच का सम्मान करें, तभी हमारा दांपत्य जीवन सुखमय बन पाएगा। इस अवसर पर साध्वी सुधांशुप्रभाजी का प्रेरक वक्तव्य हुआ। इस अवसर पर दंपतियों के द्वारा 2 मधुर गीतों की प्रस्तुति हुई। इस मौके पर साध्वीश्रीजी के सान्निध्य में सजोड़े रवि-भावना बैद एवं नम्रता बुच्चा ने अठाई की तपस्या का प्रत्याख्यान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए महिला मंडल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता गुजरानी तथा मंत्री श्रीमती ममता दुगड़ ने सभी जोड़ों से कई रोचक प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में तेरापंथ महिला मंडल एवं युवक परिषद का विशेष सहयोग रहा। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा एवं मंत्री रायचंद पटावरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी को साधुवाद प्रेषित किया है। इस आशय की जानकारी सभा के प्रचार-प्रसार संयोजक संजय चौरड़िया ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

समित चौधरी की चौथी पुस्तक बाजार में

गुवाहाटी (विभास)। समित चौधरी की पोर्ट्रैइंग स्टेट एक्सेलेन्सीज ॉफ असम बाजार में आई है। इस अंग्रजी पुस्तक के लेखक चौधरी वर्तमान में असम लेजिस्लेटवि असेंबली में एक पदाधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। इसके पूर्व उनकी तीन पुस्तकें आ चुकी है। पहली चीफ मिनिस्टर्स ऑफ असम ब्रीफ प्रोफाइल्स (2015), दूसरी 3 आर रिस्क, राइट एंड रेमेडी (2019) और तीसरी स्टडी ऑफ रेलिजन्स नेशनलिज्म, इंडियानाइजेशन एंड इंडियाज पॉलिटिकल कल्चर्स (2022) है। इस पुस्त को लेकर ने स्वंय प्रकाशित किया है। इसका मुद्रण विकी कॉम्युनिकेशन एंड एसोसियट्स (यूनिटी ऑफ व्यतिक्रम ग्रुप) विवेकानंद पथ, एचएन 19, जीएस रोड, उलुबाड़ी, गुवाहाटी-781007 है। इस पुस्तक में लिखा गया है कि हिमंत विश्व शर्मा को नए असम का निर्माता (आर्किटेक्ट ऑफ द न्यू असम) आसानी से कहा जा सकता है।

श्याम स्टील का रक्तदान अभियान तेजपुर में आयोजित

तेजपुर। इस्पात उद्योग के एक प्रसिद्ध नेता, श्याम स्टील ने उदार समर्थन के साथ एक उल्लेखनीय तीन दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन करके एक बार फिर असम, तेजपुर में सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। मारवाड़ी युवा मंच (एमवाईएम) के साथ-साथ अन्य गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ सहयोग। इस कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय के दानदाताओं और प्रतिभागियों की प्रभावशाली उपस्थिति देखी गई। रक्तदान शिविर, जीवन बचाने और समुदाय की भलाई में योगदान देने के उद्देश्य से एक नेक पहल, तेजपुर, असम में स्थापित किया गया था। तीन दिनों के दौरान, अनुमानित 150 दाता, जिनमें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के उत्साही व्यक्ति शामिल थे, निस्वार्थ भाव से रक्तदान करने के लिए आगे आए। इस आयोजन ने चिकित्सा आपात स्थितियों और उपचारों में रक्त की निरंतर आवश्यकता को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे संभावित रूप से जरूरतमंद लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आया। आयोजक और प्रायोजक समान रूप से इस आयोजन को संभव बनाने में उनके समर्थन के लिए श्याम स्टील के बेहद आभारी हैं। कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक कल्याण के प्रति श्याम स्टील की प्रतिबद्धता इस सार्थक प्रयास के साथ जुड़ने से चमकती है। मारवाड़ी युवा मंच और अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी करके, श्याम स्टील ने एक स्वस्थ और अधिक जीवंत समाज को बढ़ावा देने के लिए अपने समर्पण का प्रदर्शन किया है। रक्तदान अभियान के साथ-साथ, आयोजकों ने *एक शाम देश के नाम* नामक एक सांस्कृतिक समारोह की मेजबानी की। यह विशेष शाम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव थी, जिसमें देश की विविधता, एकता और इसके स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को श्रद्धांजलि दी गई थी। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रदर्शन किया गया, जिसमें विभिन्न कला रूपों, नृत्य शैलियों और संगीत प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया जो भारत के सार को दर्शाते हैं। इस नेक पहल पर टिप्पणी करते हुए, श्याम स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक, श्री ललित बेरीवाला ने इस आयोजन के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान केवल देने का कार्य नहीं है, बल्कि मानवता की एक गहरी अभिव्यक्ति है। तेजपुर में, हम इसे स्वीकार करते हैं इस रक्तदान अभियान के माध्यम से जीवन बचाने के लिए एक साथ आने का महत्वपूर्ण महत्व है। दान की गई प्रत्येक बूंद हमारे साथी नागरिकों के लिए आशा, करुणा और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जैसे ही हम मारवाड़ी युवा मंच और अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ हाथ मिलाते हैं, हमें याद दिलाया जाता है कि यह नेक प्रयास सीमाओं को पार करता है और हमें एक साझा उद्देश्य में एकजुट करता है-जहां यह सबसे अधिक मायने रखता है वहां बदलाव लाने के लिए। हम उन समुदायों को वापस लौटाने में विश्वास करते हैं जिनकी हम सेवा करते हैं और प्रतिभागियों की उदारता और भावना से प्रेरित हैं। आयोजन के बारे में बोलते हुए, मारवाड़ी युवा मंच के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम अपने रक्तदान शिविर और सांस्कृतिक समारोह के लिए समुदाय की प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। अटूट एकजुटता के साथ, मारवाड़ी युवा मंच ने नेक कार्य के माध्यम से जीवन को रोशन करने के लिए श्याम स्टील के साथ हाथ मिलाया है। तेजपुर में रक्तदान। लोगों को एक नेक काम में योगदान देने और हमारे राष्ट्र की भावना का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते देखना खुशी की बात है। हम इस पहल को वास्तविकता बनाने में उनके अमूल्य समर्थन के लिए श्याम स्टील के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। रक्तदान शिविर और सांस्कृतिक समारोह में समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालने में मारवाड़ी युवा मंच, अन्य गैर सरकारी संगठनों और श्याम स्टील के सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। यह आयोजन इस बात का एक चमकदार उदाहरण है कि कैसे कॉर्पोरेट संस्थाएं और स्थानीय संगठन सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक जुड़ाव के महत्व को मजबूत करते हुए व्यापक भलाई के लिए एक साथ आ सकते हैं।

अमित शाह की कांग्रेस को चुनौती, बोले-हिम्मत है तो 50 साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर आएं

– केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने मप्र सरकार के 20 वर्षों का कामों का रिपोर्ट कार्ड जारी किया

भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को भोपाल प्रवास के दौरान कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि हमने मध्य प्रदेश को 20 साल में विकसित राज्य के रूप में आगे ले जाने काम किया है। आत्म निर्भर मध्य प्रदेश की नींव इन वर्षों में रखी गई। उन्होंने कांग्रेस के लोगों से पूछा कि आपने मध्यप्रदेश के साथ कितना न्याय किया, इसका हिसाब दीजिए। आंकड़े लेकर नौ करोड़ जनता के सामने आइए। केंद्रीय गृह मंत्री शाह आज कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में गरीब कल्याण महाअभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का गठन 1956 में हुआ, तब से 2003 तक कांग्रेस का शासन रहा। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश को 53 साल में बीमारू राज्य बनाया। उन्होंने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि 'हिम्मत है तो आपके 50 साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर आइए। 2004 से 14 में जब सोनिया-मनमोहन सरकार थी, मध्यप्रदेश को एक लाख 58 हजार करोड़ रुपये सिर्फ 10 साल में दिए। मोदी सरकार ने नौ साल में आठ लाख 30 हजार करोड़ रुपये मध्यप्रदेश को देने का काम किया। उन्होंने इस मौके पर मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार के 20 साल (2003-2023) का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बेहद मेहनती बताते हुए अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि 'हमने एक बीमारू राज्य को देश के सबसे विकसित राज्य में पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आने वाले अमृतकाल का समय मध्य प्रदेश के लिए बेमिसाल साबित होगा। हर क्षेत्र में एमपी आगे बढ़ रहा है। यहां सभी अंचलों तक विकास पहुंचाया है। उन्होंने भरोसा जताया कि 2024 में लोकसभा की पूरी सीट हमें जनता देगी। शाह ने कहा कि 2003 में बंटाधार की सरकार को हटाकर उमा भारती के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी और इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 20 साल में विकास के कार्य हुए हैं। मध्य प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया। मैं मध्य प्रदेश की जनता को कहने आया हूं कि यह गरीबी से मुक्ति का चुनाव है। आबादी के 10 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। दिग्विजय- कमल नाथ

जवाब दें कि अजा- अजजा के मात्र एक हजार करोड़ रुपये खर्च करते थे, आज हमारी सरकार इस वर्ग पर 64 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। स्वास्थ्य का बजट 580 करोड़ से बढ़कर 16 हजार करोड़ हुआ। सर्व शिक्षा अभियान का बजट बढ़ा है। पहले सड़कों में गड्ढे थे या गड्ढे में सड़क थी, समझ में नहीं आता था। कांग्रेस ने किसानों को गुमराह किया। जिसने खेत नहीं देखा, वो कमल नाथ एमएसपी की बात करते हैं। उन्होंने ललकारते हुए कहा कि कांग्रेस हमारे रिपोर्ट कार्ड का जवाब दे और हिम्मत है तो पचास साल का हिसाब दे। मनमोहन सरकार ने मात्र एक लाख 95 हजार करोड़ रुपये दिये और मोदी सरकार ने आठ लाख 31 हजार करोड़ दिये। राशन कांग्रेस के चट्टे-पट्टे ही खा जाते थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने योजना बनाने में कटौती नहीं की और बजट देने में भी कमी नहीं की। पहले टुकड़े-टुकड़े में विकास होता था। अब समुचित विकास होता है। 80 लाख शौचालय बन चुके है, 10 लाख 87 हजार सिलेंडर वितरित किए हैं। 31 हजार करोड़ की लागत से नर्मदा एक्सप्रेस वे का निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 15 महीने की सरकार में क्या किया। हमारी सरकार की योजनाओं को लंगड़ा कर दिया था कमल नाथ सरकार ने। 46 लाख बेटियों को लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ मिला है। प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 24 तक पहुंच चुकी है। ट्राइबल के लिए पेसा कानून लागू किया है। मोदी और शिवराज सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं को बंद करने का काम कांग्रेस ने किया। उन्होंने कहा कि 14 देशों ने सिर्फ. मोदी का सम्मान नहीं किया बल्कि हमारी विकासगाथा का सम्मान किया है। नरेन्द्र मोदी ने विकसित राज्य बनाने का बीड़ा उठाया है। कांग्रेस ने जब सत्ता पाई तब सिर्फ. घोटाला किया। अमित शाह ने बोफोर्स समेत 24 घोटालों का जिक्र कर कहा कि 'बंटाधार और कमलनाथ इधर-उधर की बात नहीं करिए। मध्यप्रदेश का काफिला क्यों लुटा? इसका जवाब दीजिए। यह कांग्रेस के समय में लुटा है।' विधानसभा चुनाव के बाद मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री के सवाल पर अमित शाह ने कहा कि यह पार्टी का काम है, पार्टी को काम करने दीजिए। एमपी की जनता को चुनना है कि घोटालों की, बंटाढार की सरकार चाहिये या मोदी के विकास में आप सहभागी बनेंगे। महान भारत बनाने के मोदी के सपने में आप सहयोग करें। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने 'गरीब कल्याण महा अभियान' की भी शुरूआत की।

नूंह हिंसा के विरोध में जंतर-मंतर पर महापंचायत विवादित बयान के बाद बीच में ही खत्म

अजय त्यागी

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह हिंसा के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर रविवार को आयोजित महापंचायत को एक महंत के विवादित बयान के बाद बीच में ही खत्म कर दिया गया। ऑल इंडिया सनातन फेडरेशन ने इस महापंचायत का आयोजन किया गया था। इसमें हिंदू संगठन से जुड़े हुए 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले से ऐलान किया कि किसी भी तरह से समुदाय को भड़कानेवाली बात इस मंच पर नहीं करनी थी, लेकिन फिर भी विवादित बयान दिए जा रहे हैं। इस वजह से महापंचायत को बीच में ही बंद करना पड़ रहा है। बार-बार समझाने के बाद भी मंच पर कुछ लोगों ने भड़काऊ भाषण दिए हैं। सुबह जंतर-मंतर पर पुलिस सुरक्षा के बीच गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत स्वामी यति नरसिंहानंद सरस्वती पहुंचे। उन्होंने मंच पर विवादित बयान दिया। उनका कहना था कि देश में अगर यही हालात रहे तो साल 2029 में देश का प्रधानमंत्री एक मुस्लिम होगा। उनका कहना था कि आज हिंदुओं की धार्मिक यात्रा पर पत्थरबाजी की जाती है। आप समझ सकते हैं कि जब इस समय ऐसे हालात हैं तो साल 2029 तक कैसे हालात होंगे। इस बयान के बाद दिल्ली पुलिस ने तत्काल महापंचायत को रुकवा दिया और मंच से पुलिस ने कहा कि बार-बार कहा गया कि मंच पर किसी भी समुदाय के खिलाफ भड़काऊ भाषण नहीं की जाएगी। सिर्फ अपने बारे में ही बात करें लेकिन बार-बार समझाने के बाद भी ऐसा नहीं हुआ। इस वजह से हमें मजबूरन महापंचायत को रोकना पड़ रहा है। इस दौरान उन्होंने जी-20 सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि हम नहीं चाहते कि देश में किसी भी प्रकार की कोई अव्यवस्था फैले और गलत संदेश जाए।

कांग्रेस कार्य समिति के गठन की घोषणा, सचिन पायलट और थरूर को भी मिली जगह

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को पार्टी की शीर्ष निर्णायक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के गठन का ऐलान किया। इसमें शशि थरूर और सचिन पायलट को भी जगह मिली है। दोनों पहली बार इसमें शामिल हुए हैं। सीडब्ल्यूसी में 39 सदस्य, 18 स्थायी आमंत्रित, नौ विशेष आमंत्रित और पदेन सदस्य एवं प्रभारियों के नाम शामिल हैं। सीडब्ल्यूसी में मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा सोनिया गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, एके एंटनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, पी. चिदम्बरम, तारिक अनवर, ललथनहवाला, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, अशोक चव्हाण, अजय माकन, चरणजीत सिंह चन्नी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कुमारी शैलजा, गैखंगम, एन रघुवीरा रेड्डी, शशि थरूर, ताम्रध्वज साहू, अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, जीतेन्द्र सिंह, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सचिन पायलट, दीपक बाबरिया, जगदीश ठाकोर, जीए मीर, अविनाश पांडे, दीपादास मुंशी, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन, कमलेश्वर पटेल और केसी वेणुगोपाल शामिल हैं।

स्थायी आमंत्रित : वीरप्पा मोइली, हरीश रावत, पवन कुमार बंसल, मोहन प्रकाश, रमेश चेन्निथला, बीके हरिप्रसाद, प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी, तारिक हमीद कर्रा, दीपेन्द्र सिंह हुड्डा, गिरिश राया चोदनकर, टी सुब्बारामी रेड्डी, के राजू, चंद्रकांत हंडोरे, मीनाक्षी नटराजन, फुलो देवी नेताम, दामोदर राजा नरसिम्हा और सुदीप रॉय थुरमन शामिल हैं।

विशेष आमंत्रित : पल्लम राजू, पवन खेड़ा, गणेश गोदियाल, कोडिककुनिल सुरेश, यशोमति ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, प्रणिति शिंदे, अलका लांबा, वामशी चंद रेड्डी।

पदेन सदस्य : श्रीनिवास बीवी अध्यक्ष आईवाईसी, नीरज कुन्दन अध्यक्ष एनएसयूआई, नेट्टा डिसूजा अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, सेवादल के मुख्य संगठक लालजी देसाई।

प्रभारी : डॉ. ए चेल्लाकुमार, भक्त चरण दास, डॉ. अजय कुमार, हरीश चौधरी, राजीव शुक्ला, मनिकम टैगोर, सुखविन्दर रंधावा, माणिकराव ठाकरे, रजनी पटेल, कन्हैया कुमार, गुरदीप सप्पल, सचिन राव, देवेन्द्र यादव, मनीष चतरथ।

डीआरडीओ का तापस यूएवी चित्रदुर्ग टेस्ट रेंज में दुर्घटनाग्रस्त, जांच के आदेश

– तेज आवाज के साथ यूएवी दुर्घटनाग्रस्त होकर गांव के कृषि क्षेत्र में गिरा
– ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, डीआरडीओ के अधिकारी मौके पर पहुंचे

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का स्वदेशी तापस यूएवी रविवार को बेंगलुरु के चित्रदुर्ग टेस्ट रेंज में उड़ान परीक्षण के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तेज आवाज के साथ यूएवी के दुर्घटनाग्रस्त होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। तापस का पूरा नाम टेक्टिकल एयरबॉर्न प्लेटफॉर्म फॉर एरियल सर्विलांस बेयॉन्ड होराइजन (टीएपीएएस) है। यह एक मीडियम एल्टीट्यूट लॉन्ग-इंड्यूरेंस ड्रोन है, जो अमेरिका के एमक्यू-1 प्रीडेटर ड्रोन जैसा ही है। तापस अपने आप ही टेक ऑफ और लैंड करने की क्षमता रखने वाला ड्रोन है। इसे पहले रुस्तम-2 के नाम से पुकारा जाता था, जिसकी अधिकतम रफ्तार 224 किलोमीटर प्रति घंटा थी। 20.6 मीटर के विंग स्पैन वाला ड्रोन लगातार 1000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है। यह 28 हजार फीट की ऊंचाई पर 18 घंटे से ज्यादा की उड़ान भर सकता है। डीआरडीओ के तापस मीडियम-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस मानव रहित हवाई वाहन को एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीए) ने विकसित किया है। एडीए डीआरडीओ का प्रमुख एयरोनॉटिकल सिस्टम डिजाइन हाउस है, जो भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने

के लिए अत्याधुनिक मानव रहित हवाई वाहनों और वैमानिकी पद्धतियों का विकास करता है। डीआरडीओ का तापस यूएवी आज सुबह उड़ान परीक्षण के दौरान चित्रदुर्ग परीक्षण रेंज में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ग्रामीणों ने कृषि क्षेत्रों में तापस के दुर्घटनाग्रस्त होकर गिरने की सूचना पुलिस को दी। चित्रदुर्ग के एसपी के.परशुराम ने चल्लाकेरे के पास कुदापुरा में तापस 07ए-14 मानव रहित विमान के कृषि क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि की है। इसके बाद पुलिस और डीआरडीओ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है, क्योंकि जब यह यूएवी दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उस समय मैदान पर कोई नहीं था। डीआरडीओ के अधिकारियों ने इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

नई दिल्ली का कोई भी निर्णय बांग्लादेश के लिए मददगार : मोमेन

आशीष वर्मा

ढाका। बांग्लादेश के विदेशमंत्री डॉ. एके अब्दुल मोमेन ने रविवार को भारत सरकार की सराहना की । उन्होंने कहा कि भारत की नरेन्द्र मोदी सरकार 'परिपक्व सरकार ' है। नई दिल्ली का लिया गया कोई भी निर्णय क्षेत्र खासतौर पर बांग्लादेश के लिए 'मददगार' होगा। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस टिप्पणी के समय वह बांग्लादेश के संबंध में संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत के संदेश पर कोलकाता के एक मीडिया में प्रसारित रिपोर्ट पर पत्रकारों के

सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा- 'भारत सरकार परिपक्व सरकार है। वह लोकतांत्रिक है। अगर वह उनके लिए और क्षेत्र की समग्र सुरक्षा के लिए कोई निर्णय लेती है, तो यह निश्चित रूप से सभी के लिए मददगार होगा।'

अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने 23 अगस्त से यात्रा पर अस्थायी रूप से रोक लगाई

जम्मू, (हि.स.)। तीर्थयात्रियों में आई कमी को देखते हुए अमरनाथ यात्रा 23 अगस्त से अस्थायी रूप से रोक दी गई है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने यह अस्थायी रोक यात्रा के रास्ते में कई जगह मरम्मत होने के चलते लगाई है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड के आधिकारियों ने रविवार को कहा कि यात्रा के कई संवेदनशील हिस्सों पर इस समय सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) मरम्मत कर रहा है। इसी के चलते पवित्र गुफा की ओर जाने वाले दोनों ट्रैक पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही कम हो गई है। श्राइन बोर्ड ने कहा है कि मार्ग इस समय सही नहीं है। इसे देखते हुए यात्रा 23 अगस्त से दोनों मार्गों से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी। इस साल 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई थी और 31 अगस्त को छड़ी मुबारक के कार्यक्रम के साथ समाप्त होगी।

यात्रा दोनों मार्गों अनंतनाग जिले के पहलगाम ट्रैक और गांदरबल जिले के बालटाल से एक साथ शुरू हुई। इस वर्ष अब तक 4.4 लाख से अधिक तीर्थयात्रा बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

दिल्ली में रानी झांसी रोड पर दो पूजास्थलों की सामने की दीवार गिराई गई

अजय कुमार

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग ने रविवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी के झंडेवाला क्षेत्र में रानी झांसी रोड पर अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत पिपलेश्वर हनुमान मंदिर और मामू-भांजे मजार की सामने की दीवार को ध्वस्त कर दिया। कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों की मौजूदगी में यह अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण परियोजना का मार्ग प्रशस्त करने के लिए गई। इस दौरान पुलिस ने रानी झांसी मार्ग पर झंडेवाला माता मंदिर की तरफ के रास्ते को पूरी तरह बंद कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के

मुताबिक यहां तड़के करीब चार बजे पुलिस और सीआरपीएफ के जवान बड़ी संख्या में लोक निर्माण विभाग की जेसीबी के साथ पहुंचे। इसके बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। अतिक्रमण विरोधी अभियान करीब सात घंटे तक चला। यह मार्ग आमतौर पर बहुत व्यस्त रहता है। कथित रूप से इन दोनों पूजास्थलों के पास किए गए अवैध निर्माण की वजह से यहां शाम को यातायात संभालना दिल्ली पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था।

उत्तराखंड में मानसून सीजन से हुई तबाही में 01 हजार करोड़ का नुकसान, 24 तक राज्य में अलर्ट

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में लगातार भूस्खलन और पहाड़ चटकने की घटनाएं लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही हैं। मानसून सीजन से हुई तबाही में अब तक राज्य में लगभग 01 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। राज्य में 04 बार्डर मार्ग सहित कुल 221 सड़कें बंद हैं, जिन्हें खोलने का कार्य जारी है। मौसम विभाग ने प्रदेश में 24 अगस्त तक के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी है। देहरादून में सुबह से लेकर दोपहर तक सूर्यदेव का लुकाछिपी का खेल जारी है। आसमान में काले बादल छाए हुए हैं। राज्य में इस बार शुरू से ही मानसून सक्रिय रहा। इस कारण सरकार के तरफ से कई बार मौसम को देखते हुए चारधाम यात्रा पर यात्रियों को यात्रा करने से रोकना पड़ा। राज्य में अतिवृष्टि के कारण आपदा की स्थिति से प्रदेश वासियों के जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है और जान माल का नुकसान उठाना पड़ा है। नदी-नालों की विकराल दशा लोगों को भयभीत कर रहा है तो भूस्खलन, भू धंसाव के कारण सार्वजनिक निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंच रहा है। जिलाधिकारी देहरादून के निर्देश पर आपदा प्रभावित जाखन गांव के आसपास भू-वैज्ञानिक की टीम ने अध्ययन किया है। बताया जा रहा है कि अतिवृष्टि के चलते बारिश का पानी मिट्टी में लगातार रिसता रहा, जिससे यह घटना घटित हुई है। अध्ययन टीम का कहना है कि जिस जगह पर लैंड स्लाइड हुआ है वहां अब भू-धंसाव की कम आशंका है, लेकिन एक्टिव जोन होने के कारण जमीन अस्थिर हो गई है। एसडीआरएफ टीम ने पशु लोक बैराज से एक महिला के शव को निकालकर ऋषिकेश पुलिस को किया सुपर्द किया है। शिनाख्त के लिए थानों को अवगत कराया गया है। एसडीआर एफ फ्लड रेस्क्यू टीम इंचार्ज, निरीक्षक कविंद्र सजवाण ने बताया कि बरामद महिला का शव 8 से 10 दिन पुराना है, जिसकी उम्र 35 से 40 प्रतीत हो रही है। राज्य में 15 जून से लेकर अब तक 78 लोगों को जान गंवानी पड़ी हैं और 48 घायल हुए हैं जबकि 18 लापता हैं। इस बार वर्षा नुकसान का आंकलन वर्षा काल के बीच से किया जा रहा है। लोक निर्माण,ऊर्जा सहित अन्य विभागों को मिलाकर कुल अब तक आपदा से एक हजार करोड़ रुपये की क्षति का अनुमान है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूवार्नुमान में रविवार को हरिद्वार और उधम सिंह नगर को छोड़कर अन्य 11 जिलों के लिए गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं भारी वर्षा को लेकर येलो अलर्ट जारी है। राज्य में 21 और 22 अगस्त के लिए देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, चमोली, नैनीताल जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट है जबकि अन्य के लिए येलो जारी है। प्रदेश भर में 23-24 अगस्त के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के सीमांत जिला पिथौरागढ़ में 04 बॉर्डर और राज्य में 16 राज्य मार्ग सहित लगभग 221 अन्य सड़कें अवरुद्ध हैं। इन बंद मार्गों को खोलने का कार्य जारी है। सचिव आपदा रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि मानसून अभी सक्रिय है और क्षति का आकलन भी विभागवार किया जा रहा है। मानसून के बाद क्षतिपूर्ति के दृष्टिगत मदद के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। केन्द्र की टीम भी राज्य में अतिवृष्टि से हुई नुकसान का जायजा लिया है। अब तक लगभग 01 हजार करोड़ का नुकसान का अनुमान है। फाइनल आंकड़े आने के बाद मदद के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। देहरादून के जाखन में अध्ययन टीम को सर्वे के लिए भेजा गया है रिपोर्ट अध्ययन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जेपी नड्डा ने आपदा प्रभावित क्षेत्र सिरमौरी ताल व कच्ची ढांग का किया दौरा

नाहन, (हि. स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा रविवार सुबह सिरमौर जिले के पांवटा साहिब विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। नड्डा ने यहां पर आपदा प्रभावित क्षेत्र सिरमौरी ताल समेत अन्य प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया। इस दौरान पर नड्डा ने सिरमौरी ताल सहित राजबन में राहत शिविर का जायजा लिया। इस मौके पर जेपी नड्डा ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात उनका हाल जाना। इस मौके पर नड्डा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज भारी वर्षा से हुए नुकसान का जायजा लेने पांवटा विधानसभा क्षेत्र पहुंचे है। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र सरकार हिमाचल

में हुई आपदा से चिंतित हैं और वो सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर मौजूदा स्थिति का जायजा लेने आए हैं। नड्डा ने कहा कि केन्द्र सरकार इस आपदा की घड़ी में पूरी तरह से प्रदेश सरकार के साथ खड़ी है और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

नितिन गडकरी मंगलवार को कार सुरक्षा रेटिंग से जुड़े कार्यक्रम को करेंगे लांच

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को भारत नई कार मूल्यांकन कार्यक्रम (भारत एनसीएपी) लांच करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य देश में 3.5 टन तक के मोटर वाहनों के सुरक्षा मानकों को बढ़ाना है। इससे ग्राहकों को वाहन की दुर्घटना सुरक्षा और तुलनात्मक मूल्यांकन करने में आसानी होगी। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार कार निमार्ता स्वेच्छा से ऑटोमोटिव उद्योग मानक (एआईएस) 197 के अनुसार अपने कारों का परिक्षण करा सकते हैं। इसके आधार पर कार को वयस्क और बाल सुरक्षा की दृष्टि से स्टार रेटिंग दी जाएगी। ग्राहक विभिन्न वाहनों के सुरक्षा मानकों की तुलना कर सकते हैं और खरीद से संबंधित निर्णय ले सकते हैं। सरकार का कहना है कि इससे सुरक्षित कारों की मांग बढ़ेगी। इससे कार निमार्ता

ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। उच्च सुरक्षा मानकों के साथ भारतीय कारें वैश्विक बाजार में बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगी। इससे भारत में कार निमार्ताओं की निर्यात क्षमता बढ़ेगी। इस कार्यक्रम से भारत में सुरक्षा के प्रति संवेदनशील कार बाजार विकसित होने की उम्मीद है।

एनसीसीएफ 25 रुपये किलो के मूल्य पर प्याज बेचेगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्याज की बढ़ती कीमतों को देखते हुए 21 अगस्त से खुदरा दुकानों और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) की मोबाइल वैन के माध्यम से 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही आने वाले दिनों में अन्य एजेंसियों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को शामिल कर प्याज की बाजार में उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। यह जानकारी रविवार को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से दी गई। मंत्रालय के मुताबिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रमुख बाजारों को ध्यान में रखते हुए बफर से प्याज पहुंचाना शुरू हो गया है। जहां खुदरा कीमतें अखिल भारतीय औसत से ऊपर हैं या फिर पिछले महीने की तुलना में काफी अधिक हैं, उन बाजारों तक प्याज पहुंचाया जाएगा। आज तक बफर से लगभग 1,400 मीट्रिक टन प्याज तय बाजारों में भेज दिया गया है। इसके अलावा प्याज की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास भी लगातार जारी हैं। केंद्र सरकार ने 3 लाख मीट्रिक टन के प्रारंभिक खरीद लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद इस वर्ष प्याज बफर की मात्रा बढ़ाकर 5 लाख मीट्रिक टन कर दी। इस संबंध में उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एनसीसीएफ और एनएएफईडी को प्रमुख उपभोग केंद्रों में खरीदे गए स्टॉक के कैलिब्रेटेड निपटान के साथ अतिरिक्त खरीद लक्ष्य प्राप्त करने के लिए 1 लाख टन प्रत्येक की खरीद करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय का कहना है कि सरकारी प्याज द्वारा बफर के लिए खरीद, स्टॉक की तय रिलीज और निर्यात शुल्क लगाने जैसे बहुआयामी उपायों से किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने से लाभ होगा। इससे पहले प्याज की कीमतों में स्थिरता बनाये रखने के लिए सरकार ने निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया था।

चीन ने तैनात किए क्वाड देशों के मालाबार अभ्यास की निगरानी के लिए सैकड़ों उपग्रह

नई दिल्ली, (हि.स.)। हमेशा से चीन की आंखों की किरकिरी बने क्वाड देशों के मालाबार अभ्यास के बीच भारतीय पनडुब्बी आईएनएस वागिर को ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल में तैनात किया गया है। ऑस्ट्रेलिया पहली बार क्वाड देशों की नौसेनाओं के मालाबार अभ्यास की मेजबानी कर रहा है। चीन ने क्वाड के मालाबार नौसैनिक अभ्यास की निगरानी के लिए सैकड़ों उपग्रह तैनात किए हैं। ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय पनडुब्बी रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना (आरएएन) इकाइयों के साथ विभिन्न अभ्यासों में भाग लेगी। क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्यूयूएडी-क्वाड) में भारत-प्रशांत क्षेत्र की चार प्रमुख नौसेनाएं भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में होने वाली मालाबार एक्सरसाइज एक साल जापान में होती है तो एक साल भारत में और एक साल प्रशांत महासागर में किसी अमेरिकी नौसैनिक बेस के करीब। चीन को परेशान करने वाला क्वाड देशों के बीच मालाबार नौसैन्य अभ्यास का पिछला संस्करण जापान की मेजबानी में हुआ था। 2020 में क्वाड देशों के क्लब में शामिल हुआ ऑस्ट्रेलिया पहली बार क्वाड देशों की नौसेनाओं के मालाबार अभ्यास की मेजबानी कर रहा है। इस हाई वोल्टेज समुद्री अभ्यास के बीच भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस वागिर को ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल में तैनात किया गया है। इसकी विस्तारित रेंज पर तैनाती जून 2023 में हुई और 20 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल पहुंच गई है। पनडुब्बी वागिर भारतीय नौसेना की पांचवीं कलवरी श्रेणी की

पनडुब्बी है, जिसे भारतीय नौसेना में इसी साल जनवरी में शामिल किया गया था और इसका बेस मुंबई में स्थित है।

ऑस्ट्रेलिया में अपने प्रवास के दौरान आईएनएस वागिर ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी तट पर रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना इकाइयों के साथ विभिन्न अभ्यासों में भाग लेगी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर भारतीय नौसेना के स्वदेशी फ्रंटलाइन युद्धपोत आईएनएस सह्याद्री और आईएनएस कोलकाता और पी8आई विमान 21 अगस्त तक मालाबार अभ्यास में हिस्सा रहे हैं। इसके बाद 22 से 24 अगस्त तक होने वाले औस इंडेक्स-23 अभ्यास में भाग लेंगे। आईएनएस वागिर की तैनाती के दौरान बुनियादी, मध्यवर्ती और उन्नत स्तर के पनडुब्बी-रोधी अभ्यास होने हैं। इन अभ्यासों में भारतीय नौसेना के पी-8आई विमान भी आईएनएस वागिर के साथ शामिल होंगे। यह तैनाती भारतीय नौसेना और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के बीच सहयोग और तालमेल को और बढ़ाएगी। वागिर की यह तैनाती भारतीय नौसेना की पनडुब्बियों की पहुंच और मजबूती का प्रमाण है। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय नौसेना की पनडुब्बी की यह पहली तैनाती है। यह तैनाती लंबे समय तक बेस पोर्ट से विस्तारित रेंज में निरंतर संचालन करने के लिए भारतीय नौसेना की क्षमता और पेशेवर कौशल को प्रदर्शित करती है। इससे पहले तैनाती के दौरान आईएनएस वागिर ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के हिस्से के रूप में कोलंबो का दौरा किया था।

जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर ध्यान दें अधिकारी : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण कराने का निर्देश दिया है। रविवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आम जन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 190 फरियादियों की उपस्थिति रही, मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने हर किसी को आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण कराना उनकी प्रतिबद्धता है। प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने आमजन को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस दौरान

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। किसी की जमीन पर कब्जा करने वाले, कमजोरों को परेशान करने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

अरविंद राजभर ने बढ़ाई दारा की मुश्किल, बसपा ने उम्मीदवार न खड़ाकर लाई खुशी

लखनऊ, (हि.स.)। घोसी विधानसभा उप चुनाव की लड़ाई दिलचस्प होती जा रही है। उधर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अलग हुए बागी गुट ने अरविंद राजभर को सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के बैनर तले पर्चा दाखिल करवाकर दारा सिंह चौहान के वोटों में सेंध लगाने की कोशिश की है। दूसरी तरफ बसपा ने अपने उम्मीदवार की घोषणा न कर भाजपा के लिए मैदान खाली कर दिया है। भीतरघात की संभावने भी दारा सिंह चौहान के साथ ही समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार सुधाकर सिंह के लिए भी मुसीबत बन सकते हैं। अलग-अलग मतदाताओं का मानना है कि दारा सिंह को किसी विचारधारा से मतलब नहीं है। वह आए दिन पार्टी बदलते रहते हैं। जो कार्यकर्ता विधान सभा के आम चुनाव में उनका विरोध किये, वही फिर उनके प्रचार में लगें, यह काफी मुश्किल है। बसपा की भी विधानसभा क्षेत्र में मजबूत पकड़ रही है। पिछली बार चुनाव में भी उसके उम्मीदवार वसीम इकबाल को 54,248 वोट मिले थे। ऐसे में बसपा से उम्मीदवार न उतारे जाने की स्थिति में उनके मतदाताओं का ज्यादातर भाजपा के साथ जाने की उम्मीद जतायी जा रही

है। सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी द्वारा प्रत्याशी उतारे जाने से दारा सिंह चौहान की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। वहीं दूसरी तरफ बसपा द्वारा उम्मीदवार की घोषणा न होने से सुधाकर सिंह की धड़कनें बढ़ रही हैं। अभी तक मतदाता भी असमंजस में हैं, जो दोनों उम्मीदवारों की धड़कनों को और बढ़ा रहे हैं। वैसे पिछले चुनाव में दारा सिंह चौहान भाजपा से सपा में आ गये थे और घोसी से ही चुनाव लड़े थे। उस वक्त उन्हें 108,403 मत मिले थे। दूसरे स्थान पर रहे भाजपा उम्मीदवार विजय राजभर को 86,214 मत मिले थे। बसपा उम्मीदवार ने 54248 मत पाये थे। इससे पीछे 2017 में फागू चौहान ने भाजपा से यहां विजय पताका लहराया था। इसके बाद उन्हें राज्यपाल बना दिया गया था, फिर 2019 में उप चुनाव हुए थे। तब भाजपा के उम्मीदवार विजय राजभर ने जीत हासिल की थी। सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र के बगल के रतनपुरा ब्लॉक के रहने वाले हैं। महेंद्र राजभर 2017 यूपी विधानसभा चुनाव में बाहुबली मुख्तार अंसारी से महज 6000 वोटों से हारे थे। जमीनी स्तर पर गांव-गांव में इन नेताओं की काफी पकड़ है। ऐसे में यह राजभर वोटों को प्रभावित कर सकते हैं। सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के नेता अपने लोगों को यह समझाने में लगे हुए हैं कि दारा सिंह चौहान भले ही चुनाव हार जाएं लेकिन ओम प्रकाश राजभर का मंत्री बनना तय है। इस चुनाव से सरकार बनना या बिगड़ना नहीं है। ऐसे में अपने बीच से और राजभर नेता निकलने चाहिए। यही समझा कर यह लोग एनडीए का चुनावी खेल बिगाड़ने पर लगे हुए हैं। भाजपा नेता उत्पल राय का कहना है कि यहां कोई ताकत नहीं है, जो भाजपा उम्मीदवार को हरा सके। हर कार्यकर्ता जी-जान से दारा सिंह चौहान को जिताने में लगा हुआ है। गांव-गांव में लोग दारा सिंह चौहान की चर्चा कर रहे हैं।

बिना वीडियो बनाए स्वयं रीडिंग लेकर बिजली बिल जमा कर सकते हैं उपभोक्ता

लखनऊ, (हि.स.)। मध्यांचल विद्युत वितरण खंड अंतर्गत लेसा में काउंटर पर बिल जमा करने वाले विद्युत उपभोक्ताओं से मीटर की वीडियो बनाकर लाने की बाध्यता वाला गैर कानूनी आदेश पर विराम लग गया है। उपभोक्ता परिषद की शिकायत पर प्रबंध निदेशक पावर कॉरपोरेशन के निर्देश ने निर्देश जारी कर इसको रोकने के आदेश दे दिये हैं। अब उपभोक्ता स्वयं रीडिंग लेकर पूर्व की भांति जमा कर बिल जमा कर सकेंगे। पिछले एक हफ्ते से लेसा में कोई विद्युत उपभोक्ता स्वयं अपनी रीडिंग लेकर जब काउंटर पर बिल जमा करने के लिए जाता था तो उसे बैरंग लौटा दिया जाता था। कहा जाता था कि आप अपने मीटर की वीडियो बनाकर लाएं। इसके बाद ही बिजली बिल काउंटर पर जमा किया जाएगा। विवाद बढ़ने पर आज उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने जब मुख्य अभियंता लेसा ट्रांस गोमती ए. के. तिवारी से बात की और पूछा कि विद्युत वितरण संहिता- 2005 व ट्रस्ट बिलिंग में दिए गए प्रावधान के विपरीत आदेश क्यों लागू किया गया। इस पर उनके द्वारा कहा गया कि ऊपर

का आदेश है, वहीं जब मुख्य अभियंता सिस गोमती संजय जैन से बात की तो उन्होंने कहा कि उपभोक्ता परिषद की बात बिल्कुल सही है। विद्युत वितरण संहिता के तहत ही कार्रवाई होगी और जो भी विवाद उत्पन्न हो रहा है। उस संबंध में सभी अपने क्षेत्र के अभियंताओं को निर्देशित कर दूंगा कि उपभोक्ताओं के साथ इस प्रकार की कोई बाध्यता न रखी जाए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में कोई शिकायत मिले तो हमें बताएं। उपभोक्ताओं के साथ कोई भी अन्याय नहीं होने पायेगा। उपभोक्ता परिषद ने कहा कि कोई भी विद्युत उपभोक्ता स्वयं रीडिंग लेकर जब बिल जमा करता है। यदि विभाग को कोई दिक्कत है तो चेक करा सकता है। पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार से बात कर लेसा में चल रही मनमानी कार्यवाही से अवगत कराया। इस पर उनके द्वारा स्पष्ट किया गया कि इस प्रकार का कोई आदेश नहीं दिया गया है। विद्युत वितरण संहिता व नियामक आयोग द्वारा बनाया गया जो कानून है, वही लागू रहेगा। अभी तुरंत लेसा को मेरे द्वारा निर्देश दिए जाएंगे। इस प्रकार की बाध्यता किसी भी उपभोक्ता पर न लागू की जाए। वीडियो बनाकर लाने का कोई भी आदेश बाध्यकारी नहीं है।

योग शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा को जोड़ने की अद्भुत कला : हंस राय

-रनिंग कर्मचारियों ने लिया विशेष योग शिविर का लाभ

प्रयागराज, (हि.स.)। योग ही एकमात्र ऐसा उपाय है जिसके माध्यम से विश्व वसुधैव कुटुंबकम के आदर्श को साकार किया जाता है। योग से सभी प्रकार के भेदभाव को मिटाकर सम्पूर्ण विश्व को एक करने की अद्भुत क्षमता है। योग शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा को जोड़ने की अद्भुत कला है। सच्चा आनंद हमारे शरीर, मन और बुद्धि की स्वस्थता पर निर्भर करता है। यह बातें भारतीय योग संस्थान के पदाधिकारी हंस कुमार राय ने रनिंग कर्मचारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय विशेष योग प्रशिक्षण शिविर में कही। उन्होंने योग की सूक्ष्म जानकारी एवं दैनिक जीवन में योग के महत्व एवं लाभ के बारे में सभी को अवगत कराया। बताया कि योग केवल व्यायाम नहीं अपितु जीवन जीने की कला है। जिससे मनुष्य का सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक उन्नति एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होने से संपूर्ण समाज एवं विश्व का कल्याण सम्भव होता है। मानव को सुख शांति एवं स्वस्थ रहने का रास्ता दिखाने के लिए योग एक सशक्त माध्यम है। योग सुन्दर व्यवस्थित जीवन जीने एवं व्यक्तित्व

को निखारने की अद्भुत कला है। जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मण्डल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी की प्रेरणा एवं मार्ग निर्देशन में मण्डल सभागार में 26 जून से प्रातः 6 बजे से 7.15 बजे तक नियमित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

कांग्रेसजनों ने भारत रत्न राजीव गांधी को जयंती पर याद किया

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती सद्भावना दिवस के मौके पर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आनंद भवन में बड़ी संख्या में पार्टीजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी भारत के भूतकाल, वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाले सेतु थे। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अनेक पहलें की थी कि भारत एक आधुनिक एवं समृद्ध राष्ट्र के रूप में 21वीं सदी में प्रवेश करे। गांधी ने कम्प्यूटरों के इस्तेमाल सहित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मुल्क को प्रेरित किया तथा पंचायती राज संस्थाओं को अधिकार सम्पन्न बनाने के लिए सत्ता

के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया की थी। दलबदल कानून, महिला सशक्तीकरण एवं 18 वर्षों के युवाओं को मताधिकार देकर वे सदैव देश की एकता और लोकतंत्र की मजबूती चाहते थे। शहर अध्यक्ष प्रदीप अंशुमन ने सभा की अध्यक्षता एवं प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने संचालन किया। इस अवसर पर इविवि अध्यापक संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रो.आर.के.शास्त्री, जिलाध्यक्ष सुरेश यादव, फुजैल हाशमी, शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष परवेज अहमद सिद्दीकी, मुकुंद तिवारी, संजय तिवारी, डॉ. सत्या पांडेय, हरिकेश त्रिपाठी, विवेकानंद पाठक, अनूप त्रिपाठी, प्रदीप द्विवेदी, कामेश्वर सोनकर, राजीव दुबे आदि मौजूद थे।

संकल्प यात्रा के चौथे दिन महेशपुर विस क्षेत्र में हेमंत सरकार पर जमकर बरसे बाबूलाल मरांडी

पाकुड़, (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा के चौथे दिन रविवार को महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के यज्ञ मैदान, पाकुड़िया में जनसभा को संबोधित किया। मरांडी ने आज फिर राज्य संपोषित भ्रष्टाचार, खान, खनिज, बालू घाट की लूट, सोरेन परिवार द्वारा आदिवासियों के जमीन की लूट एवं संथाल के लोगों के पलायन को मुद्दा बनाया। मरांडी ने कहा कि झारखंड राज्य अटल बिहारी वाजपेयी की देन है। वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से गांव, गरीब को विकास की मुख्य धारा में जोड़ा। संथाली भाषा को 8वीं अनुसूची में जोड़ना अटल सरकार की देन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार देश में आठ आदिवासी कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। मोदी ने पहली संथाली आदिवासी

महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासियों को बड़ा सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि लेकिन झारखंड में आदिवासियों के नाम पर राजनीति करने वाले झामुमो के मुखिया नाम बदलकर आदिवासियों की ही जमीन लूट रहे। हेमंत सरकार में आदिवासी बहन बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं। उनकी हत्या हो रही। राज्य के खान खनिज बाहर के लोग आकर लूट रहे और झारखंड के लोग आदिवासी, गरीब रोजगार के लिए हिमाचल प्रदेश जा रहे। हेमंत सरकार गरीबों के लिए केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलो अनाज को भी बेच दे रही है। मरांडी ने कहा कि भ्रष्टाचार की जांच के लिए ईडी ने मुख्यमंत्री को समन किया है। ऐसे परिवारवादी, भ्रष्टाचारी सरकार से झारखंड को मुक्त कराने के लिए यह संकल्प यात्रा चल रही है। उन्होंने कहा कि इस लुटेरे मुख्यमंत्री से राज्य को बचाना है, तभी राज्य में विकास होगा। गरीबी, बेरोजगारी दूर होगी। संकल्प यात्रा में यही संकल्प दिलाने आया हूं।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया शुरू, सिर्फ ऑनलाइन आवेदन ही मान्य

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग झारखंड ने इस संबंध में सूचना जारी कर दी है। इसके तहत आरक्षित वर्ग (एससी, एसटी, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग) के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, साथ ही कहा गया है कि आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। ऐसे में सभी जिलों के जिला कल्याण पदाधिकारी के स्तर से कहा गया है कि रोजगार सृजन योजना के लिए योग्य कैंडिडेट केवल ऑनलाइन ही आवेदन करें। इसके लिए वेबसाइट www.cmegp.jharkhand.gov.in की मदद लेनी होगी। किसी प्रकार की जानकारी के लिए जिला कल्याण कार्यालय, संबंधित बीडीओ, संबंधित प्रखण्ड

कल्याण पदाधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की शुरूआत की है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को 25 लाख रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है। इसमें अनुदान की राशि भी शामिल है। इस योजना के अंतर्गत अब तक पांच हजार से अधिक युवाओं के बीच 77 करोड़ रुपये से अधिक राशि ऋण के तौर पर बांटी जा चुकी है। विशेषकर आरक्षित तबके के युवाओं को इसके जरिये आत्मनिर्भर बनाने पर सरकार का फोकस है।

झारखंड कांग्रेस ने मनाई राजीव गांधी की जयंती, श्रद्धासुमन अर्पित किए

रांची, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती रविवार को प्रदेश कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इससे पूर्व चेशायर होम, बरियातु में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रांची जिले के पार्टी पदाधिकारियों के साथ दिव्यांगजनों से मुलाकात की एवं उनके बीच प्रेम एवं भाईचारा का संदेश देते हुए आवश्यक सामग्री प्रदान की। राजेश ठाकुर ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण के साथ संचार क्रांति के जनक थे। गांधी ने एक ओर भारत को संचार क्रांति के माध्यम से आधुनिक बनाने का पहल किया, वहीं भारत की आत्मा गांवों को पंचायती राज देकर मजबूत बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पंचायती राज के माध्यम से ग्रामीण भारत सशक्त हुआ। गांधी ने देश के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मतदान का अधिकार 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने का काम

किया। राजीव गांधी ने पंजाब के समस्याओं का समाधान, दलबदल कानून पर नियंत्रण, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे देश कभी भुला नहीं सकता है।

गांधी का हर प्रयास भारत को दुनिया के सामने मजबूत बनाने का रहा है। कांग्रेस विधायक दल के नेता सह मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि राजीव गांधी ही थे, जिन्होंने भारत में दूरसंचार क्रांति लाई। आज जिस डिजिटल इंडिया की चर्चा है, उसकी संकल्पना राजीव गांधी अपने जमाने में कर चुके थे। राजीव गांधी की एक बड़ी उपलब्धि नवोदय विद्यालय की स्थापना भी है। मौजूदा समय देश में खुले 551 नवोदय विद्यालयों में लगभग 1.80 लाख से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। कार्यक्रम को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में अमानत अली, केशव महतो कमलेश, रवीन्द्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, राकेश सिन्हा अमूल्य नीरज खलखो, डॉ एम तौसीफ सहित अन्य नेता शामिल थे।

भारतीय पार्टी (लोकतान्त्रिक) के द्वारा लगाया गया निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

भागलपुर,(हि.स.)। भारतीय पार्टी (लोकतान्त्रिक) के द्वारा रविवार को वार्ड सं०-31 में में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जांच कराने आये लोगों के रक्तचाप की जांच हुई। साथ ही उन्हें प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा स्वस्थ्य सम्बन्धी सलाह प्रदान की गई। चिकित्सकों के द्वारा उनके खान-पान से सम्बंधित उचित बातें बताई गई ताकि वे समय से अपने स्वस्थ्य का परीक्षण कराते रहे एवं निरोग जीवन का आनंद लेते रहें। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सुनील कुमार, एस० जे० वेदान्त जिला अध्यक्ष, कुसमा देवी, अधिवक्ता बबलू सिंह, संजय पास्वान, प्रिय रंजन झा, मो बदरू, अमन कुमार, रितिक सिंह, पार्षद पुत्र विकाश उर्फ छोटू, कुमार ज्ञानेश्वर आदि की उपस्थिति सराहनीय रहीक अधिवक्ता सुनील कुमार ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में यह कहा कि कोरोना काल के बाद से हमें ज्यादा सावधान रहने की जरुरत है। सबसे ज्यादा अपने और अपने परिवार तथा पड़ोस में रहने वाले लोगों के बीच स्वस्थ्य सम्बन्धी जानकारी का आदान प्रदान करते रहें। भागलपुर के समस्त 51 वार्ड में लगातार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करते रहेंगे। उन्होंने वार्ड पार्षद से अपील किया कि वे इस कार्य में उनका एवं उनके साथियों का सहोग करें। वार्ड पार्षद शीला देवी ने भी अपने वक्तव्य में स्वास्थ्य-सजगता पर जोर दिया और अपने वार्ड में लगातार ऐसे आयोजन कराने की बात की। शिविर में आये लोगों की भीड़ से पता चलता है कि अब लोगों ने अपनी उत्तम स्वस्थ्य के बारे में सोचना शुरू कर दिया है जो कि एक स्वस्थ्य समाज की आधारशीला है।

जमीन विवाद नहीं, संपत्ति बंटवारे के विवाद में हुई है जवाहर चौधरी की हत्या : एसपी

बेगूसराय, (हि.स.)। रविवार की सुबह बछवाड़ा थाना क्षेत्र के फतेहा हॉल्ट के समीप सेवानिवृत्त शिक्षक जवाहर चौधरी की हत्या के मामले में पुलिस ने नया खुलासा किया है। अब तक के जांच के अनुसार जमीन विवाद नहीं, घरेलू संपत्ति बंटवारे के विवाद में जवाहर चौधरी की हत्या हुई है। रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि जवाहर चौधरी के तीन पुत्र हैं और परिवार में बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। संपत्ति बंटवारा के विवाद में ही फरवरी 2021 में जवाहर चौधरी के छोटे पुत्र नीरज चौधरी की हत्या हो गई थी। इस हत्या में जवाहर चौधरी का मंझला पुत्र विमल चौधरी एवं उसका दोस्त गोपाल चौधरी जेल गया था। जवाहर चौधरी का बड़ा पुत्र भी एक अन्य मामले में अभी जेल में है। नीरज चौधरी हत्याकांड में विमल चौधरी जमानत पर बाहर आ गया, लेकिन गोपाल चौधरी अभी जेल में ही है। जेल से ही गोपाल अपना बेल करवाने

और हत्या का केस परिवार में बैठकर सुलझाने के लिए विमल को कह रहा था। नीरज के हत्याकांड में जवाहर चौधरी चश्मदीद गवाह और वादी थे। उनका मंझला पुत्र बराबर कह रहा था कि परिवार का मामला है, इस विवाद को सुलझा लीजिए। लेकिन जवाहर चौधरी कुछ भी मानने को तैयार नहीं थे। अगले कुछ दिनों में इस मामले में न्यायालय में गवाही होनी थी। संभावना है कि इसी को लेकर हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। एसपी ने बताया कि पुलिस उपरोक्त मामले सहित सभी पहलुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है। तेघड़ा डीएसपी डॉ. रविन्द्र मोहन प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई है। टीम लगातार कार्रवाई और अनुसंधान कर रही है। मृतक के घर से घटनास्थल के आसपास तक लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल जा रहा है। जल्द ही मामले का उद्भेदन और घटना में शामिल हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79 वीं जयंती मनाई गई

सहरसा, (हि.स.)। जिला कांग्रेस कार्यालय में रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 79 वीं जयंती समारोह जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार झा की अध्यक्षता में उनके तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर एआईसीसी सदस्य डॉ तारानंद सादा ने कहा कि राजीव गांधी ने देश की पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त किया। क्योंकि उनका मानना था कि जब तक पंचायती राज व्यवस्था सबल नहीं होगी तब तक निचले स्तर तक लोकतंत्र मजबूत नहीं होगी। युवा सोच वाले राजीव गांधी को 21 वीं सदी के भारत का निमार्ता भी कहा जाता है। जिन्होंने 40वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले राजीव गांधी ने देश में दूरसंचार क्रांति लाई और आज जिस डिजिटल इंडिया की चर्चा है उसकी संकल्पना वे अपने जमाने कर चुके थे।वे अपने वैज्ञानिक मित्र सैम पित्रोदा के साथ मिलकर देश में कम्प्यूटर क्रांति लाने की दिशा में काम किया। क्योंकि उनकी मान्यता थी कि विज्ञान और तकनीक की मदद से ही देश की तकदीर बदली जा सकती है।

उस वक़्त विरोधी दल के नेता अटल बिहारी वाजपेयी भी ने पहले राजीव के किये कार्य का विरोध किया था। लेकिन विदेशों में जबरदस्त समर्थन देख दूरसंचार तकनीक का समर्थन करना उनकी मजबूरी बन गई थी। जिलाध्यक्ष झा ने कहा कि वर्ष 1989 में संविधान में परिवर्तन कर युवाओं को 21वर्ष का मताधिकार को कम कर 18 वर्ष कर युवाओं को देश की प्रति जिम्मेदार और सशक्त बनाने की पहल किया।प्रदेश प्रतिनिधि राम सागर पाण्डेय ने कहा कि राजीव जी ने 142 देशों के गुट निरपेक्ष देशों का प्रतिनिधित्व कर म्यांमार और श्री लंका में शांति दूत भेज कर इन देशों में वर्षो से हो रहे गृह युद्ध में शांति बहाल करवाई। इस मौके पर वरीय जिला उपाध्यक्ष कुमार हीरा प्रभाकर, मो नईम उद्दीन, मनोज कुमार मिश्र, साजन शर्मा, पंकज कुमार सिंह, अजय कुमार कुशवाहा,मो गयासुद्दीन, बीरेंद्र पासवान, सुरेंद्र चौधरी,प्रदीप चौधरी, वरीय नेता सुदीप कुमार सुमन, आशीष कुमार, सीताराम साह, सत्य नारायण चौपाल, टुनटुन शर्मा,प्रो सहरोज आलम, पप्पू यादव, मंगल झा,बैधनाथ झा, पल्ल्व राही,मंटू झा, अब्दुल रहीम, सत्य नारायण पासवान, माहेश्वरी शर्मा, उगन झा, ललन सादा, दीपक ठाकुर, महिला कांग्रेस सुश्री नीलोफर, आशा देवी,अनीता कुमारी, पुनिता देवी, काजल कुमारी, किरण कुमारी, प्रीति कुमारी, शालिनी प्रिया, बिनीता देवी,द्रोपती देवी, समतोला देवी आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

चुनावी युद्ध का श्रीगणेश

बीजेपी ने छत्तीसगढ़ के लिए 60 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर सबको चौंका दिया। 2024 के आम चुनाव से पहले इस साल विधानसभा चुनाव तो पांच राज्यों – मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम- में होने हैं, लेकिन शुरुआती तीन राज्यों की विशेष अहमियत इस लिहाज से है कि यहां बीजेपी और कांग्रेस में सीधी टक्कर है। हिमाचल प्रदेश और खासकर कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथों हार झेलने के बाद बीजेपी इन तीनों राज्यों में किसी तरह का जोखिम मोल नहीं लेना चाहती। संभवतः इसीलिए चुनाव आयोग की ओर से चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से भी पहले उसने इन दो राज्यों में प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर यह संकेत देने की कोशिश की है कि वह चुनाव तैयारियों के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी दलों से काफी आगे है। जहां तक राजस्थान का सवाल है तो प्रत्याशियों की सूची भले न जारी की गई हो, लेकिन दो अहम समितियां – चुनाव प्रबंधन समिति और संकल्प पत्र समिति- जरूर गठित कर दी गईं। पहली नजर में, ये कदम बताते हैं कि चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी नेतृत्व अन्य दलों के मुकाबले कहीं ज्यादा गंभीर है। लेकिन थोड़ा ठहर कर देखें तो इन कदमों के साथ भी कई किंतु-परंतु जुड़े नजर आते हैं। बेशक, चुनावों से काफी पहले प्रत्याशियों के नाम घोषित करने के कई फायदे हैं। एक तो इन प्रत्याशियों को अपने क्षेत्र में काम करने का वक्त मिल जाता है, दूसरे पार्टी नेतृत्व के पास भी इस बात का मौका होता है कि अगर आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ असंतोष या बगावत जैसी स्थिति बने तो उससे समय रहते निपट सके या संभावित नुकसान को कम कर सके। मगर इसी का दूसरा पहलू यह है कि फैसले से असंतुष्ट तत्व भी जवाबी कदम तय करने का वक्त पा जाते हैं। विरोधी दलों के सामने भी यह मौका होता है कि वे प्रतिद्वंद्वी पार्टी के प्रत्याशी को देखकर और उससे क्षेत्र विशेष में बने जातीय और अन्य समीकरणों का ध्यान रखते हुए अपने प्रत्याशी तय करें। संभवतः इन्हीं कारणों से बीजेपी ने पहली सूची में उन्हीं सीटों को रखा जहां उसकी स्थिति कमजोर मानी जा रही है। ये सभी सीटें ऐसी हैं जहां पिछले विधानसभा चुनावों में पार्टी को हार मिली थी। जहां तक राजस्थान की बात है तो दोनों अहम समितियों का गठन होते ही इस बात पर चर्चा शुरू हो गई कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को इनमें जगह नहीं दी गई। चर्चा की वजह यह है कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे नहीं माने जा रहे। बहरहाल, चुनावों में अभी वक्त है और ऐसी चर्चा और जवाबी चर्चा अभी हर दल में उठती और मंद पड़ती रहेगी। इतना जरूर है कि चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही विधानसभा चुनावों के समर का शंखनाद हो चुका है और अब दोनों पक्षों से ऐसे नए-नए दांव देखने को मिलते रहेंगे।

हिमाचल प्रदेश और खासकर कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथों हार झेलने के बाद बीजेपी इन तीनों राज्यों में किसी तरह का जोखिम मोल नहीं लेना चाहती। संभवतः इसीलिए चुनाव आयोग की ओर से चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से भी पहले उसने इन दो राज्यों में प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर यह संकेत देने की कोशिश की है कि वह चुनाव तैयारियों के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी दलों से काफी आगे है। जहां तक राजस्थान का सवाल है तो प्रत्याशियों की सूची भले न जारी की गई हो, लेकिन दो अहम समितियां – चुनाव प्रबंधन समिति और संकल्प पत्र समिति- जरूर गठित कर दी गईं। पहली नजर में, ये कदम बताते हैं कि चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी नेतृत्व अन्य दलों के मुकाबले कहीं ज्यादा गंभीर है। लेकिन थोड़ा ठहर कर देखें तो इन कदमों के साथ भी कई किंतु-परंतु जुड़े नजर आते हैं। बेशक, चुनावों से काफी पहले प्रत्याशियों के नाम घोषित करने के कई फायदे हैं। एक तो इन प्रत्याशियों को अपने क्षेत्र में काम करने का वक्त मिल जाता है, दूसरे पार्टी नेतृत्व के पास भी इस बात का मौका होता है कि अगर आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ असंतोष या बगावत जैसी स्थिति बने तो उससे समय रहते निपट सके या संभावित नुकसान को कम कर सके। मगर इसी का दूसरा पहलू यह है कि फैसले से असंतुष्ट तत्व भी जवाबी कदम तय करने का वक्त पा जाते हैं।

कुछ अलग

क्या करेंगे पवार

जब से NCP का एक धड़ा अजित पवार की अगुआई में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल का हिस्सा बना है, तभी से पार्टी के सर्वोच्च नेता शरद पवार के रुख में एक तरह की अनिश्चितता दिख रही है। यह अनिश्चितता विरोधियों को ही नहीं, उनके सहयोगियों और समर्थकों को भी उलझन में डाल रही है। शुरू में उन्होंने बहुत स्पष्टता के साथ कहा कि वह अजित पवार के इस कदम को सहन नहीं करेंगे और भले ही उनकी उम्र ज्यादा हो गई हो, लेकिन बीजेपी की इस चाल के खिलाफ रैलियां कर कार्यकर्ताओं और वोटरों को एकजुट करेंगे। लेकिन उसके बाद पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का कार्यक्रम हुआ तो विपक्षी नेताओं की सार्वजनिक अपीलों की अनदेखी करते हुए उस कार्यक्रम में शामिल होने चले गए। इससे पहले वह अजित पवार की सार्वजनिक आलोचना करने से तो बचते ही रहे हैं, अलग-अलग मौकों पर तीन बार उनसे मुलाकात भी कर चुके हैं। खासकर तीसरी मुलाकात ज्यादा चर्चित हुई क्योंकि इसे कथित तौर पर गोपनीय रखने की भी कोशिश की गई। शिवसेना (उद्धव ग्रुप) और प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि इससे गठबंधन में भ्रम की स्थिति बन रही है और शरद पवार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अपने तईं शरद पवार ने यह स्पष्टीकरण जरूर दिया कि उनके विचार बीजेपी से अलग हैं और इसीलिए वह कभी बीजेपी में जाना मंजूर नहीं करेंगे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उनके कई शुभचिंतक हैं जो उन्हें इसके लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। साफ है कि बीजेपी से हाथ मिलाने का सुझाव देने वाले लोग अगर शरद पवार की नजर में आज भी शुभचिंतक बने हुए हैं तो विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए थोड़ा चिंतित और आशंकित होना स्वाभाविक है। आम तौर पर राजनीति में और खासकर शरद पवार की राजनीति में पत्थर की लकीर जैसा कुछ नहीं होता, ऐसा उन्हें जानने वाले कहते रहे हैं, लेकिन थोड़ी देर को उनकी कही इस बात को पत्थर की लकीर मान लिया जाए कि वह कभी बीजेपी में शामिल नहीं होंगे तो भी उनके जैसा बड़ा नेता बीजेपी में गए बिना भी उसे निर्णायक फायदा पहुंचाने के हजार रास्ते निकाल सकता है। यह बात भी है कि मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा और केंद्र में संसद का एक पूरा सत्र संपन्न हो जाने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि NCP के कितने विधायक व सांसद अजित पवार के साथ हैं और कितने शरद पवार के साथ। इसीलिए विपक्षी खेमे में बेचैनी है और वह चाहता है कि समय रहते यह बात शीशे की तरह साफ हो जाए कि शरद पवार का मन किस तरफ है। लेकिन ऐसा लगता है कि इस पर निर्णायक चर्चा अब इंडिया गठबंधन की मुंबई में प्रस्तावित बैठक में ही होगी और वहीं यह भी साफ होगा कि शरद पवार के कदम आखिरकार किस तरफ बढ़ने वाले हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का कार्यक्रम हुआ तो विपक्षी नेताओं की सार्वजनिक अपीलों की अनदेखी करते हुए उस कार्यक्रम में शामिल होने चले गए। इससे पहले वह अजित पवार की सार्वजनिक आलोचना करने से तो बचते ही रहे हैं, अलग-अलग मौकों पर तीन बार उनसे मुलाकात भी कर चुके हैं। खासकर तीसरी मुलाकात ज्यादा चर्चित हुई क्योंकि इसे कथित तौर पर गोपनीय रखने की भी कोशिश की गई।

आय दर्शाने वाले नागरिकों में से 13.6 प्रतिशत नागरिक मध्यम श्रेणी की आय दर्शाने वाली श्रेणी में शामिल हो गए

भारत में तेज गति से बढ़ रही है नागरिकों की औसत आय

प्रह्लाद सबनानी

भारत में लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति का असर अब देश के नागरिकों की औसत आय में वृद्धि के रूप में भी देखने को मिल रहा है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक मध्यम वर्ग की श्रेणी में एवं मध्यम वर्ग की श्रेणी के नागरिक उच्च वर्ग की श्रेणी में स्थानांतरित हो रहे है। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्बंधित आय कर विवरणियों के आंकड़ों का एक विशेष अध्ययन किया गया है एवं इस अध्ययन के उपरांत उक्त निष्कर्ष निकाले गए हैं। इस संदर्भ में जारी किए गए एक प्रतिवेदन के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्बंधित आय कर विवरणियों की संख्या रिकार्ड स्तर 7 करोड़ तक पहुंच गई है। वित्तीय वर्ष 2046-47 के लिए अनुमान लगाया गया है कि भारत में 48.2 करोड़ नागरिक आय कर विवरणियां फाइल कर रहे होंगे। वित्तीय वर्ष 2012 से वित्तीय वर्ष 2023 के बीच निम्न स्तर की आय दर्शाने वाले नागरिकों में से 13.6 प्रतिशत नागरिक मध्यम श्रेणी की आय दर्शाने वाली श्रेणी में शामिल हो गए हैं। जबकि वित्तीय वर्ष 2024 से वित्तीय वर्ष 2047 के बीच निम्न स्तर की आय दर्शाने वाले नागरिकों में से 25 प्रतिशत नागरिक मध्यम श्रेणी की आय दर्शाने वाली श्रेणी में शामिल हो जाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2014 में आय कर विवरणियां दाखिल करने वाले नागरिकों की औसत आय 4.4 लाख रुपए थी जो वित्तीय वर्ष 2023 में तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 13 लाख रुपए हो गई है एवं वित्तीय वर्ष 2047 में और अधिक बढ़कर 49.7 लाख रुपए हो जाएगी। इसका कारण यह बताया गया है कि देश में हो रहे आर्थिक विकास का लाभ अब आम नागरिकों की आय में वृद्धि के रूप में दिखाई देने लगा है, जिसके चलते निम्न आय की श्रेणी के नागरिक उच्च आय की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं। दूसरे, आय कर विवरणियां दाखिल करने वाले नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक अनुमान के अनुसार, देश में आय कर विवरणियां दाखिल करने योग्य नागरिकों में से केवल 22.4 प्रतिशत नागरिक ही आय कर विवरणियां दाखिल कर रहे हैं जबकि वित्तीय वर्ष 2047 में यह संख्या बढ़कर 85.3 प्रतिशत होने जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2023 में भारत में प्रति व्यक्ति आय 2 लाख रुपए प्रतिवर्ष (2500 अमेरिकी डॉलर) आंकी गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2047 में यह बढ़कर 14.9 लाख रुपए प्रतिवर्ष (12,400 अमेरिकी डॉलर) होने जा रही है। भारत सरकार

द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न आर्थिक कार्यक्रमों जैसे 'स्किल इंडिया' आदि के चलते प्रति व्यक्ति आय में उक्त वृद्धि होने जा रही है। साथ ही, भारत के लिए कई नए क्षेत्रों जैसे 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स', 'इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल्स', 'स्पेस टेक्नॉलजी' डिफेन्स के क्षेत्र, आदि में अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं और इन क्षेत्रों में भारत का दबदबा बढ़ने की सम्भावना है।

दिल्ली, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में अन्य राज्यों से श्रमिकों का पलायन हो रहा है क्योंकि यह राज्य उद्योग प्रधान राज्य हैं। श्रमिकों के पलायन से इन राज्यों को सीधे सीधे लाभ हो रहा है क्योंकि इससे इन राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दृष्टिगोचर है एवं इससे इन राज्यों से आय कर विवरणियां भी अधिक संख्या में फाइल हो रही हैं। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2012 में कुल आय कर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों में से 84.1 प्रतिशत नागरिकों ने कर निर्धारित की जाने वाली राशि से कम राशि (शून्य कर देयता राशि) की आय कर विवरणियां फाइल की थीं जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में यह संख्या घटकर 64 प्रतिशत हो गई है, इससे भी यह झलकता है कि अब नागरिकों की औसत आय में वृद्धि हो रही है।

चीन में आर्थिक विकास की दर अब लगातार कम हो रही है, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंच गई है, चीन में विशेष रूप से कन्स्ट्रक्शन एवं बैंकिंग के क्षेत्र में विकराल समस्याएं आ रही हैं, इस क्षेत्र में कार्य कर रही बड़ी बड़ी कम्पनियों के डूबने का खतरा मंडरा रहा है। चीन का निर्यात लगातार कम हो रहा है। चीन की केंद्र एवं राज्य सरकारों ने इतना अधिक कर्ज लिया है कि अब इस कर्ज पर ब्याज चुकाने के लिए भी उन्हें कर्ज लेना पड़ रहा है। चीन में युवाओं की आबादी कम होकर बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ रही है। चीनी युवाओं का ही चीन की अर्थव्यवस्था पर अब भरोसा नहीं रहा है। इस माहौल में विदेशी निवेशकों ने चीन में निवेश करने से मुंह मोड़ लिया है। अब विदेशी निवेशक जापान, ताईवान एवं भारत जैसे देशों की ओर रूख कर रहे हैं। जापान में चूंकि युवाओं की आबादी बहुत कम है एवं बुजुर्गों की आबादी अधिक होती जा रही है अतः विदेशी निवेश को सम्हालने की ताकत जापान में अब पहिले जैसे नहीं रही है। इसके साथ ही ताईवान एक छोटा देश है अतः अत्यधिक बढ़ी राशि के विदेशी निवेश ताईवान में करने की अपनी सीमाएं हैं। जबकि भारत में युवाओं की आबादी विश्व में सबसे अधिक है एवं भारत में उत्पादित वस्तुओं के लिए विश्व का सबसे बड़ा उपभोग बाजार उपलब्ध है। इस प्रकार कुल मिलाकर अब विदेशी निवेशकों को निवेश की दृष्टि से केवल भारत ही एक आकर्षण का केंद्र नजर आ रहा है।

विश्व बैंक के एक अनुमान के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या वर्तमान के 140 करोड़ के स्तर से वर्ष 2027 में 161 करोड़ के स्तर पर पहुंच जाएगी। वित्तीय वर्ष 2023 में भारत में 53 करोड़ नागरिक, कार्यशील जनसंख्या (15 से 64 वर्ष के बीच) की श्रेणी में शामिल है जबकि वित्तीय वर्ष 2047 में यह संख्या बढ़कर 72.5 करोड़ हो जाएगी। अर्थात, वित्तीय वर्ष 2023 में भारत की कुल जनसंख्या का 37.9 प्रतिशत भाग ही कार्यशील जनसंख्या की श्रेणी में शामिल है जो वित्तीय वर्ष 2047 में बढ़कर 45 प्रतिशत हो जाएगा। साथ ही, कार्यशील जनसंख्या में से वित्तीय वर्ष 2023 में आय कर अदा करने की श्रेणी में 31.3 करोड़ नागरिक शामिल थे जो वित्तीय वर्ष 2047 में बढ़कर 56.5 करोड़ हो जाएंगे। यह वित्तीय वर्ष 2023 में कुल कार्यशील जनसंख्या का 59.1 प्रतिशत था और वित्तीय वर्ष 2047 में यह बढ़कर 78 प्रतिशत हो जाएगा।

युनाईटेड नेशन्स के एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में कार्यशील जनसंख्या (15 से 64 वर्ष के बीच) वर्ष 2040 तक बढ़ती रहेगी एवं अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच कर इसके बाद घटनी शुरू होगी। वर्ष 2047 में भारत की कुल कार्यशील जनसंख्या का 22 प्रतिशत भाग ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर रहेगा। वर्ष 2047 तक भारत की कुल कार्यशील जनसंख्या का अधिकतम हिस्सा (78 प्रतिशत) उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में कार्यरत होगा जिससे इस वर्ग की औसत आय और अधिक तेजी से बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है।

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक मध्यम वर्ग की श्रेणी में एवं मध्यम वर्ग की श्रेणी के नागरिक उच्च वर्ग की श्रेणी में स्थानांतरित हो रहे है। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्बंधित आय कर विवरणियों के आंकड़ों का एक विशेष अध्ययन किया गया है एवं इस अध्ययन के उपरांत उक्त निष्कर्ष निकाले गए हैं। इस संदर्भ में जारी किए गए एक प्रतिवेदन के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्बंधित आय कर विवरणियों की संख्या रिकार्ड स्तर 7 करोड़ तक पहुंच गई है। वित्तीय वर्ष 2046-47 के लिए अनुमान लगाया गया है कि भारत में 48 .2 करोड़ नागरिक आय कर विवरणियां फाइल कर रहे होंगे।

भविष्य के प्रति कैसी उम्मीद, नई पीढ़ी जानना चाहेगी असुविधाजनक प्रश्नों के उत्तर

15 अगस्त को माननीय प्रधानमंत्री ने हजार साल की गुलामी के अंत और हजार ही साल के गौरव की शुरुआत के बारे में बात की। जाहिर है कि ये दोनों सहस्राब्दियां ठीक उसी जगह और उसी क्षण में मिल रही थीं, जहां वह उस वक्त खड़े थे, और बोल रहे थे। अगर यह वाकई सच होता, तो उनका यह भाषण ऐसी ही पहले घटित कुछ दूसरी घटनाओं की तरह युगप्रवर्तक होता। यह वैसा ही होता, जैसे सिद्धार्थ को बोध की प्राप्ति हुई हो या फिर यीशु का जन्म या फिर पैगंबर मुहम्मद को हुआ रहस्योद्घाटन। अगर भौतिक नजरिये से देखें, तो यह कुछ वैसा होता, जैसे पेड़ से सेब का गिरना, बिजली की खोज, टेलीफोन का आविष्कार, राइट बंधुओं की पहली उड़ान, परमाणु का विभाजन या फिर चंद्रमा पर मनुष्य के पहले कदम। उस युगांतकारी क्षण का मैं साक्षी न हो सका, इसका मुझे खेद है। खैर, मैं साक्षी बना रोजमर्रा की एक सांसारिक घटना का। राजदीप सरदेसाई ने इंडिया टुडे पर अपने एक शो में संसद के दो सदस्यों का मुकाबला कराया। इनमें से एक थे भाजपा के जयंत सिन्हा और दूसरे थे कांग्रेस के शशि थरूर। राजदीप ने अपने सवाल इनसे पूछे और दर्शक के तौर पर मौजूद थे कॉलेज के काफी जानकार और स्पष्टवादी छात्र। 'भारत 100' के बारे में दोनों अतिथियों के शुरुआती वक्तव्यों ने मेरी उत्सुकता बढ़ा दी। जयंत सिन्हा 2047 तक सतत समृद्धि की बात कर रहे थे, जबकि शशि थरूर 2047 तक समावेशी भारत की बात कर रहे थे। इससे मेरे दिमाग में एक सवाल आया कि हम दोनों को क्यों नहीं पा सकते? अपने-अपने राजनीतिक दलों की स्थिति को प्रतिबिंबित करने का दावा करने वाले दोनों सांसदों को सुनकर मेरे मन में एक पीड़ादायक विचार आया कि शायद भारत इनमें से कुछ भी नहीं पा सकता। मैं इस आलेख में जयंत सिन्हा द्वारा भारत के संविधान को सुरक्षित रखने, पंथनिरपेक्षता, संघवाद और मानवाधिकार को उनके पूर्ण समर्थन तथा कानून के शासन व जवाबदेहिता बनाए रखने के लिए किए गए उनके वायदे को गहराई से देखना चाहता हूं। मॉडरेटर के सीधे सवालों पर उन्होंने साफगोई से जवाब दिया, 'हां, आपको विवाह करने, भोजन करने और अपने धर्म को मानने का अधिकार है।' बगैर पलक झपकाए उन्होंने जोर देकर कहा, 'अपनी पार्टी के भीतर भी हम खुलकर अपने मतभेद व्यक्त कर सकते हैं। मैंने खुद अपनी पार्टी के वरिष्ठों से मिलकर और सभी गंभीर मसलों पर बात की है।' जब जयंत सिन्हा से पूछा गया कि उनके ख्याल से 2047 में देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा क्या होगा, तब उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता और अपने अनुसार जीने की आजादी।' मुझे यकीन है कि जयंत सिन्हा ने राजदीप सरदेसाई के शो में जो कुछ कहा, उस पर वह वाकई भरोसा भी करते होंगे। ठीक इसके अगले दिन हमारे 77वें स्वतंत्रता दिवस के दिन माननीय प्रधानमंत्री 90 मिनट तक बोले। मैंने उनके भाषण का अंग्रेजी अनुवाद पढ़ा। कुल मिलाकर देखें, तो यह पूरा भाषण 'मैं' और 'मेरा' पर आधारित था। इसमें उनके विचार थे, जो उन्हें लगता है कि पिछले नौ-10 साल की उपलब्धियां रही हैं। और, इसके बाद उन्होंने अपनी चिर-परिचित कोड भाषा में भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण को कोसना शुरू किया। हमें पता है कि उनके निशाने पर कौन हैं। इसमें विपक्षी नेता, गांधी परिवार और मुसलमान शामिल हैं। उसके बाद का उनका भाषण चुनावी रैली के अभ्यास जैसा था। हालांकि सच तो यह है कि पिछले नौ-10 वर्षों में कुछ भी नहीं बदला है। आइए, अब जरा जयंत सिन्हा के बयानों पर लौटते हैं और उन्हें माननीय प्रधानमंत्री के भाषण से जोड़ने की कोशिश करते हैं। जयंत सिन्हा कॉलेज के युवा छात्रों को यह आश्वस्त कर रहे थे कि 2047 का शताब्दी वर्ष एक स्वर्णिम काल होगा। लेकिन माननीय प्रधानमंत्री ने नई सहस्राब्दी का बखान करते हुए उन चीजों की तरफ कोई संकेत नहीं किया, जिनका वादा जयंत सिन्हा कर रहे थे। न उन्होंने संविधान के संरक्षण पर बात की, न पंथनिरपेक्षता या संघवाद पर, न मानवाधिकारों पर, न कानून के शासन पर और न ही जवाबदेही सुनिश्चित करने पर। जाहिर है कि जयंत सिन्हा और माननीय प्रधानमंत्री सहस्राब्दी की तस्वीरों पर अलग-अलग रंग भरते दिखे। जयंत सिन्हा के बयानों को अखबारों, टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया पर रोज दिखने वाली खबरों के साथ मिलाकर देखते हैं। अगर कॉलेज के युवा छात्रों के पास अपनी पसंद से शादी करने का अधिकार है, तो अपने से अलग जाति या धर्म में शादी करने वाले जोड़ों को मारा, पीटा या परेशान क्यों किया जाता है? अगर कॉलेज के युवा छात्रों को अपनी पसंद के भोजन का अधिकार है, तो कर्नाटक में मांस को लेकर उठने वाले विवाद की क्या वजह रही थी? बजरंग दल, हिंदू महापंचायत और दक्षिणपंथी संगठनों की भूमिका क्या है और वे मुसलमानों और ईसाइयों के प्रति नफरत का जहर क्यों उगलते हैं? सबसे बड़ा सवाल, हमारे चारों तरफ इतनी हिंसा क्यों है? अगर कानून के शासन को बनाए रखने का वादा किया जा रहा है, तो दिल्ली में दंगों, मणिपुर में गृहयुद्ध जैसे हालात और नूंह, हरियाणा में सांप्रदायिक दंगों की वजह आखिर क्या है? गरीबों के आवास और छोटी दुकानों को ढहाने के लिए बुलडोजर का सहारा क्यों लिया जा रहा है? अगर संविधान की संरक्षित रखने की बात हो रही है, तो संसद में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लिए कानून क्यों लाया गया और दिल्ली में उप-राज्यपाल और चुनी गई सरकार के बीच संविधानिक संतुलन को क्यों बिगाड़ा गया? ये असुविधाजनक सवाल हैं, लेकिन मुझे यकीन है, कॉलेज के छात्र इनका जवाब जरूर सुनना चाहेंगे।

'भारत 100' के बारे में दोनों अतिथियों के शुरुआती वक्तव्यों ने मेरी उत्सुकता बढ़ा दी। जयंत सिन्हा 2047 तक सतत समृद्धि की बात कर रहे थे, जबकि शशि थरूर 2047 तक समावेशी भारत की बात कर रहे थे। इससे मेरे दिमाग में एक सवाल आया कि हम दोनों को क्यों नहीं पा सकते? अपने-अपने राजनीतिक दलों की स्थिति को प्रतिबिंबित करने का दावा करने वाले दोनों सांसदों को सुनकर मेरे मन में एक पीड़ादायक विचार आया कि शायद भारत इनमें से कुछ भी नहीं पा सकता। मैं इस आलेख में जयंत सिन्हा द्वारा भारत के संविधान को सुरक्षित रखने, पंथनिरपेक्षता, संघवाद और मानवाधिकार को उनके पूर्ण समर्थन तथा कानून के शासन व जवाबदेहिता बनाए रखने के लिए किए गए उनके वायदे को गहराई से देखना चाहता हूं। मॉडरेटर के सीधे सवालों पर उन्होंने साफगोई से जवाब दिया, 'हां, आपको विवाह करने, भोजन करने और अपने धर्म को मानने का अधिकार है।'

देश दुनीया से

वाराणसी से प्रियंका वाड्रा की जीत के दावे करने वाले नेता कांग्रेस से अपनी दुश्मनी निकाल रहे हैं

अभी तक तो विपक्षी दलों के बीच होड़ मची थी कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद से हटाना है। लेकिन अब यह होड़ इस बात पर लग गयी है कि वाराणसी संसदीय क्षेत्र से नरेंद्र मोदी को संसद नहीं पहुँचने देना है। विपक्षी गठबंधन इंडिया चाहता है कि वाराणसी में नरेंद्र मोदी को इस तरह घेरा जाये कि वह अपने चुनाव क्षेत्र में प्रचार करने तक सीमित होकर रह जायें। लेकिन ऐसा सोचने वाले शायद जानते नहीं कि पिछली बार भी नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से सिर्फ नामांकन ही दाखिल किया था वहां उनके लिए चुनाव जनता ने लड़ा था और परिणाम भी जनता के मन की भावनाओं के पक्ष में आया था। लेकिन लोकतंत्र में किसी को भी कहीं से भी और किसी के भी खिलाफ चुनाव लड़ने का अधिकार है इसलिए वाराणसी में मजबूत विपक्षी उम्मीदवार उतारे जाने की कवायद तेज हो गयी है। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नये अध्यक्ष बनाये गये पूर्व विधायक अजय राय ने कहा है कि यदि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चाहेंगी तो उन्हें वाराणसी से जिताने के लिए पार्टी कार्यकर्ता जान लगा देंगे। लेकिन अजय राय यह नहीं बता पा रहे कि पार्टी कार्यकर्ता आयेंगे कहां से? देखा जाये तो उत्तर प्रदेश कांग्रेस का कोई भी कार्यक्रम हो तो भीड़ जुटाने के लिए पड़ोसी राज्यों से कार्यकर्ता बुलाये जाते हैं। इसके अलावा, यह भी आश्चर्यजनक है कि वाराणसी से नरेंद्र मोदी को हराने की बात वह अजय राय कर रहे हैं जोकि पिछला लोकसभा चुनाव मोदी से हार चुके हैं। यही नहीं, अजय राय लगातार दो बार से विधानसभा चुनाव भी हार रहे हैं। इसलिए सवाल उठता है कि लगातार हार का सामना कर रहे अजय राय कैसे कांग्रेस की नैय्या पार लगायेंगे? सवाल यह भी उठता है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि अजय राय को इसलिए लाया गया हो ताकि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की वह जिम्मेदारी ले सकें? वैसे, प्रियंका गांधी वाड्रा के वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ने की सुगबुगाहट 2019 में भी हुई थी। लेकिन इस बार तो उनके पति रॉबर्ट वाड्रा भी कह चुके हैं कि प्रियंका गांधी को 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए। इसलिए माना जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा इस बार चुनाव लड़ेंगी। वह अमेठी अथवा रायबरेली से लड़ेंगी या वाराणसी से, यह तो समय आने पर ही पता चलेगा। जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो वह तय करना जनता का काम है। वैसे हम आपको यह भी बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के समय तृणमूल कांग्रेस की ओर से भी कहा जा चुका था कि यदि भाजपा और प्रधानमंत्री बंगाल में इतनी ताकत झोंकेंगे तो मोदी को हराने के लिए ममता बनर्जी वाराणसी जाएंगी। ममता बनर्जी भी वाराणसी से चुनाव लड़ेंगी या नहीं यह तो समय ही बतायेगा लेकिन उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के समय जरूर ममता बनर्जी ने अखिलेश यादव के साथ वाराणसी में समाजवादी पार्टी की रैली को संबोधित किया था और यूपी में भी खेला होबे का नारा दिया था। लेकिन ममता की अपील का मतदाताओं पर कोई असर नहीं पड़ा था। इसी प्रकार प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में वाराणसी के अलावा पूरे पूर्वांचल में जबरदस्त ताकत झोंकी थी लेकिन नतीजा शून्य रहा था। बहरहाल, अजय राय के बयान के बाद वाराणसी को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर भी तमाम तरह के ट्रेंड चलने लगे हैं। लेकिन इस तरह से वाराणसी की जनता को प्रभावित नहीं किया जा सकता। वाराणसी की जनता के मन में क्या है इसका पता आपको काशी की धरती पर कदम रखते ही चल जायेगा।

लोकतंत्र में किसी को भी कहीं से भी और किसी के भी खिलाफ चुनाव लड़ने का अधिकार है इसलिए वाराणसी में मजबूत विपक्षी उम्मीदवार उतारे जाने की कवायद तेज हो गयी है। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नये अध्यक्ष बनाये गये पूर्व विधायक अजय राय ने कहा है कि यदि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चाहेंगी तो उन्हें वाराणसी से जिताने के लिए पार्टी कार्यकर्ता जान लगा देंगे। लेकिन अजय राय यह नहीं बता पा रहे कि पार्टी कार्यकर्ता आयेंगे कहां से? देखा जाये तो उत्तर प्रदेश कांग्रेस का कोई भी कार्यक्रम हो तो भीड़ जुटाने के लिए पड़ोसी राज्यों से कार्यकर्ता बुलाये जाते हैं। इसके अलावा, यह भी आश्चर्यजनक है कि वाराणसी से नरेंद्र मोदी को हराने की बात वह अजय राय कर रहे हैं जोकि पिछला लोकसभा चुनाव मोदी से हार चुके हैं।

दृष्टिकोण

आत्महत्या करते पुरुष, लेकिन चिंता किसी को नहीं?

हाल ही में दो पुरुषों ने आत्महत्या की। दोनों ही युवा और दोनों ही ऊर्जा से भरपूर थे। दोनों ही अपने परिवार की आंखों का तारा रहे होंगे, परन्तु दोनों ही अब इस दुनिया में नहीं हैं। यह भी दुखद है कि इन बातों पर चर्चा होगी, आंसू बहाए जाएंगे परन्तु कदम क्या उठाए जाएंगे, इस पर चर्चा नहीं है। कैसे हमारे बेटे और भाइयों की आत्महत्या रुकेगी, यह किसी को नहीं पता है। पहले बात आजतक डिजिटल में काम कर रहे आकाशदीप की, जिनकी आत्महत्या इन दिनों चर्चा में है। चूंकि वह जिस क्षेत्र में कार्य कर रहे थे वह चमक दमक से भरा है, कथित समस्याओं की लड़ाई से लड़ने के लिए बना है, तो उनका परिचय एवं कार्य का क्षेत्र बहुत बड़ा है, व्यापक है, उनका परिचय व्यापक है, तो इसलिए उनकी आत्महत्या बहुत ही हैरान करने वाली है। इसलिए क्योंकि मीडिया को ऐसा वर्ग बताया जाता है, जिसमें समस्याओं से लड़कर उसका समाधान खोजने की और व्यवस्था से भिड जाने की प्रवृत्ति होती है। गलत को गलत कहने का साहस होता है और व्यवस्था से प्रश्न करने की हिम्मत! ऐसे में एक बड़े प्लेटफोर्म के आकाशदीप द्वारा यह कदम उठाया जाना बहुत हैरान करता है। हालांकि इस विषय में पुलिस का कहना यही है कि यह एक आत्महत्या का मामला है। दोनों में अनबन थी, आपस में झगड़ा हुआ और यह कदम उठा लिया गया। पुरुष आयोग में जब हम तमाम पुरुषों की कहानियां सुनते हैं, तो जी घबरा जाता है। मगर उन्हें उठाना हमारा काम है। इस सिलसिले में भी जब एसएचओ से बात हुई तो उनका कहना यही था कि यह आत्महत्या का ही मामला है। यदि यह आत्महत्या है तो दोषी कौन है? आत्महत्या कोई अपने आप नहीं करता, उसके पीछे कई कारण होते हैं। ऐसे कारण जिनमें व्यक्ति इस सीमा तक निराश और हताश हो जाए कि जीवन ही समाप्त कर ले। वह फंदा तो अपने आप डालता है, मगर उसके पीछे हाथ किसी और का होता है। इसमें भी कथित रूप से पत्नी के साथ हुआ झगड़ा ही वजह बताया जा रहा है। परन्तु कोई भी झगड़ा इतना बड़ा कैसे हो सकता है कि व्यक्ति स्वयं को समाप्त ही कर ले? जब मैंने आकाश के घरवालों से बात की, जो एफआईआर दर्ज कराने के लिए दिल्ली आए हुए थे, तो उनका कहना था कि जिस दिन उसने आत्महत्या की उससे कुछ देर पहले ही वह परेशान लग रहा था। उसने अपने पिता को फोन करके कहा था कि वह दिल्ली आ जाएं, अब सहा नहीं जा रहा। समस्या इसी सहने की है। आजकल युवक सह क्यों नहीं पाते? या फिर उन्हें यह लगता है कि उनकी बात को सुना और समझा नहीं जाएगा या फिर कानूनी और सामाजिक दायरा उनकी समस्याओं के प्रति ही निरपेक्ष हो गया है? आखिर कारण क्या है? वह कारण बताने से डरता है क्योंकि उसे यह डर है कोई उसे समझेगा नहीं? यही पीड़ा बार बार आकाशदीप की बातों से उभरकर आती थी। किसी की पोस्ट पर लिखा गया उनका कमेन्ट यह बहुत चर्चा में है कि 'कई पुरुष भेई हैं, जो अपनी तकलीफ बता तक नहीं पा रहे हैं। कोई उनके लिए एक पोस्ट तो छोडिये, लाइन तक नहीं लिख रहा, बात नहीं कर रहा!' यह जो बात न करने वाली पीड़ा है, उस पर बात करनी है। क्योंकि बात न करने से हमारे बेटे एक ऐसे अंधकार में जा रहे हैं, जहां से दरअसल वापसी का कोई रास्ता रह नहीं जाता। आकाशदीप मुखर थे, इसलिए किसी न किसी बहाने से अपनी पीड़ा लिखते थे। एक उनकी पोस्ट भी है जिसमें उन्होंने अपने मन की बात कही है। आकाशदीप ने उस पोस्ट में लिखा है कि 'कई बार कुछ घाव बाहर की तरफ़ से नहीं खुलते, उनके धागे अंदर से टूट जाते हैं। घाव अंदर की तरफ खुल जाते हैं। जिसका शायद कोई इलाज नहीं। एक ऊँची इमारत के सबसे ऊँचे कमरे में रहते हुए मैंने खिड़कियों पर मज़बूत जाल लगवा दिए थे। जो भी कोई देखता तो वो यही कहता कि बीसवीं मंज़िल पर बाहर से आपकी खिड़की से कौन ही आएगा।' उसके जीवन में इतने दोस्तों के बाद भी वह अपनी पीड़ा कहने से डरता था! इसी डर पर बात होनी चाहिए।

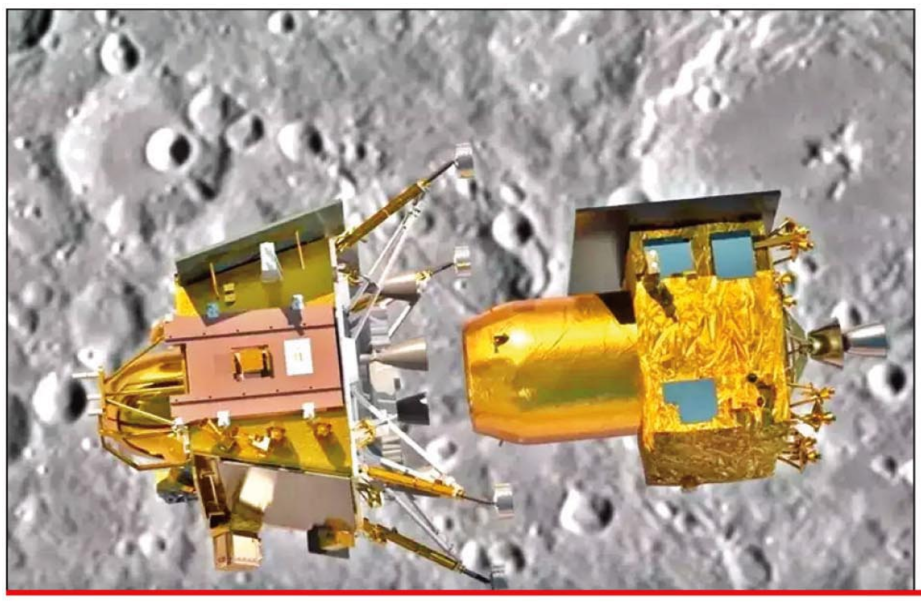

रूस का लूना-25 स्पेसक्राफ्ट चांद पर क्रैश हुआ: गलत ट्रैक पर चला गया था यान, संपर्क टूट गया था

मॉस्को।
रूस का लूना-25 स्पेसक्राफ्ट क्रैश हो गया है। स्पेस एजेंसी ने बताया कि उसका स्पेसक्राफ्ट से संपर्क टूट गया था। प्री-लैंडिंग ऑर्बिट बदलने के दौरान इसमें तकनीकी खराबी आई थी। लूना को 21 अगस्त को चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड करना था। बताया कि लूना-25 के फ्लाइट प्रोग्राम के अनुसार प्री-लैंडिंग कक्षा में प्रवेश कराने के लिए कमांड दिया गया था। इस दौरान लूना पर इमरजेंसी कंडीशन बन गई क्योंकि स्पेसक्राफ्ट तय पैरामीटर के अनुसार थ्रस्टर फायर नहीं कर पाया। स्पेस एजेंसी ने कहा कि शुरुआती एनालिसिस के नतीजों से पता चलता है कि कैलकुलेशन के अनुसार जो पैरामीटर सेट किए गए थे उन पैरामीटरों से स्पेसक्राफ्ट डेविएट हो गया। इससे स्पेसक्राफ्ट एक ऑफ-डिजाइन कक्षा में चला गया और चांद पर क्रैश हो गया।

11 अगस्त को लॉन्च किया गया था लूना-25 - लूना-25 को 11 अगस्त को सोयूज 2.1बी रॉकेट के जरिए वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लॉन्च किया गया था। लूना-25 को उसी दिन अर्थ की ऑर्बिट से चांद की तरफ भेज दिया गया था। स्पेसक्राफ्ट 16 अगस्त को दोपहर 2:27 बजे चांद की 100 किलोमीटर की ऑर्बिट में पहुंच गया था।

47 साल बाद रूस ने चांद पर भेजा था कोई मिशन - रूस ने 47 साल बाद चांद पर अपना मिशन भेजा था। इससे पहले उसने 1976 में लूना-24 मिशन भेजा था। लूना-24 चांद की करीब 170 ग्राम धूल लेकर सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस पहुंचा था। अभी तक जितने भी मून मिशन हुए हैं, वो चांद के इक्वेटर पर पहुंचे हैं, यह पहली बार था कि कोई मिशन चांद के साउथ पोल पर लैंड करने वाला था।

चंद्रयान-3 से पहले लैंड होने वाला था लूना - भारत की स्पेस एजेंसी इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया था। फ्यूल का कम इस्तेमाल हो और कम खर्च में यान चंद्रमा पर पहुंच जाए इसलिए उसने पृथ्वी की ग्रैविटी का इस्तेमाल किया है। इस प्रोसेस में फ्यूल तो बच जाता है, लेकिन समय ज्यादा लगता है। इसलिए चंद्रयान को चांद पर पहुंचने में ज्यादा टाइम लग रहा है। लूना-25 चंद्रमा के बोगुस्लावस्की क्रेटर के पास लैंड करना था जबकि चंद्रयान मैंजिनस क्रेटर के पास लैंड करेगा। इसके कोऑर्डिनेट इन दोनों क्रेटर्स के बीच की दूरी 100 केएम से ज्यादा है। अब अगर चंद्रयान-3 मिशन सक्सेसफुल होता है तो भारत साउथ पोल पर उतरने वाला पहला देश बन जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

मेक्सिको-कैलिफोर्निया की तरफ बढ़ रहा हिलेरी चक्रवात कमजोर पड़ा: कैटेगरी 4 से कैटेगरी 1 पर आया; कैलिफोर्निया में इमरजेंसी लगी

मेक्सिको। अमेरिका के कैलिफोर्निया और मेक्सिको की तरफ बढ़ रहा हिलेरी चक्रवात पहले से कमजोर पड़ चुका है। अब ये कैटेगरी 4 से कैटेगरी 1 में आ गया है। इसके बावजूद कैलिफोर्निया में तूफान की वजह से इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। कमजोर होने के बाद भी चक्रवात की वजह से तेज बारिश और बाढ़ की आशंका है, जिसकी चेतावनी जारी की जा चुकी है। हरिकेन सेंटर के मुताबिक, अमेरिका में पहुंचने तक ये चक्रवात उत्तरी तूफान में बदल जाएगा। हालांकि, इसके बावजूद ये काफी तबाही मचा सकता है। चक्रवात मेक्सिको से करीब 175 मील यानी करीब 281 किमी दूर था। हिलेरी की वजह से फिलहाल 110 मील प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। अगर ये इससे तेज हुई तो हिलेरी मेजर हरिकेन में बदल जाएगा। मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया में अगले 2 दिन में 10 इंच बारिश की चेतावनी दी गई है। अमेरिका के नेशनल ओशेनिक एंड एट्मॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, ये तूफान पहले मेक्सिको से टकराएगा और फिर कैलिफोर्निया की तरफ बढ़ेगा। हालांकि, ये तूफान लगातार नॉर्थ की तरफ बढ़ रहा है। ऐसे में अगर ये पहले कैलिफोर्निया से टकराया तो पिछले 84 साल का सबसे बड़ा उत्तरी तूफान होगा। सदर्न कैलिफोर्निया में पहली बार एक कैटेगरी 4 चक्रवाती तूफान के लिए चेतावनी जारी की गई है। हिलेरी चक्रवात मेक्सिको समय के मुताबिक सुबह काबो सैन लूकस रिजॉर्ट सिटी से टकरा जाएगा, जिसके बाद इसके कमजोर पड़ने की संभावना है। चक्रवात को देखते हुए मेक्सिको के कुछ शहरों में गैर-जरूरी पब्लिक एक्टीविटीज और स्कूल सोमवार तक बंद कर दिए गए हैं।

रात में मेरी बेटी का किया अपहरण', पूर्व मंत्री शिरीन मजारी ने पुलिस कर्मचारियों पर लगाया बड़ा आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पूर्व नेता और संघीय मंत्री शिरीन मजारी ने आरोप लगाया कि सादे कपड़े पहने पुलिस कर्मचारियों और कुछ अन्य लोगों ने रविवार रात को उनकी बेटी का अपहरण कर लिया। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों और कुछ लोगों ने रातभर उनकी बेटी इमान जैनब मजारी-हाजिर के घर पर छापेमारी की। उसके बाद उसका अपहरण कर लिया। मजारी ने इसे राज्य फासीवाद का कृत्य करार दिया है। मजारी ने आरोप लगाया कि कर्मचारी घर में दरवाजा तोड़कर घुसे। उन्होंने आगे कहा कि रात भर की कार्रवाई के दौरान, पुलिस कर्मियों ने न केवल इमान को गिरफ्तार किया, बल्कि सुरक्षा कैमरे, उसका लैपटॉप और फोन भी जब्त कर लिया। पूर्व पीटीआई नेता ने दावा किया कि जब उन्होंने घर में घुसे लोगों से पूछा कि वो चाहते क्या हैं। इस पर उन्होंने इमान को खींच लिया और उसके घर के हर कोने की तलाशी लेने लगे। उन्होंने कहा कि जब इमान को पुलिस कर्मचारी ले गए तो वह अपनी नाइटड्रेस में थीं। उन्होंने अपनी बेटी के कपड़े बदलने के लिए कुछ समय देने का भी अनुरोध किया, लेकिन उन लोगों ने एक नहीं सुनी। मजारी ने कहा कि कर्मियों ने कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखाया। इतना ही नहीं, जब घर पर छापेमारी की गई उस दौरान घर में सिर्फ दो महिलाएं थीं। प्रमुख पीटीआई नेता और पूर्व संघीय मंत्री शिरीन मजारी ने 9 मई की हिंसा के मद्देनजर पीटीआई और राजनीति छोड़ दी थी। गौरतलब है, हिंसा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़की थी। नौ मई की घटनाओं के बाद से मजारी को कई बार गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता में इजाफा, दे रहे ट्रंप को सीधी टक्कर

वॉशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी की लगातार लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। इस बात का खुलासा हाल ही में हुए एक सर्वे से हुआ है। दरअसल, सर्वे में फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और रामास्वामी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे स्थान पर बराबरी पर बताए गए हैं। इमर्सन कॉलेज के सर्वेक्षण में दिखाया गया कि डेसेंटिस और रामास्वामी 10-10 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। हालांकि, यह लोग पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पीछे हैं, जो 56 प्रतिशत के साथ आगे हैं। भारतीय मूल के नेता की लोकप्रियता का इससे भी पता चलता है कि डिसेंटिस जून में 21 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर थे। अब उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट देखी गई है। वह वर्तमान में 10 प्रतिशत पर हैं। वहीं, रामास्वामी दो फीसदी से बढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सर्वेक्षण में यह भी खुलासा किया गया है कि रामास्वामी को समर्थन करने वाले स्पष्ट हैं कि वोट उन्हें ही देना है।

मालाबार युद्धाभ्यास की निगरानी में जुटीं 300 चीनी सैटेलाइट्स

तीन हजार विमान भी भेजे ; ड्रिल में भारत के साथ क्वाड के देश शामिल

सिडनी/बीजिंग।
क्वाड देशों के मेंबर भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के बीच इस वक्त मालाबार मिलिट्री एक्सरसाइज चल रही है। इस युद्धाभ्यास से चीन घबराया हुआ है। ऐसे में चीन ने अपनी सैकड़ों लोअर ऑर्बिट सैटेलाइट्स को ऑस्ट्रेलिया के ऊपर मालाबार एक्सरसाइज की निगरानी करने के लिए तैनात कर दिया है।

कमर्शियल स्पेस डेटा के हवाले से बताया कि 22 जुलाई से 4 अगस्त तक चली टैलिस्मैन सेबर एक्सरसाइज और अब मालाबार एक्सरसाइज के दौरान लगातार ऑस्ट्रेलिया के पास लगातार निगरानी की। इस दौरान पूरा फोकस सिडनी पोर्ट के पास युद्धपोतों पर रखा गया।

ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रालय की चीनी सैटेलाइट्स पर नजर

स्पेस सिस्टम डिफेंस कंपनी के जेम्स बेनेट ने बताया कि ग्राउंड बेस्ड एक्टीविटी के लिए 300 सैटेलाइट और 3 हजार फ्लाइट्स के जरिए मालाबार एक्सरसाइज का सर्वे किया। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया का डिफेंस डिपार्टमेंट चीन की निगरानी के दौरान अपने और बाकी देशों के वॉरशिप्स की जानकारी बचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। साथ ही चीन की सैटेलाइट्स पर भी लगातार नजर रखी जा रही है।

चीन इससे पहले भी मालाबार एक्सरसाइज की निगरानी कर चुका है। 2007 में उसने हिन्द महासागर में युद्धाभ्यास पर नजर रखने के लिए एक स्पाई शिप भेजी थी। इसके बाद 2014 में भी बंगाल की खाड़ी में ऐसा ही एक जहाज भेजा गया था।

भारत के आईएनएस सह्याद्री और आईएनएस कोलकाता युद्धाभ्यास में शामिल

इस साल मालाबार एक्सरसाइज में भारत की तरफ से आईएनएस कोलकाता और सह्याद्री को भेजा गया है। मालाबार युद्धाभ्यास 11 अगस्त से शुरू हुआ है, जो 21 अगस्त तक चलने वाला है। यह

एक्सरसाइज दो फेज में हो रही है। इसमें पहला हार्बर फेज होगा और दूसरा सी फेज।

2 फेज में हो रही मालाबार एक्सरसाइज

पहले फेज में चारों देशों की नेवी के लोग एक-दूसरे के वॉरशिप में जाएंगे और एक दूसरे की प्रोफेशनल प्रैक्टिस से सीखेंगे। सी फेज में कई हाई इंटेंसिटी एक्सरसाइज होंगी। इसमें एंटी सर्फेस, एंटी एयर और एंटी सबमरीन एक्सरसाइज होगी। यानी कैसे दुश्मन के सतह में मौजूद टारगेट को नष्ट करना है और इसी तरह हवा में मौजूद दुश्मन के टारगेट को निशाना बनाने की प्रैक्टिस के साथ ही दुश्मन की सबमरीन को कैसे ध्वस्त करना है।

इससे पहले पिछले साल नवंबर में जापान ने मालाबार एक्सरसाइज का नेतृत्व किया था। इस युद्धाभ्यास में आईएनएस शिवालिक-कमोर्टा शामिल हुए थे। ये दोनों ही स्वदेशी युद्धपोत हैं। शिवालिक एक मल्टी रोल स्टेल्थ फ्रीगेट है, जो एंटी-सबमरीन वॉरफेयर में भी हिस्सा ले सकता है। वहीं, कामोर्ता पूरी तरह एंटी-सबमरीन वॉरफेयर जहाज है।

1992 में पहली बार हुआ मालाबार अभ्यास

मालाबार अभ्यास साल 1992 में भारत और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय अभ्यास के रूप में शुरू किया गया था। फिर 2015 में इसमें जापान और 2020 में ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हो गया, जिससे इस युद्धाभ्यास की लोकप्रियता और बढ़ गई। चारों देशों ने दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में चीन के बढ़ते सैन्य दखल से उत्पन्न वैश्विक चिंताओं के बीच यह युद्धाभ्यास किया था।

अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव

बाइडेन की बढ़ती उम्र और घटती साख, मिशेल ओबामा की दावेदारी चौंका सकती है

वॉशिंगटन।
अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी में गहमागहमी तेज है। अगले महीने से पार्टी प्राइमरीज यानी चुनाव सभाएं शुरू होंगी। सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति जो बाइडेन उम्मीदवारी का ऐलान कर चुके हैं। लेकिन बाइडेन की घटती साख और बढ़ती उम्र के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ नेता उनकी दावेदारी को कमजोर मान रहे हैं। उनका दावा है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा सरप्राइज प्रत्याशी के रूप में बाजी को पलट सकती हैं। कनेक्टिकट से डेमोक्रेटिक पार्टी के कांग्रेस में प्रतिनिधि जिम हाइम्स का कहना है कि मिशेल की छवि करिश्माई है।

बाइडेन की तुलना में मिशेल ज्यादा एक्टिव

न्यूयॉर्क की प्रमुख डेमोक्रेटिक नेता इनग्रिड लेविस का कहना है कि भले ही बाइडेन ने बेहतर काम किए हैं, लेकिन 81 साल के राष्ट्रपति बाइडेन की सेहत डांवाडोल रहती है। कभी प्लेन में चढ़ते वक्त तो कभी साइकिल चलाते बाइडेन के गिरने के वीडियो वायरल होते हैं। इनग्रिड कहती हैं इससे वोटर भी प्रभावित होते हैं। जबकि मिशेल काफी एक्टिव हैं, आठ साल तक अमेरिका की फर्स्ट लेडी रहने के कारण वे राजनीतिक तौर-तरीकों से भी वाकिफ हैं। हाल के सर्वे में बाइडेन की लोकप्रियता रेटिंग मात्र 39प्रतिशत रह गई। अमेरिका के 75 साल के इतिहास में वे सबसे अलोकप्रिय राष्ट्रपति बन गए हैं। ट्रम्प, ओबामा, बुश जूनियर या क्लिंटन की लोकप्रियता रेटिंग 50प्रतिशत से कम कभी नहीं हुई।

5 कारण जिससे ट्रम्प के एजेंडे का जवाब होंगी मिशेल

मिशेल को अपनी दावेदारी डेमोक्रेटिक पार्टी कन्वेंशन में रखनी होगी। ये पार्टी कन्वेंशन अगस्त, 2024 में होगा। मिशेल के आने से डेमोक्रेट्स मिशेल-कमला की जोड़ी ऑल वूमन नरेटिव बनाएगी। अभी तक अमेरिका में कोई महिला राष्ट्रपति नहीं बनी। ट्रम्प कट्टरपंथी श्वेत नस्लवाद समर्थक हैं, जबकि मिशेल उदारवादी और अमेरिका में सभी समुदायों को बराबरी के हक की समर्थक हैं। बाइडेन की बढ़ती उम्र को ट्रम्प बड़ा मुद्दा बना रहे हैं, मिशेल के चुनाव मैदान में उतरने से ट्रम्प के हाथ ये मुद्दा नहीं रहेगा।

स्पेन के आईलैंड के जंगल में आग और फैली: टेनेरिफ आइलैंड से 26 हजार लोगों को हटाया, टूरिस्ट स्पॉट फिलहाल महफूज

मैड्रिड।
स्पेन के आइलैंड टेनेरिफ इलाके के जंगल में लगी आग फैलती जा रही है। इमरजेंसी सर्विसेज ने यहां से 26 हजार लोगों सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट कर दिया है। एक लोकल लीडर के मुताबिक- आग का असर करीब 50 किलोमीटर इलाके में है। करीब 12 एकड़ क्षेत्र जल चुका है। राहत की बात ये है कि आग टूरिस्ट एरिया तक नहीं पहुंच पाई है। गर्म तापमान और सूखे के कारण स्पेन के माउंट टाइड ज्वालामुखी के पास नेशनल पार्क में आग लग गई थी। सैकड़ों फायर फाइटर्स लपटों को काबू करने के लिए हेलीकॉप्टर से पानी छिड़क रहें है। आइलैंड के पॉपुलर टूरिस्ट एरिया फिलहाल महफूज हैं। यहां के दोनों एयरपोर्ट्स भी प्रॉपर फंक्शन कर रहे हैं। टेनेरिफ की काउंसिल प्रेसिडेंट रोजा डविला ने कहा- इतनी भयानक आग कैनरी आइलैंड ने कभी नहीं देखी। आग से घर नहीं जले हैं। हमारे लिए लोगों की जिन्दगी बचाना प्राथमिकता है। उत्तर-पश्चिम के आइलैंड, ला विक्टोरिया से कुछ लोगों को निकाला गया है और उन्हें मेडिकल हेल्प दी जा रही है।

पालतू जानवरों को छोड़ना पड़ा

लोगों को सबसे बड़ी चिंता अपने पालतू

जानवरों की थी। कुछ लोगों को उन्हें अपने घरों पर ही छोड़ना पड़ा और कुछ लोग अपने पालतू जानवरों को सुरक्षित जगहों पर ले गए।

क्लाइमेट चेंज वजह

वैज्ञानिकों का कहना है की इस घटना की वजह क्लाइमेट चेंज है। चिलचिलाती गर्मी और सूखे मौसम के कारण इस साल जुलाई में स्पेन के ला पाल्मा आइलैंड और कनाडा के साथ-साथ यूरोप के जंगलों में भी आग लगी थी। इस महीने की शुरुआत में हवाई के माउई आइलैंड में आग लगने से110 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। हिस्टोरिक रिज़ॉर्ट सिटी लहाइना बर्बाद हो गया था। यूरोपीय संघ ने 2017 के बाद 2022 में लगी आग को सबसे भयानक बताते हुए ग्लोबल वार्मिंग को इसका जिम्मेदार ठहराया है।

तख्तापलट के बाद नए सैन्य शासक ने रखा बातचीत का प्रस्ताव, कहा- तीन साल के भीतर लाएंगे लोकतंत्र

नाइजर।
नाइजर में हाल ही में तख्तापलट हुआ है। ऐसे में लोकतंत्र वापस लाने पर राजनीति हो रही है। नए सैन्य शासक जनरल अब्दुर्रहमान त्चियानी ने तीन साल के अंदर लोकतंत्र वापस लाने का प्रस्ताव रखा है। वहीं, पड़ोसी देशों का कहना है कि जल्द से जल्द लोकतंत्र स्थापित किया जाए। त्चियानी ने कहा कि न तो जुंटा (एक सैन्य या राजनीतिक समूह) और न ही नाइजर के लोग युद्ध करना चाहते हैं। हम लोग बातचीत के लिए तैयार हैं। बता दें, हाल ही में सैन्य शासक जनरल अब्दुर्रहमान त्चियानी ने देश के राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को पद से हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया है। जनरल त्चियानी ने कहा कि इस संबंध में अगले एक महीने के भीतर जुंटा द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संवाद में निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह संवाद राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को परिभाषित करेगा

और पश्चिम अफ्रीकी देश के पुनर्निर्माण के मार्गदर्शन के लिए मौलिक मूल्यों का आह्वान करेगा। पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय के नेताओं ने प्रतिबंध लगाकर तख्तापलट का जवाब दिया है। नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को राजधानी नियामी में त्चियानी से मुलाकात की। त्चियानी ने पत्रकारों से कहा कि जुंटा की महत्वाकांक्षा सत्ता जब्त करने की नहीं है। उन्होंने कहा कि नाइजर के लोगों के लिए मैं किसी भी बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार हूं। वहीं, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमारे खिलाफ कोई हमला किया जाता है, तो यह मत सोचना कि यह पार्क में टहलने जैसा होगा। जुंटा ने पहले दावा किया था कि उसने बजौम पर राजद्रोह का मुकदमा चलाने के लिए सबूत इकट्ठा किए हैं। बता दें, नाइजर अफ्रीका के साहेल क्षेत्र के केंद्र में स्थित है, जिसने हाल के वर्षों में माली और बुर्किना फासो सहित कई जगहों पर सत्ता हथिया ली है। यह इस क्षेत्र में बचे कुछ लोकतंत्रों में से एक था। पश्चिम अफ्रीकी देशों ने दी थी धमकी इससे पहले, पश्चिम अफ्रीकी देशों ने धमकी दी थीकि अगर बजौम को 6 अगस्त तक नजरबंदी से रिहा नहीं किया गया और बहाल नहीं किया गया तो सैन्य बल का उपयोग किया जाएगा।

नाइजर में हुए तख्तापलट की पश्चिमी देशों ने भी कड़ी निंदा की। वहीं, बुधवार रात त्चियानी ने कहा था कि नाइजर को कठिन समय का सामना करना पड़ रहा है और आगे भी राह आसान नहीं है, लेकिन देश को एकजुट रहने की जरूरत है। त्चियानी ने पश्चिम अफ्रीका राज्य आर्थिक समुदाय की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों को अवैध, अनुचित, अमानवीय और अभूतपूर्व बताया था।

राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के आने के बाद महंगाई में राहत

श्रीलंका ने भारत से रिश्ते सुधारे; दखल कम होने से चीन परेशान

श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे।
श्रीलंका में सबसे बड़े आर्थिक संकट के बाद जनता ने बीते साल विद्रोह कर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को सत्ता से हटने को मजबूर कर दिया। सत्ता से हटने वाली महिंदा राजपक्षे की पार्टी श्रीलंका पोदुजना पेरामुना (एसएलपीपी) के समर्थन से रानिल विक्रमसिंघे राष्ट्रपति बने। उन्होंने देश की उम्मीदें पूरी करने की दिशा में काम भी किया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ एक समझौता किया, महंगाई घटाई, भारत और अमेरिका के साथ श्रीलंका के रिश्ते को सामान्य बनाया। भारत के साथ संबंधों में सुधार हुआ।

देश में लोकप्रिय बने विक्रमसिंघे

इसका दूसरा पहलू यह है कि श्रीलंका में चीन का दखल कम हुआ है। इससे ड्रैगन काफी परेशान है। इन घटनाक्रमों ने विक्रमसिंघे को देश में बड़े वर्ग के बीच लोकप्रिय बना दिया है। वहीं, राजपक्षे की विक्रमसिंघे पर वैसी पकड़ कमजोर हो गई, जैसा वह इस सरकार को रिमोट से चलाना चाहते थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर विक्रमसिंघे सचेत रहकर सरकार नहीं चलाते हैं तो राजपक्षे बंधु बदले की सियासत के साथ वापसी कर सकते हैं। अटॉर्नी-एट-लॉ और संघर्ष समाधान में विशेषज्ञ इंडिका परेरा ने कहा, 'पिछले वर्ष से राजपक्षे परिवार और उनके प्रति वफादार अपनी जमीन फिर हासिल करने में लगे हुए हैं।

राजपक्षे के समर्थक भी बढ़ रहे

हाल के हफ्तों में राजपक्षे और उनका समर्थन करने वालों की संख्या बढ़ी है।' राजपक्षे श्रीलंका

में सिंहली-बौद्ध राष्ट्रवादी प्रवृत्ति का नेतृत्व करते हैं। अगर राष्ट्रपति रानिल सचेत नहीं रहे, तो राजपक्षे अगले संसदीय चुनाव तक फिर खड़े हो सकते हैं। वह रानिल भारतीयों के काफी करीब आ गए हैं। इससे न केवल सिंहली बौद्ध, बल्कि चीन भी परेशान है।

ड्रैगन विक्रमसिंघे और राजपक्षे के गठबंधन से खफा

भारत के साथ विक्रमसिंघे के बढ़ते संबंधों से चीन खुश नहीं है। वैसे भी ड्रैगन विक्रमसिंघे और राजपक्षे के गठबंधन से खफा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें ऐतिहासिक समानताएं हैं। 2015 में श्रीलंका के मतदाताओं ने राष्ट्रपति और आम चुनावों के दौरान राजपक्षे को दो बार खारिज कर दिया। राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की सरकार के अव्यवस्थित शासन और रानिल विक्रमसिंघे, जो 2015-19 सरकार के प्रधानमंत्री थे, उनके कुछ अति-उदारवादी रुख और सिंहली-बौद्धों के राजपक्षे के समर्थन में उतरने से बाजी पलट गई। उन्होंने कहा, 2005 में सत्ता में आने के बाद, खासतौर पर 2009 में लिट्टे के खिलाफ युद्ध जीतने के बाद महिंदा राजपक्षे सिंहली-बौद्धों के प्रतिनिधि बनने में सफल रहे। हालांकि महिंदा की लोकप्रियता श्रीलंकाई राजनेताओं के बीच अद्वितीय है। राजपक्षे परिवार के अन्य सदस्य न तो महिंदा जैसे करिश्माई हैं और न ही लोकप्रिय।

अल्पसंख्यक तमिलों के लिए संशोधन से सिंहली-बौद्ध नाराज

परेरा ने कहा कि यूएनपी श्रीलंका में उदार-पूंजीवादी वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है। वह अक्सर सिंहली-बौद्ध बहुल समुदाय की चिंताओं को नजरअंदाज करती है, क्योंकि वे जातीय अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों की मदद पर निर्भर हैं। भारत के भी करीबी रहे हैं। इससे उनकी परेशानियां हैं। परेरा ने कहा, 'ऐसा लगता है कि रानिल फिर गलतियां दोहरा रहे हैं।

श्रावण को मासोत्तम मास क्यों कहा जाता है

श्रावण मास को मासोत्तम मास कहा जाता है। यह माह अपने हर एक दिन में एक नया सवेरा दिखाता इसके साथ जुड़े समस्त दिन धार्मिक रंग और आस्था में डूबे होते हैं। शास्त्रों में सावन के महात्म्य पर विस्तार पूर्वक उल्लेख मिलता है। श्रावण मास अपना एक विशिष्ट महत्व रखता है। श्रवण नक्षत्र तथा सोमवार से भगवान शिव शंकर का गहरा संबंध है। इस मास का प्रत्येक दिन पूर्णता लिए हुए होता है। धर्म और आस्था का अटूट गठजोड़ हमें इस माह में दिखाई देता है इस माह की प्रत्येक तिथि किसी न किसी धार्मिक महत्व के साथ जुड़ी हुई होती है। इसका हर दिन व्रत और पूजा पाठ के लिए महत्वपूर्ण रहता है।

हिंदु पंचांग के अनुसार सभी मासों को किसी न किसी देवता के साथ संबंधित देखा जा सकता है उसी प्रकार श्रावण मास को भगवान शिव जी के साथ देखा जाता है इस समय शिव आराधना का विशेष महत्व होता है। यह माह आशाओं की पुर्ति का समय होता है जिस प्रकार प्रकृति ग्रीष्म के थपेडों को सहती उई सावन की बौछारों से अपनी प्यास बुझाती हुई असीम तृप्ति एवं आनंद को पाती है उसी प्रकार प्राणियों की इच्छाओं को सूनेपन को दूर करने हेतु यह माह भक्ति और पूर्ति का अनुठा संगम दिखाता है ओर सभी की अतृप्त इच्छाओं को पूर्ण करने की कोशिश करता है।

जलाभिषेक के साथ पूजन

भगवान शिव इसी माह में अपनी अनेक लीलाएं रचते हैं। इस महीनें में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पंचाक्षर मंत्र इत्यादि शिव मंत्रों का जाप शुभ फलों में वृद्धि करने वाला होता है। पूर्णिमा तिथि का श्रवण नक्षत्र के साथ योग होने पर श्रावण माह का स्वरुप प्रकाशित होता है। श्रावण माह के समय भक्त शिवालय में स्थापित, प्राण-प्रतिष्ठित शिवलिंग या धातु से निर्मित लिंग का गंगाजल व दुग्ध से रुद्राभिषेक कराते हैं। शिवलिंग का रुद्राभिषेक भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इन दिनों शिवलिंग पर गंगा जल द्वारा अभिषेक करने से भगवान शिव अतिप्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक महाफलदायी माना गया है। इन दिनों अनेक प्रकार से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है जो भिन्न भिन्न फलों को प्रदान करने वाला होता है। जैसे कि जल से वर्षा और शितलता कि प्राप्ति होती है। दूग्धा अभिषेक एवं घृत से अभिषेक करने पर योग्य संतान कि प्राप्ति होती है। ईख के रस से धन संपदा की प्राप्ति होती है। कुशोदक से समस्त व्याधि शांत होती है। दधि से पशु धन की प्राप्ति होती है ओर शहद से शिवलिंग पर अभिषेक करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

शिवलिंग पर जलाभिषेक का महत्व

इस श्रावण मास में शिव भक्त ज्योतिर्लिंगों का दर्शन एवं जलाभिषेक करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान फल प्राप्त करता है तथा शिवलोक को पाता है। शिव का श्रावण में जलाभिषेक के संदर्भ में एक कथा बहुत प्रचलित है जिसके अनुसार जब देवों ओर राक्षसों ने मिलकर अमृत प्राप्ति के लिए सागर मंथन किया तो उस मंथन समय समुद्र में से अनेक पदार्थ उत्पन्न हुए और अमृत कलश से पूर्व कालकूट विष भी निकला उसकी भयंकर ज्वाला से समस्त ब्रह्माण्ड जलने लगा इस संकट से व्यथित समस्त जन भगवान शिव के पास पहुंचे और उनके समक्ष प्राथना करने लगे, तब सभी की प्रार्थना पर भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने हेतु उस विष को अपने कंठ में उतार लिया और उसे वहीं अपने कंठ में अवरूद्ध कर लिया।

जिससे उनका कंठ नीला हो गया समुद्र मंथन से निकले उस हलाहल के पान से भगवान शिव भी तपन को सहा अतः मान्यता है कि वह समय श्रावण मास का समय था और उस तपन को शांत करने हेतु देवताओं ने गंगाजल से भगवान शिव का पूजन व जलाभिषेक आरंभ किया, तभी से यह प्रथा आज भी चली आ रही है प्रभु का जलाभिषेक करके समस्त भक्त उनकी कृपा को पाते हैं और उन्हीं के रस में विभोर होकर जीवन के अमृत को अपने भीतर प्रवाहित करने का प्रयास करते हैं।

हर 12 साल में इंद्रदेव बिजली गिराकर चकनाचूर कर देते हैं ये शिवलिंग

कहा जाता है कण-कण में शंकर है। चारों दिशाओं में भगवान महादेव अपने भक्तों की परेशानियों को हरने विराजमान है। सूदूर उत्तर में बाबा अमरनाथ के रूप में तो दक्षिण में रामेश्वरम। पश्चिमी तट में सोमनाथ स्थापित है तो पूर्व में शिवभक्त नेपाल जाकर पशुपतिनाथ के दर्शन करने से भी नहीं चूकते। लेकिन हिमाचल की वादियों में एक ऐसा शिव मंदिर है, जहां शिवलिंग पर हर 12 साल के बाद आसमानी बिजली गिरती है, यहां भगवान शिव कुछ अलग तरीके से अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। हिमाचल के कुल्लू में स्थित इस अनोखे मंदिर का नाम 'बिजली महादेव मंदिर' है। शिवजी का यह मंदिर ब्यास और पार्वती नदी के संगम के नजदीक एक पहाड़ पर बना है। आसमानी बिजली गिरने की वजह से शिवलिंग चकनाचूर हो जाता है। लेकिन जब पुजारी इसे मक्खन से जोड़ते हैं, तो ये फिर पुराने रूप में आ जाता है। गांव के लोग कहते हैं कि बिजली गिरने से जानमाल का नुकसान होता है। लेकिन भगवान शिव भक्तों की रक्षा के लिए बिजली के आघात को सहन कर लेते हैं।

ऐसी है पौराणिक मान्यता

किवदंतियों के अनुसार यहां एक बड़ा अजगर रहता था। असल में अजगर कुलांत नाम का राक्षस था, जो रूप बदलने में माहिर था. एक बार अजगर मथाण गांव में आ गया और ब्यास नदी के पास कुंडली मार कर बैठ गया। इससे नदी का पानी रुक गया और गांव डूबने लगा तब भगवान शिव ने भक्तों की मदद और लोगों की भलाई के लिए उस राक्षस का वध किया।

इंद्र गिराते हैं शिवलिंग पर बिजली

भगवान शिव के त्रिशूल से राक्षस का वध करने के बाद कुलांत राक्षस का बड़ा शरीर पहाड़ बन गया। इसके बाद शिवजी ने इंद्र को आदेशित किया कि हर 12 साल में एक बार इस जगह पर बिजली गिराएं। मान्यता है कि तभी से यह सिलसिला जारी है। यहां के लोग मंदिर पर बिजली गिरते देखते हैं. जिसमें शिवलिंग चकनाचूर हो जाता है, लेकिन पुजारियों के इसे मक्खन से जोड़ते ही ये फिर पुराने रूप में आ जाता है।

इस रक्षाबंधन भाई के लिए खरीदें एक से एक यूनीक राखी

रक्षाबंधन के त्योहार में अब एक सप्ताह से भी कम का समय बचा है। ऐसे में बाजार भी आपकी जरूरतों के हिसाब से पूरी तरह से तैयार है। हर बार की तरह इस बार भी जहां रंग-बिरंगी राखियों के कई विकल्प मौजूद हैं। तो वहीं, सोने-चांदी की राखी, ब्रेसलेट राखी और भाई की तस्वीर वाली राखियां भी काफी डिमांड में हैं।

भाई की तस्वीर वाली राखी

अगर आप अपने भाई को उसकी तस्वीर वाली राखी बांधने की इच्छा रखती हैं तो इसके लिए आपको डेढ़ घंटे का समय निकालकर दिल्ली गेट बाजार जाना होगा। वहां भाई की तस्वीर देने पर आपको तस्वीर वाली राखी मिल जाएगी। दुकानदारों का कहना है कि रक्षाबंधन पर पहली बार इस तरह की राखी आई है। बहनों के क्रेज को देखते हुए राखी को स्पेशल बनाने का प्रयास किया गया है। इसमें फोटो मिलने के बाद रक्षाबंधन का फ्रेम तैयार किया जाता है। इसके बाद फोटो को ऐसे सेट किया जाता है कि जिससे लगे कि फोटो रक्षाबंधन पर ही खींची गई है। इसकी कीमत 350 रुपये है। फोटो वाली राखी कि डिमांग काफी अधिक है और इसके लिए बहनें अडवांस बुकिंग करवा रही हैं।

ब्रेसलेट और अमेरिकन राखी की डिमांड

फोटो वाली राखी के अलावा अमेरिकन डायमंड की राखी, ब्रेसलेट राखी और डोरे वाली राखियां भी बाजार में छाई हुई हैं। अमेरिकन राखी 95 रुपये से लेकर 900 रुपये तक की रेंज में और ब्रेसलेट वाली राखी की कीमत 500 रुपये है। कारोबारी इशू वर्मा ने बताया कि मार्केट में फोटो वाली राखी पहली बार आई है इसलिए इनकी डिमांड अधिक है। हालांकि अमेरिकन राखी और ब्रेसलेट की भी अच्छी खासी डिमांड है।

सोने-चांदी की राखी और नोट का क्रेज

लोगों की मांग के अनुसार राखियां तैयार कराई जा रही हैं। चांदी की राखियां 300 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक मिल रही हैं। वहीं, सोने की राखियां वजन के हिसाब से तैयार कराई जा रही हैं। इसके अलावा 2 हजार रूपये के चांदी के नोट का क्रेज भी लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। चांदी का 2 हजार रुपये का नोट पहली बार बाजार में आया है और बड़ी तादाद में लोग इसे खरीद रहे हैं। इसकी कीमत 400 रूपये के आसपास है।

म्यूजिक के साथ मेसेज वाली राखियां

सोने-चांदी की राखियों के अलावा इस बार बाजार में रेशम की राखियों के कई विकल्प हैं, जो कि 10 रुपये से शुरू होकर 500 रुपये तक उपलब्ध हैं। इस बार बहनें ऑनलाइन भी राखियां मंगवा रही हैं। इसके अलावा म्यूजिकल राखियों की ज्यादा डिमांड है, क्योंकि इसमें बहनें अपनी पसंद के गाने रेकॉर्ड करवाकर भाई की कलाई पर बांध सकती हैं। तो वहीं, मेसेज वाली राखी से बहनें अपने भाई को राखी के साथ-साथ प्यारा सा संदेश भी दे सकती हैं।

शिवजी को कभी न चढ़ाएं शंख से जल

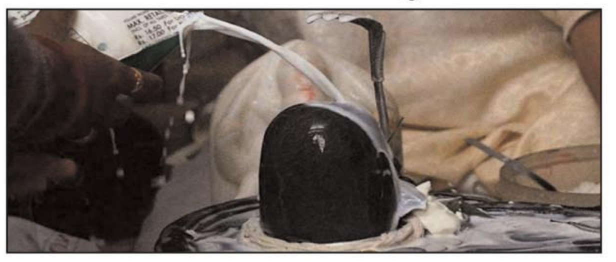

हिंदू धर्म वैसे तो शंख को एक पवित्र वस्तु के रूप में पूजा जाता है और सभी देवी देवताओं के ऊपर शंख से जल चढ़ाने की परंपरा है। भगवान विष्णु को यह बहुत पसंद है लेकिन भगवान शिव को शंख से जल नहीं चढ़ाया जाता है। ऐसा क्यों है इसके पीछे शिवपुराण में एक कथा का वर्णन है। जिसके अनुसार शंखचूड नाम का महापराक्रमी दैत्य हुआ करता था जो शंखचूड दैत्यराम दंभ का पुत्र था। दैत्यराज दंभ को लंबे समय तक संतान सुख की प्राप्ती नहीं हुई थी तो उसने भगवान विष्णु की घोर तपस्या की जिससे वह प्रसन्न हो गए और दंभ ने उनसे तीनों लोको के लिए अजेय एक महापराक्रमी पुत्र का वर प्राप्त कर लिया।

इसके बाद दंभ के यहां एक पुत्र का जन्म हुआ जिसका नाम शंखचूड़ रखा गया। शंखचुड ने भी ब्रह्माजी के घोर तपस्या की और उन्हें प्रसन्न कर वर मांगा कि वो देवताओं के लिए अजेय हो जाए। ब्रह्माजी ने इसके लिए उसे श्रीकृष्णकवच दिया और कहां कि तुम धर्मध्वज की कन्या तुलसी से विवाह कर लो इसके बाद तुम्हें कोई परास्त नहीं कर पाएगा।

ब्रह्मा की आज्ञा से तुलसी और शंखचूड के बीच विवाह संपन्न हो गया। ब्रह्मा के वरदान के बाद शंखचूड ने तीनों लोकों पर अधिकार प्राप्त कर लिया है। देवताओं ने परेशान होकर विष्णु भगवान से मदद की गुहार लगाई परंतु उन्होंने खुद दंभ को ऐसे पुत्र का वरदान दिया था। अतः उन्होंने देवताओं से शिव भगवान की शरण में जाने के लिए कहा तब भगवान शिव ने देवताओं के दुख दूर करने का निर्णय लिया। लेकिन यह इतना आसान नहीं था क्योंकि श्रीकृष्ण कवच और तुलसी के पातिव्रत धर्म की वजह से शिवजी भी उसका वध करने में सफल नहीं हो पा रहे थे। इन परिस्थितियों में विष्णु भगवान ने ब्राह्मण रूप धारण कर दैत्यराज से उसका श्रीकृष्णकवच दान में ले लिया। इसके बाद शंखचूड़ का रूप धारण कर तुलसी के शील का हरण कर लिया।

इसके बाद शिव ने शंखचूड़ को अपने त्रिशुल से भस्म कर दिया था और उसकी हड्डियों राख से ही शंख का निर्माण हुआ। चूंकि शंखचूड़ विष्णु भक्त था अतः लक्ष्मी-विष्णु को शंख का जल अर्पित करने पर वह बहुत प्रसन्न होते हैं। परंतु शिव ने चूंकि उसका वध किया था अतः शंख का जल शिव को चढ़ाने के लिए मना किया गया है। इसी वजह से भगवान शिव को शंख से जल नहीं चढ़ाया जाता है।

महिलाएं इस तरह कभी न लगाएं सिंदूर, वरना कुछ भी हो सकता है

धर्म में सिंदूर का काफी महत्व होता है। ये महिलाओं के लिए सुहाग की निशानी होती है। हर शादीशुदा महिला सिंदूर को माथे पर लगाती ही हैं। मान्यताओं के अनुसार, सिंदूर नहीं लगाना अशुभ माना गया है। कई दफा सिंदूर को माथे पर लगाने के चक्कर में कई बार जल्दबाजी या अनजाने में महिलाएं कई गलतियां कर बैठती हैं। यह उनपर और पति पर गलत असर करता है। सिंदूर लगाने के कई तरीके हैं। यहां हम आपको ऐसे ही कुछ प्वाइंट्स बता रहे हैं। माथे पर सिंदूर लगाते वक्त महिलाओं को काफी सावधानी बरतनी चाहिए। यह तय करना चाहिए कि सिंदूर माथे के बीचों बीच ही लगाया जाए। यदि किनारे पर कोई महिला सिंदूर लगाती है तो माना गया है कि पति से लड़ाई होने लगती हैं और पति से रिश्ते में हमेशा तनाव रहता है।

जूता-चप्पल चोरी होने का भी है शुभ-अशुभ से संबंध

कोई भी व्यक्ति नहीं चाहता कि उसकी कोई चीज चोरी हो। लेकिन अगर हिंदू धर्म की बात की जाए और ज्योतिष के लिहाज से देखा जाए तो कई चीजों के चोरी होने के शुभ और अशुभ संकेत माने गए हैं। अगर आप मंदिर जाते हैं और वहां पर आपके जूते या चप्पल चोरी हो जाते हैं तो निश्चित ही आपको दुख होगा लेकिन अगर ज्योतिष के लिहाज से देखें तो इसमे जूते-चप्पल का चोरी होना शुभ माना गया है इसके साथ ही अगर आपके जूते-चप्पल शनिवार को चोरी होते हैं तो यह और भी शुभ है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे शनि के दोषों में राहत मिलती है। शनिवार के दिन चमड़े के जूते चोरी होते हैं तो इसे बहुत अच्छा समझना चाहिए। जो लोग जूते-चप्पल चोरी होने के ज्योतिषीय लाभ जानते हैं वे शनि मंदिरों में जूते-चप्पल स्वयं छोड़ आते हैं। ऐसा वो इसलिए करते हैं क्योंकि हमारी त्वचा और पैर का कारक ग्रह शनि को माना जाता है। चमड़े के जूते अगर शनिवार को चोरी होते हैं तो मानना चाहिए कि हमारी परेशानी कम हो जाएगी।

रक्षा बंधन और चन्द्र ग्रहण का मेल, ये चार राशियों वाले बरतें सावधानी

7 अगस्त को आंशिक चंद्रग्रहण लग रहा है और साथ में रक्षाबंधन का शुभ पर्व भी है। यह नजारा भारत में देखा जा सकेगा। ग्रहण काल को शुभ नहीं माना जाता। 7 अगस्त की सुबह 11.07 बजे से बाद दोपहर 1.50 बजे तक रक्षा बंधन हेतु शुभ समय है। इसी दिन चंद्र ग्रहण भी होगा जो रात्रि 10.52 से शुरू होकर 12.22 तक रहेगा। चंद्र ग्रहण से 9 घण्टे पूर्व सूतक लग जाएगा। इससे पहले भद्रा का प्रभाव रहेगा। चंद्रग्रहण पूर्ण नहीं होगा बल्कि खंडग्रास होगा। ज्योतिष विद्वान कहते हैं कि भद्रा योग और सूतक में राखी नहीं बांधनी चाहिए। ऐसा नियम है।

ज्योतिष विद्वानों के अनुसार चन्द्र ग्रहण का प्रभाव प्रत्येक राशि पर पड़ता है। 12 राशियों में से 8 राशियों पर तो सामान्य प्रभाव रहेगा लेकिन 4 राशियों पर भारी रहेगा।मेष राशि के जातको को अत्यधिक हानि उठानी पड़ेगी, आय की कमी रहेगी। कोई भी बड़ी डील या सौदा करने से पहले सावधानी बरतें।

कन्या राशि पर रोग और शोक दोनों के काले बादल मंडरा रहे हैं। स्वास्थ्य को लेकर कोई भी रिस्क न उठाएं। ग्रहण के समय वाहन न चलाएं, दुर्घटना हो सकती है। जरूरी काम से जाना पड़े तो पानी वाले नारियल को काले कपड़े में बांधकर सिर से पैर तक नजर उतारे और चलते पानी में बहा दें।

मकर राशि के जीवन पर चंद्र ग्रहण विपत्ति और आपदा की घटा छोड़ जाएगा। किसी भी तरह की इनवेस्टमेंट हानि के योग बना रही है। ग्रहण के वक्त यात्रा भी न करें।

मीन राशि वालों को ग्रहण के दौरान वर्कस्टेशन पर बहुत से बदलावों से रू-ब-रू होना पड़ेगा। जिससे की मन अशांत रहेगा। व्याकुलता में किसी से बड़ा झगड़ा भी हो सकता है। बिजनैस में बड़ा नुकसान होने की संभावना भी है।

अपने घर में बनाएं पनीर हरियाली टिक्का

पनीर हरियाली टिक्का उत्तर भारत की फेमस रेसिपी है जिसे पनीर, धनिया पत्ता, पुदीना पत्ता और मैदे के साथ बनाया जाता है। यह टिक्का न सिर्फ देखने में अच्छा लगता है बल्कि खाने में भी टेस्टी है और हेल्थी भी। पार्टी में स्टार्टर के तौर पर इस डिश का इस्तेमाल किया जा सकता है। यकीन मानिए आपके गेस्ट न सिर्फ इसे चाव से खाएंगे बल्कि आपकी जमकर तारीफ भी करेंगे।

- कुल समय 30 मिनट
- तैयारी का समय 20 मिनट
- कैलरी 190

सामग्री (4 लोगों के लिए)

- पनीर 250 ग्राम
- हरी मिर्च 2
- तेल 3 बड़े चम्मच
- अदरक पेस्ट 1 छोटा चम्मच
- लहसुन पेस्ट 1 छोटा चम्मच
- दही 2 बड़ा चम्मच
- मैदा 2 बड़ा चम्मच
- चाट मसाला 1 छोटा चम्मच
- काली मिर्च 1 छोटा चम्मच
- नींबू का रस 1 छोटा चम्मच
- सेंधा नमक 1 छोटा चम्मच
- धनिया पत्ता 1 कप
- पुदीना पत्ता 1 कप

बनाने की विधि

- धनिया पत्ता, पुदीना पत्ता, हरी मिर्च और नींबू के रस को मिलाकर स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें। अगर आपको लग रहा है कि यह पेस्ट बहुत गाढ़ा है तो आप इसमें थोड़ा पानी डाल सकती हैं।
- पनीर को अच्छी तरह से धोकर क्यूब्स के आकार में काट लें और अलग रख दें।
- एक अलग बाउल में हरी चटनी वाला पेस्ट, दही, अदरक-लहसुन का पेस्ट, मैदा, काली मिर्च, चाट मसाला और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं।
- इस मिश्रण में थोड़ा सा तेल और पनीर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं ताकि पनीर क्यूब्स पर हरी चटनी वाला पेस्ट अच्छी तरह से लग जाए।
- पनीर के चटनी लगे टुकड़ों को करीब 2 घंटे के लिए मैरिनेट होने के लिए रख दें। हालांकि आप अगर आप चाहें तो आप इसे रात भर भी मैरिनेट होने के लिए रख सकती हैं।
- अब अवन को 200 डिग्री सेल्सियस पर प्री हीट करें। स्क्यूअर्स में मैरिनेटेड पनीर क्यूब्स को एक इंच के गैप पर लगाएं और अवन के ग्रिल रैक पर रख दें।
- करीब 15 मिनट तक ग्रिल होने दें जब तक इसका कलर हल्का बदल न जाए। आप चाहें तो स्क्यूअर्स में पनीर के बीच में प्याज और शिमला मिर्च भी लगा सकती हैं।
- ध्यान रखें कि पनीर को ग्रिल करते वक्त बीच-बीच में रोटेट करते रहें और जरूरत हो तो थोड़ा तेल छिड़क दें वरना टिक्का बहुत ड्राई हो जाएगा।
- आपका पनीर हरियाली टिक्का तैयार है। इसे प्याज के छल्ले और पुदीना की चटनी के साथ सर्व करें।

अगले हफ्ते ओपन होंगे 2 आईपीओ : एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज और विष्णु प्रकाश में निवेश का मौका, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,040

मुंबई।
अगले हफ्ते शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 2 इनिशियल पब्लिक ऑफर ओपन होंगे। इसमें एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड और विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड शामिल हैं। एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज स्टेनलेस स्टील के फ्लेक्सिबल होज बनाने वाली कंपनी है। वहीं, विष्णु प्रकाश इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन कंपनी है। आइए इन दोनों आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड

एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 351 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस इश्यू के लिए कंपनी ने 102-108 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 22 अगस्त से 24 अगस्त तक अप्लाई कर सकेंगे। इसमें रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 130 शेयरों के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यदि वह आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 108 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं, तो उनको 14,040 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे।

मैक्सिमम 14 लॉट के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक

एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 14 लॉट यानी 1820 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 196,560 रुपए खर्च करने होंगे।

80 से ज्यादा देशों में अपने प्रोडक्ट एक्सपोर्ट करती है एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज

मुंबई की एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड मैटेलिक फ्लैक्सीबल फ्लो सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स बनाती है। कंपनी 80 से ज्यादा देशों में अपने प्रोडक्ट एक्सपोर्ट करती है,जिसमें अमेरिका और यूरोप सहित अन्य देश शामिल हैं। कंपनी का 80प्रतिशत रेवेन्यू एक्सपोर्ट से ही होता है। कंपनी के कस्टमर्स में डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैब्रिकेटर, मेंटेनेंस-रिपेयर करने वालों और ऑपरेशन कंपनी ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं।

विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड

विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड इस इश्यू के जरिए 308.88 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस आईपीओ के लिए कंपनी ने 94-99 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 24 अगस्त से 28 अगस्त तक अप्लाई कर सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में बढ़ रही बेरोजगारी, युवाओं का कहना- रात भर सो नहीं पाते

बीजिंग । दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में लगातार युवा बेरोजगार हो रहे हैं। इससे लोगों में चिंता पैदा हो गई है। वहीं, युवाओं में अपने भविष्य को लेकर तनाव देखा गया है। इससे उनकी रातों की नींद उड़ गई है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चीन में केवल जून में ही 16 से 24 वर्ष की आयु के 21.3 प्रतिशत लोग बेरोजगार हो गए हैं। यह आंकड़ा हर महीने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है। हाल ही में, मनोविज्ञान में स्नातक पूरा करने वालीं झांग ने अपने चुने हुए क्षेत्र में नौकरी पाने के लिए कई हजारों सीवी भेजे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। 23 साल की झांग ने कई महीनों तक नौकरी तलाशी, लेकिन वह असफल रहीं। इसका उनपर बुरा असर पड़ा। झांग ने इस सप्ताह के अंत में बीजिंग में एक भर्ती मेले में पत्रकारों को बताया कि पढ़ाई पूरी होने के बाद भी नौकरी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसका दिमाग पर बहुत गंदा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि मैं कितने भी सीवी भेज दूं, मुझे उसका एक ही जवाब मिलता है। बता दें, ऐसा नहीं है कि यह कहानी सिर्फ एक-दो युवा की है। ऐसे कई युवाओं ने इसी तरह की बात बताई। शमिवार को बीजिंग में भर्ती मेला आयोजित किया गया था, जिसमें उपस्थित लोगों ने चुनौतीपूर्ण हालातों के बारे में बताया। मीडिया में अनुभव रखने वाले 21 वर्षीय बेरोजगार यांग याओ ने बताया कि नौकरी नहीं मिलने के कारण हर रात वह चिंता में रहते। वह सोचते हैं कि अगर नौकरी नहीं मिली तो जीवन-यापन कैसे करूंगा। याओ का कहना है कि वह इस चिंता की वजह से रात भर नहीं सो पाते हैं। अगर कहीं विकल्प दिया भी जाता है तो सैलरी काफी कम देने की बात करते हैं। चीन ने हाल के महीनों में कई संकेतक जारी किए हैं, जो देश में कोविड के बाद मंदी की ओर इशारा कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि कम उपभोक्ता मांग के कारण कंपनियां लोगों को काम पर नहीं रख रही हैं।

लगातार चौथे हफ्ते सोने की कीमतों में गिरावट रही, 10 ग्राम सोने का भाव 58,405 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद

नई दिल्ली । सोने की कीमत में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट देखने को मिली है। जुलाई के शुरुआती

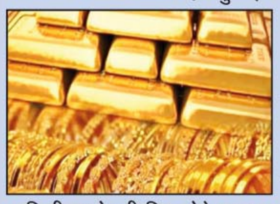

हफ्ते में आई तेजी के बाद से लगातार सोने के भाव में गिरावट दर्ज की जा रही है। इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सोने का भाव 58,405 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सोना 58,891 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुए थे। पिछले महीने से ही सोने की कीमतों में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जुलाई में सोने की कीमतें 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम से आंकड़े के करीब पहुंच गई थीं लेकिन फिर कीमतों में गिरावट आनी शुरू गई और अब ये 59 हजार रुपए के आंकड़े से नीचे आ गई हैं। बीते सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतें 58,874 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई। मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस की वजह से बाजार बंद था। बुधवार को सोने की कीमतें 58,843 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई। गुरुवार को सोने का भाव 58,876 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को सोने की कीमतें 58,405 रुपढ प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुई1 पूरे सप्ताह के दौरान सोने के भाव गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गोल्ड की कीमतें 58,891 रुपए पर बंद हुई थीं। इस तरह सोने का भाव इस सप्ताह 438 रुपए प्रति ग्राम सस्ता हुआ।

रियल एस्टेट कारोबार 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का हो जाएगा

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2021 के दौरान भारत का प्रॉपर्टी बाजार 200 अरब डॉलर था। अब अनुमान लगाया जा रहा है वित्त वर्ष 2030 तक यह सेक्टर एक ट्रिलियन बढ़कर हो जाएगा। वहीं उम्मीद है कि रियल एस्टेट सेक्टर 2025 तक देश की जीडीपी में 13 फीसदी का का योगदान देगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट सेक्टर का भविष्य काफी अच्छा है और आने वाले समय में यह तेजी से तरक्की करने वाला है। इंडिया का रियल एस्टेट सेक्टर में निवेशकों की संख्या और पैसा तेज गति से बढ़ने वाला है। इसे और सरल तरीके से कहें तो आने वाले समय में इस सेक्टर के निवेशकों के लिए अच्छा समय होने की उम्मीद है। रियल एस्टेट सेक्टर में उछाल देश के कुछ शहरों में सबसे ज्यादा मांग लेकर आएगा। इसमें मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहर शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन शहरों के कुछ हिस्सों में बजट में प्रॉपर्टी बिकेंगी और लोगों का इसकी ओर रुझान ज्यादा हो सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मुंबई के भीतर कुछ क्षेत्र खासकर कांजुर मार्ग, विक्रोली और भांडुप में करीब 70 फीसदी प्रॉपर्टी की खरीदारी की गई है।

चंद्रयान-3 अब चांद से सिर्फ 25केएम दूर

फाइनल डीबूस्टिंग के जरिए स्पेसक्राफ्ट की स्पीड कम की गई, 23 अगस्त को शाम 6:04 बजे लैंडिंग

बेंगलुरु।
चंद्रयान-3 का दूसरा और फाइनल डीबूस्टिंग ऑपरेशन की दरम्यानी रात 1 बजकर 50 मिनट पर पूरा हुआ। इस ऑपरेशन के बाद लैंडर की चंद्रमा से न्यूनतम दूरी 25 किमी और अधिकतम दूरी 134 किलोमीटर रह गई है। डीबूस्टिंग में स्पेसक्राफ्ट की स्पीड को धीमा किया जाता है। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट में बताया कि अब लैंडर की इंटरनल जांच होगी और जब तक लैंडिंग साइट पर सूरज नहीं निकलता तब तक इंतजार किया जाएगा। 23 अगस्त को शाम 6:04 बजे सबसे कम दूरी यानी 25 किलोमीटर की ऊंचाई से सॉफ्ट लैंड कराने की कोशिश की जाएगी।

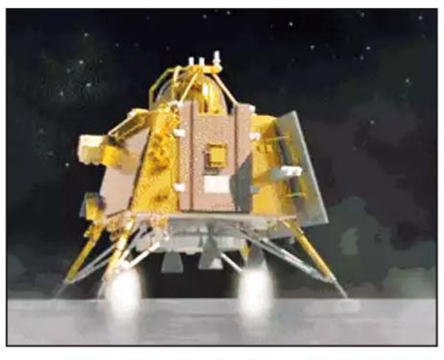

चांद पर अशोक स्तंभ की छाप छोड़ेगा प्रज्ञान रोवर

चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रहे एम. अन्नादुरई के मुताबिक, 23 अगस्त की शाम को चंद्रयान-3 के लैंडर को 25 किमी की ऊंचाई से चांद की सतह तक पहुंचने में 15 से 20 मिनट लगेंगे। यही समय सबसे क्रिटिकल होने वाला है। इसके बाद विक्रम लैंडर से रैंप के जरिए छह पहियों वाला प्रज्ञान रोवर बाहर आएगा और इसरो से कमांड मिलते ही चांद की सतह पर चलेगा। इस दौरान इसके पहिए चांद की मिट्टी पर भारत के राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ और इसरो के लोगो की छाप छोड़ेंगे।

लैंडर ने चंद्रमा की तस्वीरें खींची

इससे पहले 17 अगस्त को चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर-रोवर से अलग किया गया था। सेपरेशन के बाद लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा- थैंक्स फॉर द राइड मेट।% इस दौरान लैंडर पर लगे कैमरे ने प्रोपल्शन मॉड्यूल की फोटो के साथ चंद्रमा की भी तस्वीरें खींचीं।

4 जरूरी सवालों के जवाब...

डीबूस्टिंग कैसे पूरी हुई: चंद्रयान के लैंडर के चार पैरों के पास लगे 800 न्यूटन शक्ति के 1-1 थ्रस्टर की बदौलत ये संभव हुआ। दो-दो थ्रस्टर 2 चरणों में काम आए। लैंडिंग में कितनी मुश्किलें: 25 किमी की ऊंचाई से लैंडिंग प्रोसेस शुरू होगी। लैंडर की रफ्तार 1680 मीटर प्रति सेकेंड से 2 मीटर प्रति सेकेंड पर लानी होगी। 23 अगस्त को ही लैंडिंग क्यों: लैंडर-रोवर दोनों ही पावर जेनरेट करने के लिए सोलर पैनल यूज करेंगे। अभी चंद्रमा पर रात है और 23 तारीख को सूर्योदय होगा। चंद्रयान-3 क्या काम करेगा: प्रोपल्शन मॉड्यूल धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा। लैंडर-रोवर सतह पर पानी की खोज सहित अन्य प्रयोग करेंगे।

5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था यान

22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7:15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब उसकी स्पीड कम की गई थी, ताकि यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1,835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7:12 बजे शुरू की गई थी।

चंद्रयान ने चांद की तस्वीरें कैप्चर कीं

चंद्रयान ने जब पहली बार चंद्रमा की कक्षा में एंट्री की थी तो उसकी ऑर्बिट 164 केएम × 18,074 केएम थी। ऑर्बिट में प्रवेश करते समय उसके ऑनबोर्ड कैमरों ने चांद की तस्वीरें भी कैप्चर की थीं। इसरो ने अपनी वेबसाइट पर इसका एक वीडियो बनाकर शेयर किया।

थ्रस्टर तब फायर किए जब ऑर्बिट में चंद्रमा के सबसे करीब था चंद्रयान

इसरो ने बताया था कि पेरिल्यून में रेट्रो-बर्निंग का कमांड मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स बेंगलुरु से दिया गया था। पेरिल्यून यानी वह पॉइंट जिस पर चंद्र कक्षा में एक यान चंद्रमा के सबसे करीब होता है। रेट्रो-बर्निंग यान के थ्रस्टर को अपोजिट डायरेक्शन में फायर करने को कहा जाता है। यान की स्पीड धीमी करने के लिए अपोजिट डायरेक्शन में थ्रस्टर फायर किए जाते हैं।

इस मिशन से भारत को क्या हासिल होगा

इसरो के एक्स साइंटिस्ट मनीष पुरोहित कहते हैं कि इस मिशन के जरिए भारत दुनिया को बताना चाहता है कि उसके पास चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने और रोवर को वहां चलाने की काबिलियत है। इससे दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ेगा जो कॉमर्शियल बिजनेस बढ़ाने में मदद करेगा। भारत ने अपने हेवी लिफ्ट लॉन्च व्हीकल से चंद्रयान को लॉन्च किया है। इस व्हीकल की काबिलियत भारत पहले ही दुनिया को दिखा चुका है। बीते दिनों अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन ने इसरो के रॉकेट के इस्तेमाल में अपना इंटरेस्ट दिखाया था। ब्लू ओरिजिन का इस्तेमाल कॉमर्शियल और टूरिज्म पर्पज के लिए करना चाहता है। के जरिए ब्लू ओरिजिन अपने क्रू कैप्सूल को प्लान्ड लो अर्थ ऑर्बिट स्पेस स्टेशन तक ले जाएगा।

साउथ पोल पर ही मिशन क्यों भेजा गया

चंद्रमा के पोलर रीजन दूसरे रीजन्स से काफी अलग हैं। यहां कई हिस्से ऐसे हैं जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती और तापमान -200 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक चला जाता है। ऐसे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यहां बर्फ के फॉर्म में अभी भी पानी मौजूद हो सकता है। भारत के 2008 के चंद्रयान-1 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी का संकेत दिया था।

भारतीयों को अगले 2 महीने में चिप वाले ई-पासपोर्ट मिलेंगे

इनमें 41 एडवांस फीचर होंगे; 140 देशों में इमिग्रेशन प्रक्रिया जल्दी होगी

नई दिल्ली।
देश के आम नागरिक को पहला ई-पासपोर्ट अगले दो महीने में मिल सकता है। चिप वाले इन पासपोर्ट के सभी तकनीकी परीक्षण लगभग पूरे हो चुके हैं। इंडियन सिक्योरिटी प्रेस नासिक में पहले साल 70 लाख ई-पासपोर्ट की ब्लैंक बुकलेट छप रही हैं। इस प्रेस को 4.5 करोड़ चिप पासपोर्ट छापने का ऑर्डर मिला है।

41 एडवांस फीचर वाले नए पासपोर्ट से इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के मानकों वाले 140 देशों के हवाई अड्डों पर इमिग्रेशन प्रक्रिया मिनटों में पूरी होगी। देखने में ये वर्तमान पासपोर्ट बुकलेट जैसे ही होंगे। सिर्फ बुकलेट के बीच के किसी एक पेज पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन चिप और आखिर में छोटा फोल्डेबल एंटीना रहेगा। चिप में हमारी बायोमीट्रिक डिटेल और वो सब बातें होंगी, जो बुकलेट में पहले से हैं। पासपोर्ट सर्विस प्रोग्राम 2.0 (पीएसपी) नामक यह योजना अभी लॉन्च होनी है। चिप वाले पासपोर्ट के लिए केंद्रों पर भीड़ न हो, इसलिए योजना चरणबद्ध तरीके से लागू होगी। इसके लिए पासपोर्ट सेंटर्स तकनीकी रूप से अपग्रेड किए जा रहे हैं।

फायदा: हमशक्ल पकड़ लेगा सिस्टम

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, ई-पासपोर्ट के लिए एयरपोर्ट पर आधुनिक बायोमीट्रिक सिस्टम लगेंगे। इनमें पासपोर्ट में स्टोर फेशियल इमेज और इमिग्रेशन के दौरान लाइव इमेज का सेकंड में मिलान हो जाएगा। यदि कोई हमशक्ल बनकर आया है तो उसे सिस्टम तुरंत पकड़ लेगा। अभी बुकलेट पासपोर्ट में पुरानी फोटो और लाइव इमेज का कई बार मिलान नहीं हो पाता है।

विदेशी चिप रीडर से पासपोर्ट की टेस्टिंग जारी

पासपोर्ट बुकलेट में दर्ज सूचनाओं और चिप की जानकारियों को आईसीएओ के आधार पर ढाला गया है।

रघुराम राजन बोले- भारत में फोन सिर्फ असेंबल हो रहे

रेल मंत्री वैष्णव का जवाब- अर्थशास्त्री नेता बनकर अपना इकोनॉमिक सेंस भूल जाते हैं

नई दिल्ली।
रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जब अच्छे अर्थशास्त्री नेता बनते हैं तो अपना इकोनॉमिक सेंस भूल जाते हैं। रघुराम राजन नेता बन गए हैं। अब उन्हें खुलकर सामने आना चाहिए, चुनाव लड़ना चाहिए, चुनाव कराना चाहिए और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। रघुराम राजन ने कहा था कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत भारत में मोबाइल फोन नहीं बनाए जा रहे, उन्हें बस असेंबल किया जा रहा है। राजन के इसी बयान पर वैष्णव से सवाल पूछा गया था, जिसके जवाब में उन्होंने ये बातें कहीं।

राजन किसी और की तरफ से शैडो बॉक्सिंग कर रहे

वैष्णव ने कहा- राजन किसी और की तरफ से शैडो बॉक्सिंग कर रहे हैं। ये अच्छी बात नहीं है। शैडो बॉक्सिंग में हवा में पंच मारे जाते हैं। इसमें लड़ने के लिए कोई विरोधी नहीं होता है। राजन को जब राजनीति करनी है तो खुलकर सामने आना चाहिए। राजन इसी साल जनवरी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे।

सभी देशों ने असेंबलिंग का रास्ता अपनाया

रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा कि हर देश जिसने इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण शुरू किया है, उसने पहले कंप्लीटली नॉक्ड-डाउन , सेमी नॉक्ड-डाउन को लाने और प्रोडक्ट को असेंबल करने का मार्ग अपनाया है। इसके अलावा, सिस्टम के उत्पादन के बाद विभिन्न घटकों का उत्पादन होता है।

मिजोरम में प्याज की कीमत 63 रुपए किलो तक पहुंची : कीमतें कंट्रोल करने के लिए सरकार ने प्याज एक्सपोर्ट पर लगाई 40प्रतिशत ड्यूटी

नई दिल्ली।
देश में प्याज की कीमतों को काबू में रखने के लिए केंद्र सरकार ने एक्सपोर्ट पर 31 दिसंबर तक 40प्रतिशत ड्यूटी लगा दी है। अभी तक इसके एक्सपोर्ट पर कोई टैक्स नहीं वसूला जाता था। सरकार इस कदम से देश में प्याज की अवेलेबिलिटी को बनाए रखना चाहती है और इससे कीमतें भी नियंत्रण में रहेंगी। वित्त मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी। कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, प्याज की ऑल इंडिया ऐवरेज रिटेल प्राइस को 30.72 रुपए प्रति किली थी। अधिकतम कीमत मिजोरम के चंफई में है जहां 63 रुपए प्रति किलो में प्याज बिक रहा है। न्यूनतम कीमत मध्य प्रदेश के नीमच और बुरहानपुर में है जहां प्याज 10 रुपए प्रति किलो में बिक रहा है। वहीं इस महीने की शुरुआत में यानी 1 अगस्त को प्याज की अधिकतम कीमत नगालैंड के शामाटर में थी। यहां प्याज 75 रुपए प्रति किलो में बिक

रहा था। न्यूनतम कीमत नीमच में थी। यहां 10 रुपए प्रति किलोग्राम में प्याज बिक रहा था। ऑल इंडिया ऐवरेज रिटेल प्राइस 27.27 रुपए थी। दिल्ली में इसकी कीमत 30 रुपए प्रति किलो चल रही थी।

प्याज की कीमत क्यों बढ़ी, दाम कब घटेंगे

क्रिसिल ने इस महीने की शुरुआत में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि सप्लाई घटने से सितंबर की शुरुआत में प्याज 60-70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकता है। फरवरी में महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में रबी की फसल जल्दी पक गई। मार्च में इन इलाकों में बेमौसम बारिश से शेल्फ लाइफ 6 महीने से घटकर 4-5 महीने रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर से प्याज की फसल आनी शुरू हो जाएगी। इससे आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों में नरमी आएगी।

सरकार के पास फिलहाल 3 लाख टन स्टॉक

सरकार ने आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राइस स्टैबलाइजेशन फंड के तहत 3 लाख टन प्याज का स्टॉक बनाए रखा है, ताकि कम सप्लाई वाले मौसम के दौरान बढ़ती कीमतों को रोका जा सके। इसके अलावा सरकार प्याज को ई-ऑक्शन, ई-कॉमर्स के साथ-साथ राज्यों के साथ मिलकर कंज्यूमर को-ऑपरेटिव रिटेल आउटलेट्स के जरिए मार्केट में उतार रही है।

भारत में लैपटॉप-कम्प्यूटर का इंपोर्ट बैन...विदेशी कंपनियां परेशान

एपल-गूगल समेत कई फर्म ने अमेरिकी सरकार से कहा- भारत से बात करें

नई दिल्ली।
एपल, इंटेल, गूगल, लेनोवो, डेल जैसी अन्य ग्लोबल आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने हाल ही में अमेरिकी सरकार से संपर्क किया है। कंपनियों ने यूएस सरकार को भारतीय प्रशासन से लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर, अल्ट्रा-स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर और सर्वर जैसे सामान के इंपोर्ट पर कुछ दिनों पहले लगाए गए बैन पर फिर से विचार करने को कहने के लिए कहा है।

कंपनियों ने कहा- भारत सरकार अपने आदेश पर पुनर्विचार करे

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईटी कंपनियों ने यूएस सरकार से भारत सरकार को अपने आदेश पर पुनर्विचार करने की बात कहने के लिए हर अवेलेबल फोरम का यूज करने को कहा है।

1 नवंबर से लागू होगी लैपटॉप-टैबलेट जैसे सामानों के इंपोर्ट पर रोक इस महीने की शुरुआत में भारत सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कम्प्यूटर जैसे सामान के इंपोर्ट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी थी। इसमें कहा गया था कि रिस्ट्रिक्टेड इंपोर्ट्स के लिए वैलिड लाइसेंस के तहत इंपोर्ट की परमिशन दी जाएगी। इस फैसले पर कई कंपनियों ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद सरकार को इन प्रतिबंधों को लागू करने में तीन महीने की देरी करके 1 नवंबर तक ले जाना पड़ा है।

15 अगस्त को आठ यूएस बेस्ड ट्रेड बॉडीज ने सरकार को लिखा लेटर

रिपोर्ट के मुताबिक, 15 अगस्त को कंज्यूमर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन और यूनाइटेड स्टेट्स काउंसिल फॉर इंटरनेशनल बिजनेस समेत आठ यूएस बेस्ड ट्रेड बॉडीज ने अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव और यूएस सेक्रेटरी ऑफ कॉमर्स को लेटर लिखा था। जिसमें इन बॉडीज ने यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव और सेक्रेटरी ऑफ कॉमर्स को भारत से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की बात कहने के लिए कहा है। ट्रेड बॉडीज ने कहा कि भारत सरकार के लाइसेंसिंग मेजर्स को अपनाने से ट्रेड और सप्लाई चेन पार्टनर के रूप में इंडिया की विश्वसनीयता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

कंपनियों ने कहा कि हालिया प्रतिबंधों ने दोनों देशों के बीच बायलेटरल इकोनॉमिक रिलेशनशिप को गहरा करने के साझा उद्देश्य को कमजोर कर दिया है।

भारत सरकार ने अपनी ओर से अपने इस फैसले का बचाव किया

भारत सरकार ने अपनी ओर से अपने फैसले का बचाव किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि यह कदम लाइसेंस राज लागू करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय टेक इको-सिस्टम सिर्फ ट्रस्टेड पार्ट्स का यूज करे। इसके अलावा इंपोर्ट पर भारत की निर्भरता कम हो जाती है और डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलता है।

इसे इंपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम कहा जाना चाहिए: इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री

चंद्रशेखर ने हाल ही में कहा था, हम अपनी इकोनॉमी का डिजिटाइजेशन बढ़ा रहे हैं। हम निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि डिजिटल इकोनॉमी में जाने वाले हार्डवेयर एलिमेंट्स की निगरानी की जाए और वे विश्वसनीय सोर्स से आएं। हालांकि, इसे प्रतिबंध या लाइसेंसिंग नहीं कहा जाना चाहिए था। इसे इंपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम कहा जाना चाहिए था। इससे पहले चंद्रशेखर ने (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर कहा था कि इस कदम के पीछे का उद्देश्य विश्वसनीय हार्डवेयर और सिस्टम सुनिश्चित करना, आयात निर्भरता को कम करना और इस कैटेगरी के प्रोडक्ट्स की डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाना है। 3-4 दिनों के भीतर जारी कर देगा इंपोर्ट लाइसेंस डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने एक पोर्टल तैयार किया है। इसके जरिए कंपनियां और ट्रेडर्स लाइसेंस प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इंपोर्ट पर रिस्ट्रिक्शन से लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा

किसी प्रोडक्ट के इंपोर्ट पर रिस्ट्रिक्शन लगाने का मतलब है कि विदेशों से उन प्रोडक्ट्स को लाने के लिए लाइसेंस या सरकार की अनुमति जरूरी होगी। इससे सरकार के मेक इन इंडिया प्रोग्राम और लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस फैसले से लोकल मैन्युफैक्चरर्स और ऐसी विदेशी कंपनियों को फायदा होगा, जो देश में लगातार प्रोडक्शन कर रहे हैं, लोकल सप्लाई को बढ़ावा दे रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने नोटिफिकेशन में कहा था, 8741 के तहत आने वाले लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कम्प्यूटर और अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कम्प्यूटर और सर्वर का इंपोर्ट प्रतिबंधित होगा।

डेजी शाह बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल

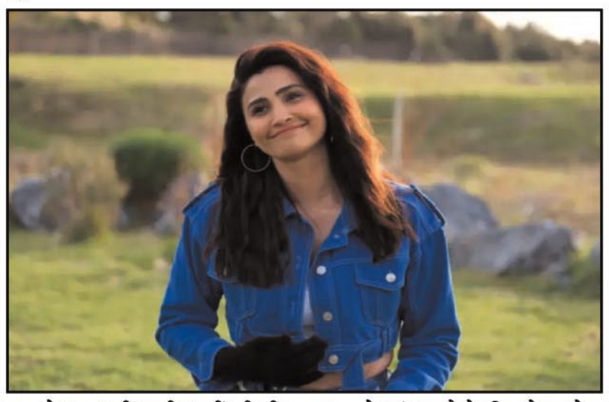

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री डेजी शाह रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतिभागी हैं। रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में प्रतिभागी डेजी शाह को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म जय हो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री को बुधवार को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया। अभिनेत्री ने शो खतरों के खिलाड़ी में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था। शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं।

रजनीकांत का फिर उमड़ा भाजपा प्रेम, मोदी-शाह को बता चुके हैं अर्जुन-कृष्ण की जोड़ी

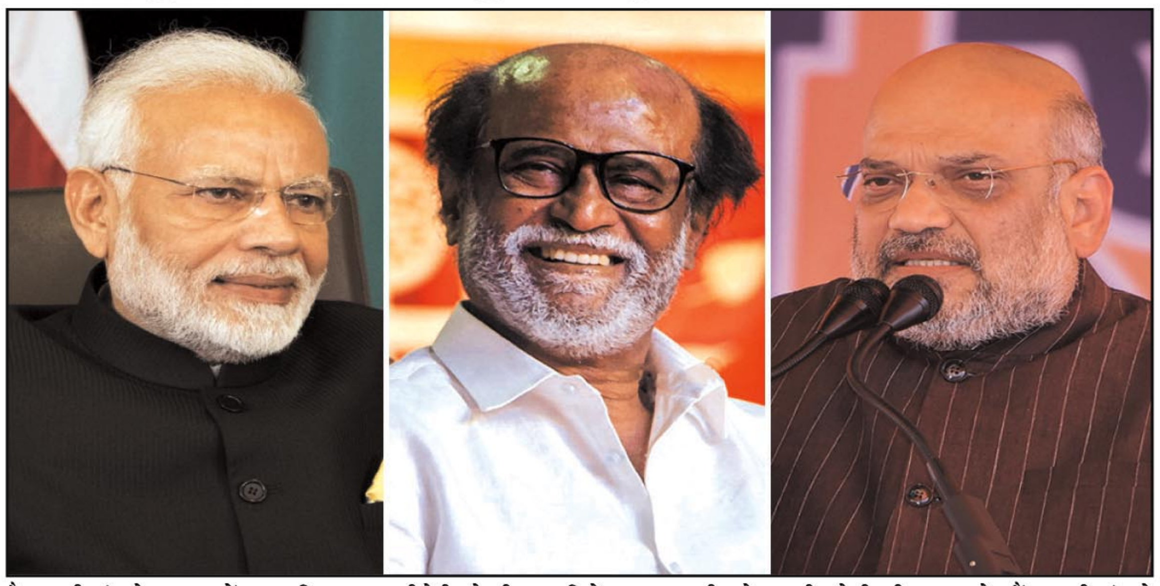

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुपरस्टार रजनीकांत का इन दिनों भाजपा प्रेम खूब उमड़कर सामने आ रहा हैं। पीएम मोदी व अमित शाह को पहले ही वह अर्जुन- कृष्ण की जोड़ी बता चुके हैं, वहीं अभी हाल ही में उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के पांव छूकर आशीर्वाद लिया। बताया जा रहा है कि वह अपनी नई फिल्म जेलर के प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊ आए थे। वह सीएम योगी के साथ अपनी इस फिल्म को देखना चाहते थे, लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तता के कारण यह संभव नहीं हो पाया। आपको बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब उन्होंने बीजेपी या पार्टी के नेताओं को लेकर अपने प्रेम का उजागर किया है। कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाने की घोषणा करने पर रजनीकांत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की खूब प्रशंसा की थी। उन्होंने हाल ही में नई संसद भवन में सेंगोल की स्थापना पर भी पीएम मोदी की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया था। उस समय तमिल सुपरस्टार रजनीकांत ने ट्वीट करते हुए कहा था कि तमिल शक्ति का पारंपरिक प्रतीक- सेंगोल, जो अब नई संसद में चमकेगा। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तहे दिल से शुक्रिया करता हूं जिन्होंने तमिलों को गौरवान्वित किया है। रजनीकांत ने 2021 में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले इस घोषणा करते हुए कहा था कि वह आध्यात्मिक राजनीति करेंगे। इसी ऐलान के बाद से उन्हें भाजपा के सहयोगी के रूप में लोग जानने लगे थे। जानकार बता रहे हैं कि रजनीकांत का साथ मिलने से बीजेपी को भी लाभ मिलेगा। भाजपा डीएमके और एआईडीएमके के प्रभुत्व वाले राज्य में पैर जमाने के लिए संघर्ष कर रही है। लोकसभा चुनाव को भी ध्यान में रखते हुए बीजेपी दक्षिणी राज्यों में विस्तार करना चाहती है। इतना ही नहीं, रजनीकांत मोदी-शाह की जोड़ी को अर्जुन-कृष्ण की जोड़ी भी बता चुके हैं। रजनीकांत ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने पर संसद में दिए गए भाषण के लिए अमित शाह की प्रशंसा करते हुए उनकी खूब सराहना की थी। जबकि तमिलनाडु में रजनीकांत को लोग भगवान की तरह मानते हैं।

साक्षी सुहागन में अंशुला की जगह लेने को तैयार

-दो बहनों की कहानी पर आधारित है शो

मुंबई (ईएमएस)। रोमांटिक ड्रामा सहागन में अंशुला धवन की जगह पायल के रूप में एंट्री करने के लिए एक्ट्रेस साक्षी शर्मा तैयार हैं। शो ने 10 साल का लीप लिया और उनके प्यार और दुश्मनी के सफर को आगे बढ़ाया। सुहागन दो बहनों बिंदिया और पायल की कहानी है। शो के बारे में बात करते हुए साक्षी ने कहा, कलर्स के लोकप्रिय शो सुहागन में एक बार फिर से काम करने का मौका पाकर मैं बेहद उत्साहित हूं। इस शो ने दर्शकों से अपार प्यार और समर्थन अर्जित किया है और मैं पायल की भूमिका निभाकर बेहद खुश हूं। यह पहली बार है जब मैं पूर्ण रुप से मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आऊंगी, जो अपने प्यार कृष्णा को पाने के लिए बहन बिंदिया से नफरत करती है। उन्होंने कहा, पायल का किरदार उतार-चढ़ाव और चुनौतियों से भरा है और यही बात मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे पायल के रूप में पसंद करेंगे और शो को समर्थन देंगे। अपनी मनोरंजक कहानी के साथ, सुहागन में बिंदिया की कृष्णा के साथ शादी हो जाती है, जो उसकी बहन का प्यार है। फिलहाल कहानी में, भारी बारिश के बीच कृष्णा और बिंदिया की कार खराब हो जाती है और वे वापस जाकर बिंदिया के घर पर रुकने का फैसला करते हैं। जैसे ही दोनों के बीच रोमांस होने लगता है, पायल अप्रत्याशित रूप से एंट्री करती है और बीमार होने का नाटक करती है। अगले दिन, पायल कार में कृष्णा के बगल वाली सीट पर बैठती है। यह देख बिंदिया परेशान हो जाती है और पायल को चेतावनी देती हुई कहती है कि यह सीट उसकी है।

दो पत्ती की शूटिंग मुंबई में शुरू

फिल्म दो पत्ती की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। ऑलराउंडर कनिका ढिल्लों बहुत जल्द अपने बैनर कथा पिक्चर्स के तहत निर्माण की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। फिल्म का नाम है दो पत्ती, जिसकी घोषणा हाल ही में हुई थी। फिल्म में काजोल और कृति सेनन अहम रोल में नजर आएंगी। वहीं बता दें कि यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म को शशांक चतुर्वेदी निर्देशित कर रहे हैं। ये फिल्म एक मिस्ट्री-थ्रिलर है। खास बात बता दें कि काजोल और कृति सेनन पूरे 8 साल बाद इस फिल्म में एक साथ काम करेंगे। इससे पहले दोनों 8 साल पहले दिलवाले में साथ में काम कर चुके हैं। बता दें कि कनिका ढिल्लों लेखक, पटकथा लेखक, निमार्ता भी है।

रणबीर के साथ प्रामाणिक पहचान रख सकती हूं : आलिया

- एक्ट्रेस ने आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने कहा कि उनके पति रणबीर कपूर उनके लिए खुशी की जगह हैं, क्योंकि वह उनके साथ अपनी सबसे सच्ची, सबसे प्रामाणिक पहचान रख सकती हैं। इंस्टाग्राम पर आलिया ने आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया। आलिया ने बताया कि वह कैसे काम कर रही हैं और मां की जिम्मेदारियां निभा रही हैं, आलोचना से कैसे निपट रही हैं, शूट ब्रेक के दौरान बेटी की पसंदीदा चीज और रणबीर का खयाल रखती हैं।एक प्रशंसक ने उनसे रणबीर कपूर की सबसे अच्छी बात के बारे में पूछा, जिसके जवाब में आलिया ने रणबीर के साथ अपनी एक अनदेखी तस्वीर साझा की। तस्वीर में रणबीर आलिया को कसकर पकड़ते हुए हैं और उनके सिर पर चुम्बन देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा : वह मेरी खुशी की जगह है, क्योंकि मैं उसके साथ अपना सबसे सच्चा, सबसे प्रामाणिक पहचान कायम रख सकती हूं। आलिया ने यह भी कहा कि रणबीर उनके अब तक के सबसे पसंदीदा फोटोग्राफर हैं। एक यूजर ने पूछा, आपकी बेबी राहा कैसी है? आलिया ने एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा : राहा अब 9 महीने की है और वह पूरी तरह से जॉय है। एक अन्य प्रशंसक ने आलिया से पूछा, एक नई मां के रूप में आप काम और बच्चे को कैसे संभाल रही हैं? अभिनेत्री ने जवाब दिया, पालन-पोषण एक आजीवन भूमिका है। मुझे नहीं लगता कि आपके पास कभी भी सभी उत्तर हो सकते हैं या आप परफेक्ट हो सकते हैं... मैं बस हर दिन को प्यार और केवल प्यार के साथ जीने का प्रयास करती हूं... क्योंकि ऐसी कोई और दूसरी चीज नहीं है। आलोचना से निपटने का एक बढ़िया तरीका क्या है? पूछे जाने पर आलिया ने कहा, रचनात्मक आलोचना आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है... लेकिन जो शब्द आपको चोट पहुंचाने के लिए हैं, वे तभी आपको चोट पहुंचा सकते हैं, अगर आप उन्हें ऐसा करने देते हैं... आप जो हैं, उसे कोई आपसे दूर नहीं कर सकता... एक ऐसा जीवन विकसित करें। इतना प्यार और कृतज्ञता से भरपूर कि विषाक्तता आप तक पहुंच भी नहीं पाएगी। स्टूडेंट ऑफ द ईयर की अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह शूटिंग ब्रेक के दौरान अपने खाली समय में झपकी लेती हैं। उन्होंने हरे रंग की फूलों वाली पोशाक में बिस्तर पर सोते हुए अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की।

बेहद स्टाइलिश दिखीं एंजेलीना ब्लैक

हाल ही में हॉलीवुड की खूबसूरत हसीना एंजेलीना जोली को न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने लुक से सबको इम्प्रेस करती नजर आईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान एंजेलीना ब्लैक लुक में बेहद स्टाइलिश दिखीं। ब्लैक कोट-पैंट के साथ चेहरे पर काला चश्मा लगाए एक्ट्रेस का स्वैग देखते ही बन रहा है। एक हाथ में ब्लैक एंड व्हाइट बैग कैरी किए एंजेलीना कैमरे के सामने जबरदस्त पोज देती नजर आईं। फैंस को एक्ट्रेस का ये लुक काफी पसंद आ रहा है। काम की बात करें तो एंजेलीना जोली को आखिरी बार साल 2021 में फिल्म इंटरनल्स देखा गया था। एंजेलीना जोली हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक जानी-मानी एक्ट्रेस हैं, जो अपने काम से ज्यादा लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस की खूबसूरती के चर्चे अक्सर सोशल मीडिया पर होते रहते हैं।

मीका सिंह ने दोस्त को गिफ्ट किया 4 करोंड़ का फ्लेट

अपने गानों पर सभी को नचाने वाले मीका सिंह इन दिनों दोस्ती की मिसाल बन गए हैं। मीका सिंह ने हाल ही में अपने दोस्त के लिए कुछ ऐसा कर दिखाया है जो शायद ही कोई करेगा। हम बात कर रहें हैं मीका सिंह के बच्चपन के दोस्त की जिसे सिंह ने 4 करोंड़ का फ्लेट गिफ्ट किया। मीका के खास यार कंवलजीत सिंह का हाल ही में बर्थडे था, जिस मौके पर मीका ने उन्हें गिफ्ट में मुंबई और दिल्ली में करोड़ों रुपए के दो बंगले दे दिए। यह जानने के बाद हर कोई मीका की दोस्ती की मिसाल दे रहा है। एक ओर जहां लोग सिंगर की खूब तारीफ कर रहें हैं, वहीं कुछ लोग मीका सिंह के इस गिफ्ट को टैक्स से बचने का प्लान बता रहें हैं। लोग कमेंट कर मीका सिंह बोल रहें हैं कि मिका ने टैक्स से बचने के लिए मस्त प्लान बनाया है। खेर अभी तक मीका सिंह की तरफ से लोगों को उनके कमेंट्स का कोई जवाब नहीं मिला है।

गदर-2 बॉक्स ऑफिस पर उड़ रही गरदा......8 दिन में 300 करोड़

कई बालीवुड फिल्मों को छोड़ा पीछे

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता सन्नी देओल की गदर 2 की धमाकेदार कमाई में हर दिन बॉलीवुड के कुछ नए रिकॉर्ड बना और पुराने रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। पिछले शुक्रवार तूफानी अंदाज में थिएटर्स में पहुंची गदर-2 ने बॉक्स ऑफिस पर जैसे कब्जा जमा लिया है। पहले एक हफ्ते फिल्म ने ऐसी धुआंधार कमाई की है, कि हर दिन इसकी कमाई लोगों को हैरान कर रही है। डायरेक्टर अनिल शर्मा की गदर जब 2001 में रिलीज हुई थी, तब गदर ने लगभग हर पुराने बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। जनता के प्यार ने फिल्म को ऐसी कमाई दिलाई थी जो तब लोगों ने सुनी भी नहीं थी। अब गदर 2 भी कुछ ऐसा ही करने के लिए तैयार दिख रही है। 8वें दिन फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर फिर जंप मिला। इस जंप से न सिर्फ एक बड़ा बॉक्स ऑफिस लैंडमार्क पार हुआ, बल्कि इस स्पीड से पार हुआ कि शायद ही किसी ने सोचा होगा। पहले हफ्ते में ही 284 करोड़ रुपये से थोड़ा ज्यादा कलेक्शन कर चुकी गदर 2, ने दूसरे हफ्ते की शुरूआत भी सॉलिड अंदाज में की। दूसरे शुक्रवार को फिर से फिल्म की कमाई में जंप आया। ट्रेड रिपोर्ट्स का इशारा कहता है कि फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को 20.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अब 8 दिन में फिल्म का कलेक्शन 305 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। सनी देओल के लिए गदर 2 हर दिन और बड़ी फिल्म बनती जा रही है। गदर 2 20.5 करोड़ रुपये के साथ, दूसरे शुक्रवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन गई है। इसके पहले बाहुबली 2 ने अपने दूसरे शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर 19.75 करोड़ रुपये कमाए थे। द कश्मीर फाइल्स का दूसरा शुक्रवार 19.15 करोड़ रुपये और दंगल का 18.26 करोड़ का कलेक्शन लेकर आया था। बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाने वाली इन तीनों फिल्मों को छोड़ते हुए अब गदर 2 दूसरे शुक्रवार सबसे ज्यादा कमाई करने वली हिंदी फिल्म बन चुकी है। गदर 2 ने 300 करोड़ का बॉक्स ऑफिस माइलस्टोन जितनी तेजी से पार किया है, वहां अपने आप में एक कमाल है। सनी की फिल्म अब सबसे तेज 300 करोड़ नेट इंडिया कलेक्शन करने वाली फिल्मों में से एक बन चुकी है। अभी तक शाहरुख खान की पठान सबसे तेज 300 करोड़ कमाने वाली हिंदी फिल्म है। पठान ने सिर्फ 7 दिनों में ये कारनामा किया था। इसके बाद सीधा गदर 2 आती है, जिसने 8 दिन में ये कारनामा कर डाला है। साउथ से आकर हिंदी में राज करने वाली दो सबसे बड़ी फिल्मों बाहुबली 2 और केजीएफ 2 को, 300 करोड़ पार करने में 10 और 11 दिन का समय लगा था। इसके बाद सबसे तेज 300 करोड़ कमाने वाली हिंदी फिल्मों में आमिर खान की दंगल 5वें नंबर पर आती है। इस 300 करोड़ का आंकड़ा पार करने में 13 दिन का समय लगा था। गदर 2 ने 8 ही दिन में बॉलीवुड की टॉप लीग में एंट्री मार ली है। ये इंडस्ट्री में बनी सबसे कमाऊ फिल्मों की लिस्ट में 8वें नंबर आ चुकी है। ऐसा करते हुए गदर 2 ने रणवीर सिंह-दीपिका पादुकोण की पद्मावत और सलमान खान की सुल्तान जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है।

क्लो ने इंस्टाग्राम पर शेयर की तस्वीरें, मची हलचल

हालीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन की बहन और एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन इंस्टाग्राम पर बेटी टू थॉम्पसन के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर आते ही वायरल हो गईं। फैंस इन तस्वीरों पर खूब पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि क्लो रेड एंड व्हाइट फ्लोरल प्रिंट समर ड्रेस में बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। नेक पर चेन और रेड लिपस्टिक से उन्होंने लुक को कंप्लीट किया है। वहीं उनकी बेटी टू भी मैचिंड ड्रेस पहने अपनी मां संग ट्विनिंग करती दिख रही हैं। एक साथ मां-बेटी का अंदाज देखते ही बन रहा है। कई तस्वीरों में क्लो हाथ में जाम का गिलास थाम अपना दिलकश अंदाज दिखा रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की ये तस्वीरें देख उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि क्लो सोशल मीडिया की दुनिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

सूडोकु नवताल- 6528

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6527 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्दजाल - 7275

श	रा	अ	र	क्षा	बं	ध	न	झ	क	श
ना	वै	र	ह	र	म	त	द	हो	ली	त
ग	र	शा	झ	श	शि	हा	र	ल	ल	त्रा
पं	म	द	खी	श	मी	डो	शि	श	रा	क
च	र	द	ष	व	मि	री	श	व	र	ट
मी	ह	प	न	पे	पू	ह	न	शि	रा	ती
शं	र	म	अं	प	स	थ	दी	ल	बिं	त्रि
ब	रा	व	ल	ध	ड़	क	पा	कां	ज	दू
ग	ण	गौ	र	जी	ल	ड़ी	व	गो	र	द
र	ल	प	चा	गैं	ब	ल	ली	री	रु	थो
ग	णे	श	च	तु	र्थी	ब	श	त्रु	घ्न	ट

शब्दजाल में 'प्रमुख त्यौहारों' के 10 नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

महाशिवरात्रि, रामनवमी, होली, दीपावली, गणगौर, गणेश चतुर्थी, नागपंचमी, नवरात्रा, रक्षाबंधन, वैशाखी

शब्दजाल - 7274 का हल

अ	ट	र	प	ट	र	धि	क	र	प	इ
न	ग	क	म	इं	डो	ने	ह	ति	म	श्त
अ	दा	आ	ई	र	र	अं	ना	ह	प	फ
हु	ग	ल	मा	ज	क्ष	स	रा	ह	इ	र
ब	क्म	अ	नु	म	ति	क	र	क	त्ते	मा
द	अ	कि	र	क	दा	क	नि	र्दे	श	न
स	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ग
आ	दे	श	र	न	प	य	रा	घु	ग	ला
अ	दि	ल	वा	ले	दा	र	जा	म	वी	दे
र	ज	ति	मा	हि	द	ह	ज	द	ल	र
बां	र	ल	प	रु	इ	जा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6228

7		3			2	
	31		31		28	2
4		1		3		
5	28	6	31		39	3
		4			7	
3	29		32	7	40	5
	3	2	4		7	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6227 का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	27	7	32	4	34	2
4	2	1	6	3	5	7
5	28	6	31	6	39	3
1	5	4	3	2	7	6
3	33	5	31	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान आज: पंड्या की जगह बुमराह बन सकते हैं उप कप्तान

नई दिल्ली ।
एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान आज हो सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेंस सीनियर सिलेक्शन कमेटी की मीटिंग सोमवार को नई दिल्ली में होगी। जो शुरुआती चर्चाएं सामने आई हैं, उनकी मानें तो हार्दिक पंड्या की जगह जसप्रीत बुमराह को टीम का उप कप्तान बनाया जा सकता है। चीफ सिलेक्टर अजित आगरकर के नेतृत्व में होने वाली इस मीटिंग में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच राहुल द्रविड शामिल होंगे। चयनकर्ता एसएस दास वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मीटिंग से जुड़ेंगे, क्योंकि अभी वो टीम के साथ आयरलैंड दौरे पर हैं।

बुमराह का दावा क्यों मजबूत

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी से कहा- अगर आप नेतृत्व के मामले में अनुभव को देखेंगे तो बुमराह, हार्दिक पंड्या से आगे हैं। उन्होंने 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। वह दक्षिण अफ्रीका के वनडे दौरे के दौरान पंड्या से पहले वनडे टीम के उप कप्तान भी रह चुके हैं। अगर आप एशिया कप और वर्ल्ड कप दोनों के लिए बुमराह को वनडे में उप कप्तान बनते हुए देखें तो कोई हैरानी नहीं होगी। यही कारण है कि उन्हें ऋतुराज गायकवाड की जगह आयरलैंड में कप्तानी सौंपी गई है।

वर्ल्ड कप के लिए टीम पर भी विचार

एशिया कप के बाद अक्टूबर में वर्ल्ड कप खेला जाएगा। इसलिए एशिया कप की टीम का चयन वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनने के लिए 5 सितंबर तक का समय दिया है। सिलेक्टर्स पैनल दोनों टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए 15 खिलाड़ियों को चुनना चाहता है। भारतीय टीम और कुछ स्टैंड-बाय खिलाड़ी एशिया कप के लिए कोलंबो रवाना होने से पहले बेंगलुरु में छह दिन के कैम्प में शामिल होंगे।

राहुल और श्रेयस अय्यर की फिटनेस अहम मुद्दा

केएल राहुल और श्रेयस अय्यर का फिटनेस स्टेटस इस मीटिंग का सबसे अहम मुद्दा होगा, क्योंकि बीसीसीआई को इन दोनों प्लेयर्स के बारे में नेशनल क्रिकेट एकेडमी से अंतिम मंजूरी नहीं मिली है। दोनों खिलाड़ी इस समय बेंगलुरु के एनसीए में है, जहां दोनों 50 ओवर के क्रिकेट के लिए अपनी तैयारी मैच-सिमुलेशन एक्सरसाइज और प्रैक्टिस मैचों में हिस्सा लेकर कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड कप के शेड्यूल में फिर बदलाव के आसार: हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की बीसीसीआई को चिट्ठी, कहा- लगातार दो इंटरनेशनल मैच कराना मुश्किल

नई दिल्ली । हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने वनडे वर्ल्ड कप के शेड्यूल में बदलाव करने के लिए भारतीय

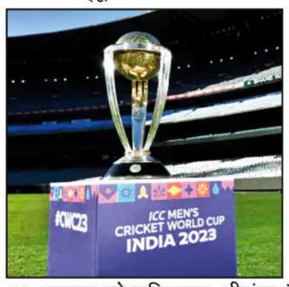

क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को लेटर लिखा है। उप्पल के राजीव गांधी स्टेडियम में 9 अक्टूबर को न्यूजीलैंड-नीदरलैंड मैच होना है, वहीं अगले दिन यानी 10 अक्टूबर को पाकिस्तान-श्रीलंका मैच होना है। सुरक्षा कारणों से पहले भी नौ मैचों का शेड्यूल बदला जा चुका है। 10 अक्टूबर को खेले जाने वाला मैच पहले 12 अक्टूबर को खेला जाना था, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच की तारीख में बदलाव की वजह से हैदराबाद में लगातार दो मैच खेले जाने हैं। एचसीए ने बीसीसीआई को लेटर लिखा है। एसोसिएशन ने 9 और 10 अक्टूबर को खेले जाने वाले दोनों मैचों के बीच के लिए समय की मांग की है। उनका कहना है कि सुरक्षा इंतजामों को ध्यान में रखते हुए तारीख में बदलाव किए जाएं। हैदराबाद पुलिस ने बैक-टु-बैक मैच, खासकर पाकिस्तान मैचों के लिए सुरक्षा प्रदान करने पर चिंता जताई है। हैदराबाद में कुल तीन मैच खेले जाने हैं। पहला मैच पाकिस्तान और नीदलैंड्स के बीच 6 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 9 अक्टूबर को आयोजित होगा। वहीं तीसरा मुकाबला 10 अक्टूबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान और भारत के बीच 14 अक्टूबर को मैच खेला जाना है।

टी-20 इंटरनेशनल में पहली बार यूएई ने न्यूजीलैंड को हराया: कप्तान मोहम्मद वसीम की हाफ सेंचुरी, आसिफ ने बनाए नाबाद 48 रन

दुबई। यूएई क्रिकेट टीम ने बड़ा उलटफेर किया है। टीम ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हरा दिया है। टी-

20 क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। इस जीत से 3 टी-20 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है। कीवियों ने पहला मुकाबला 19 रन से जीता था। सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला 20 अगस्त को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। दुबई में शनिवार को यूएई ने टॉस जीतकर फील्डिंग को चुना और न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 142 रन बनाए। 143 रनों का टारगेट यूएई के बल्लेबाजों ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर हासिल कर लिया। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 29 बॉल पर 189.65 के स्ट्राइक रेट से 55 रन बनाए। उनके बाद आसिफ खान ने नाबाद 48 और वर्तिया अरविंद ने 25 रनों का योगदान दिया।कीवी टीम की ओर से टीम साउदी, मिचेल सेंटनर और काइल जैमिसन को एक-एक विकेट मिला। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की ओर से मार्क चापमैन ने 63 रनों की पारी खेली। उन्होंने करियर का 5वां अर्धशतक जमाया। चापमैन ने अपनी पारी में 3 चौके और 3 छक्के जमाए। चैड ब्वॉस और जिमी नीशाम ने 21-21 रन का योगदान दिया। यूएई के लिए अयान खान ने तीन विकेट हासिल किए, जबकि मुहम्मद जावद उल्लाह ने 2 सफलताएं हासिल की।

बॉन्ड की जगह मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाजी कोच बनेंगे मलिंगा !

मुंबई । श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा आईपीएल के अगले सत्र में मुंबई इंडियंस के कोच होंगे। एक

रिपोर्ट के अनुसार मलिंगा को न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की जगह जगह टीम का कोच बनाये जाने की संभावना है। एम रिपोर्ट के अनुसार बॉन्ड के करार की समीक्षा होने वाली है। अभी वह आईएलटी20 (अंतरराष्ट्रीय लीग टी20, यूएई) में एमआई एमिरेट्स के मुख्य कोच रहेंगे भी है। यह टीम इस लीग की शुरुआत सत्र में तीसरे स्थान पर रही थी। दूसरी ओर मलिंगा का मुंबई इंडियंस के साथ कार्यकाल अच्छा रहा है। उनके टीम में रहते मुम्बई ने पांच खिताब जीते हैं। इसमें चार आईपीएल 2013, 2015, 2017 और 2019 खिताब के अलावा 2011 में चैंपियंस लीग टी20 जीतना भी शामिल है। वह राजस्थान रॉयल्स के भी कोच रहे हैं। मलिंगा ने मुंबई की ओर से 139 मैच खेलते हुए 7.12 के औसत से 195 विकेट लिए हैं। इनमें से 170 विकेट आईपीएल में आए। वह इस लीग में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी हैं। मलिंगा ने इससे पहले साल 2018 में टीम के मेंटर की भूमिका निभाई थी। वह टीम के मुख्य तेज गेंदबाज भी रहे हैं।

वर्ल्ड कप का मस्कट लॉन्च

महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया; मस्कट वीडियो में कोहली-बुमराह नजर आए

नई दिल्ली ।
आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप का ऑफिशियल मस्कट लॉन्च कर दिया है। मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया है। पुरुष मस्कट के हाथ में बैट और महिला मस्कट के हाथ में बॉल दिखाई गई है। आईसीसी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मस्कट का वीडियो भी शेयर किया, इसमें भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह नजर आए। आईसीसी के मस्कट लॉन्च इवेंट में भारत की अंडर-19 विमेंस टीम की कप्तान शेफाली वर्मा और अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल भी मौजूद रहे। वनडे वर्ल्ड कप भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। पहला मैच पिछले वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

फैंस चुन सकेंगे मस्कट का नाम

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दोनों ही मस्कट के ऑफिशियल नाम तय नहीं किए हैं। नाम तय करने के लिए आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर वोटिंग लिंक दी है, यहां फैंस अपना पसंदीदा नाम चुन सकते हैं। जिस नाम को सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे, उसी नाम को वर्ल्ड कप के मस्कट का ऑफिशियल नाम माना जाएगा। बैटर नाम के 3 ऑप्शन टोंक, ब्लिट्ज और बैश हैं। वहीं बॉलर नाम के 3 ऑप्शन ब्लैज, पायरा और विक्स हैं।

मस्कट वीडियो में 3 पुरुष और एक महिला क्रिकेटर शामिल

आईसीसी ने शाम करीब 6 बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मस्कट का वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम की तेज गेंदबाज एलिस पेरी और भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को बॉलर मस्कट के साथ दिखाया। वहीं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली पाकिस्तान के वहाब रियाज के खिलाफ इनसाइड आउट शॉट खेलते नजर आए। इसी शॉट को मस्कट के एनिमेटेड वर्जन को भी खेलते हुए दिखाया गया। वीडियो इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर के सेलिब्रेशन के साथ खत्म हुआ।

जेंडर इक्वैलिटी दर्शा रहा मस्कट

आईसीसी के इवेंट में भारत की विजेता अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल और महिला टीम की कप्तान शेफाली वर्मा को भी बुलाया गया। दोनों कप्तानों की मौजूदगी में मस्कट लॉन्च हुआ। मस्कट के रूप में पुरुष बल्लेबाज और महिला गेंदबाज हैं, जो स्पोर्ट्स में जेंडर इक्वैलिटी को दर्शा रहे हैं।

वुमन बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी

महिला बॉलर मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए आईसीसी ने बताया, बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी है, जिससे बहुत तेज स्पीड से फायरबॉल निकलती है। बॉलर की तेज रिफ्लेक्स, फ्लेक्सिबिलिटी और स्ट्रेंथ उसे एक सुपरचार्ज्ड तेज गेंदबाज बना रही है। गेंदबाज की कमर पर 6 गेंदें बंधी हैं, जो उसकी अलग-अलग गेम-चेंजिंग टैक्टिक्स को दर्शा रही है। महिला मस्कट किसी भी मैच को अपनी गेंदबाजी से बदलने की क्षमता रखती है।

पुरुष बैटर के पास इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बैट

पुरुष बल्लेबाज मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए आईसीसी ने बताया, मेल कैरेक्टर किसी भी प्रेशर सिचुएशन में कूल रहता है। बैटर का हर शॉट दर्शकों में नई एनर्जी भर सकता है। बैटर के पास इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बैट है, उसके हर शॉट से मैच में नई एनर्जी और एक्साइटमेंट आती है।

मेहुली घोष ने दिलाया ओलिंपिक कोटा

वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीता, टीम इवेंट में गोल्ड भी दिलाया

बाकू।
राइफल शूटर मेहुली घोष ने वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारत को पेरिस ओलिंपिक का दसवां कोटा दिला दिया है। मेहुली ने बाकू में चल रही इस प्रतियोगिता के 10 मीटर विमेंस राइफल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। 22 साल की मेहुली शनिवार को चैंपियनशिप में भारत को दूसरा गोल्ड दिलाने वाली भारतीय महिला टीम का हिस्सा भी रहीं। इस ब्रॉन्ज के साथ चैंपियनशिप की मेडल टैली में भारत की मेडल संख्या चार हो गई है। भारतीय शूटर अब तक दो गोल्ड और दो ब्रॉन्ज हासिल कर चुके हैं।

एक दिन में जीते दो मेडल

मेहुली ने चैंपियनशिप के 5वें दिन डबल मेडल जीते। वे 10 मीटर एयर राइफल की विमेंस में ब्रॉन्ज जीतने के साथ विमेंस टीम इवेंट के गोल्ड मेडलिस्ट टीम का हिस्सा भी रहीं। 10 मीटर विमेंस कैटेगरी के इंडिविजुअल फाइनल में मेहुली ने 229.8 पॉइंट्स हासिल किए। चीन की शूटर जियाऊ हांन (251.4) ने गोल्ड और जिलिन वांग (250.2) ने सिल्वर मेडल जीते हैं। इस इवेंट में एक अन्य भारतीय शूटर तिलोत्तमा सेन चौथे नंबर पर रहीं। 15 साल की तिलोत्तमा ने 208.4 पॉइंट्स स्कोर किया।

विमेंस टीम ने दिलाया गोल्ड

चैंपियनशिप के 10 मीटर विमेंस टीम इवेंट में भारत ने गोल्ड मेडल हासिल किया। यह भारत का दूसरा गोल्ड भी है। इवेंट में मेहुली घोष, तिलोत्तमा सेन और रमिता की तिकड़ी ने पहला स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने 1895.9 स्कोर के साथ गोल्ड, चीन ने 1893.7. अंक लेकर सिल्वर और जर्मनी को ब्रॉन्ज से संतोष करना पड़ा।

महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल का दावा- एशियाड की हॉकी टीम में कई अनफिट खिलाड़ी

नई दिल्ली ।
भारत की दिग्गज हॉकी महिला खिलाड़ी रानी रामपाल ने दावा किया है कि एशियाई खेलों के लिए चुनी गई टीम में कई अनफिट खिलाड़ी शामिल हैं और साथ ही माना कि वह 'रिटायर' होने के 'मूड' में नहीं हैं। हॉकी इंडिया द्वारा जारी संभावित टीम में रानी हांगझोऊ जाने वाली टीम का हिस्सा नहीं हैं जबकि वह टोक्यो ओलंपिक के बाद लगी चोट से वापसी कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में रानी की अगुआई में भारतीय महिला टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ

प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। उन्होंने कहा- मैं राष्ट्रीय खेलों में खेली। मैं शीर्ष स्कोरर रही लेकिन फिर भी मेरे नाम पर विचार नहीं किया गया। इसलिये प्रदर्शन को लेकर कोई मुद्दा नहीं था। मैं जानती हूं कि मैं एशियाई खेलों की टीम में नहीं हूं, टीम में काफी खिलाड़ी हैं जो अनफिट हैं और मैं उनके नाम नहीं लेना चाहती लेकिन फिर भी वे एशियाई खेलों के लिए जा रही हैं। ठीक है, यह कोच की पंसद है लेकिन हॉकी ने मुझे जिंदगी में काफी कुछ दिया है।

प्रगनाननंदा ने सेमीफाइनल में फैबियानो के साथ पहली बाजी ड्रॉ खेली, मैगनस कार्लसन फाइनल के करीब

नई दिल्ली । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनाननंदा ने फिडे विश्व कप शतरंज में मजबूत प्रतिद्वंद्वी अमेरिका के फैबियानो कारुआना के साथ सेमीफाइनल के पहले गेम में अपनी बाजी ड्रॉ खेली। दोनों के बीच इस गेम में 78 चालें खेली गईं। काले मोहरों से खेली गई बाजी बराबरी पर रहने के बाद सत्रह साल के भारतीय खिलाड़ी के पास अब रविवार को सफेद मोहरों के साथ लाभ की स्थिति रहेगी। भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद के बाद विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय प्रगनाननंदा ने 2024 में कैंडिडेट्स स्पर्धा में जगह बना चुके हैं, जिससे विश्व चैंपियन डिंग लिरेन का चैलेंजर तय होगा। इस बीच दुनिया के नंबर एक मैगनस कार्लसन ने स्थानीय निजत अबासोव को पहले गेम में हराकर दो गेमों की क्लासिकल सीरीज के फाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ाया है।

नीरज को 90 मीटर जेवलिन थ्रो करने का भरोसा: बोले- मौसम का साथ मिला तो वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हासिल कर लेंगे टारगेट

नई दिल्ली ।
टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह 90 मीटर थ्रो फेंकने के करीब है। अगर मौसम का साथ मिला तो वह इस लक्ष्य को भी हासिल कर लेंगे। वे स्टॉकहोम में डायमंड लीग प्रतियोगिता में 89.94 मीटर थ्रो कर चुके हैं। नीरज अभी हंगरी के बुडापोस्ट में चल रहे वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए गए हैं। नीरज पिछले साल इस टूर्नामेंट में देश के लिए सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। नीरज से इस बार फैन्स को उम्मीद है कि वह गोल्ड जीतने में कामयाब होंगे। नीरज अब ओलिंपिक गेम्स, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। वे केवल वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी गोल्ड नहीं जीत पाए हैं। नीरज 25 अगस्त को वर्ल्ड चैंपियनशिप में उतरेंगे। नीरज ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने से पहले जियो सिनेमा से बातचीत की। अब बड़े प्रतियोगिताओं के दबाव झेलने का आदी हो चुका हूं उन्होंने कहा कि वह टारगेट पाने के करीब हैं और मौसम ने साथ दिया तो यह लक्ष्य भी हासिल करने में सफल रहूंगा। मैं हमेशा अपना शत-प्रतिशत देने का प्रयास करता हूं।

बड़ी प्रतियोगिताओं से पहले कुछ चीजें मुझ पर हावी हो जाती थीं, पर धीरे-धीरे इसकी आदत पड़ गई है। हालांकि, जब मैं दो या चार साल में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेता हूं तो निश्चित तौर पर जिम्मेदारी होती है। बड़े प्रतियोगिताओं में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है नीरज ने कहा कि मैं अपने प्रैक्टिस और प्रदर्शन से खुश हूं। मैंने इस साल के शुरुआत में चोटिल होने की वजह से कई प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सका। लेकिन मैंन लुसाने डायमंड लीग में वापसी की जहां मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा। इसके बाद से सब कुछ अच्छा हो रहा है तथा मैं अपने प्रदर्शन और अभ्यास से खुश हूं। अब मुझे केवल अपने आप को मानसिक रूप से तैयार करना है। मेरी कोशिश है कि वर्ल्ड चैम्पियनशिप में अपना बेस्ट दूं।

लियोनल मेसी ने अमेरिका में जीती पहली ट्रॉफी

डेविड बेकहम की टीम इंटर मियामी ने लीग कप पर किया कब्जा

नई दिल्ली ।
दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में एक अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने अमेरिका में भी धमाल मचा दिया। उन्होंने अमेरिकी क्लब इंटर मियामी को पहली बार लीग कप में चैंपियन बना दिया। मेसी की कप्तानी में टीम ने लगातार सातवें मैच में जीत हासिल की। उसने लीग कप के फाइनल में नैशविले को हरा दिया।

निर्धारित समय तक 1-1 की बराबरी के बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। वहां इंटर मियामी ने 10-9 से जीत हासिल की। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज डेविड बेकहम इंटर मियामी के मालिक हैं।

मेसी ने इंटर मियामी के लिए सात मैच में 10वां गोल किया। उन्होंने पहले हाफ में ही टीम को बढ़त दिला दी। मेसी ने 23वें मिनट में नैशविले के कई खिलाड़ियों को छकाते हुए बॉक्स के बाहर से डायरेक्ट गोल कर दिया। दूसरे हाफ में नैशविले की टीम ने वापसी की

और 57वें मिनट में फाफा पिकॉल्ट के गोल से मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें दूसरा गोल नहीं कर सकीं।

पेनल्टी शूटआउट का रोमांच

पेनल्टी शूटआउट काफी लंबा चला। दोनों टीमों को 11-11 शॉट लेने पड़े। नैशविले के लिए रैंडल लील दूसरा शॉट लेने से चूक गए। वहीं, इंटर मियामी के लिए विक्टर उलुआ पांचवें शॉट में चूके। उसके लिए 11वां शॉट गोलकीपर ड्रेक कैलेंडर ने लिया और उन्होंने गेंद को गोलपोस्ट में भेज दिया। इसके बाद नैशविले के लिए 11वां शॉट लेने के लिए उसके गोलकीपर इलियट पैनिको आए। इस बार ड्रेक ने विपक्षी टीम के गोलकीपर के शॉट को रोकर इंटर मियामी को चैंपियन बना दिया।

मेसी को मिले दो अवॉर्ड

मेसी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात मैच में 10 गोल किए। मेसी को दो अवॉर्ड मिले। उन्हें टूर्नामेंट का बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड और लीग कप टॉप स्कोरर का अवॉर्ड भी मिला। वहीं, इंटर मियामी के ड्रेक कैलेंडर को बेस्ट गोलकीपर का अवॉर्ड मिला।

मेसी ने दिखाई उदारता

मेसी ने सिर्फ मैच में अच्छा प्रदर्शन ही नहीं किया बल्कि अपने खास अंदाज से फैंस का दिल भी जीत लिया। चैंपियन बनने के बाद ट्रॉफी उठाने के समय उन्होंने उदारता दिखाई और उनके आने से पहले इंटर मियामी के कप्तान रहे येडलिन को ट्रॉफी उठाने के लिए बुलाया। इसके बाद दोनों ने मिलकर ट्रॉफी उठाई।

मेसी के करियर का 44वां खिताब

मेसी ने अपने फुटबॉल करियर में 44वां खिताब जीत लिया। वह सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाले फुटबॉल खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस मामले में अपने दोस्त और बार्सिलोना के पूर्व साथी दानी अल्वेस को पीछे छोड़ा। ब्राजील के अल्वेस ने अपने करियर में 43 खिताब जीते थे। फिलहाल वह विवादों में हैं और दुष्कर्म मामले में जेल में बंद हैं। मेसी की बात करें तो उन्होंने स्पेन के क्लब बार्सिलोना के साथ 35, अर्जेंटीना के लिए पांच, फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के लिए तीन और अमेरिका के क्लब इंटर मियामी के लिए एक ट्रॉफी जीता है।

यहां होती है चमगादडों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई (रामपुर रत्नाकर) गांव में चमगादडों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। सरसई पंचायत के सरपंच और प्रदेश सरपंच संघ के अध्यक्ष आईएएनएस को बताते हैं कि गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं।

बीमारियों का खतरा कम करता है अखरोट

अखरोट में जितनी कैलोरी होने की बात कही है, असल में, अखरोट में उससे 21 फीसदी कम कैलोरी होती हैं। अखरोट खाने के कई फायदों को भी बता सकते हैं जिनमें कैंसर, हृदय और कुछ अन्य बीमारियों के खतरे को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से लोगों की कैलोरी संबंधित चिंताओं को कम करने में मदद मिल सकती है और वे अपनी रोज की खुराक में इसे शामिल कर सकते हैं।

प्राकृतिक गुणों से भरपूर अनानास

अनानास सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, फाइबर तथा विटामिन सी भरपूर मात्रा पाया जाता है और फैट बहुत कम होता है। गर्भावस्था में होने वाली मॉर्निंग सिकनेस की समस्या को कम करने में अनानास आपकी मदद कर सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए खाली पेट अनानास को सेवन करना चाहिए। इसमें ब्रोमिलेन नामक तत्व सर्दी, खांसी, सूजन, गले में खराश और गठिया में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

अनानास के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इससे किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा कम हो जाता है।

हड्डियां को बनाए मजबूत

इसमें मैग्नीशियम बहुत प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत और शरीर में एनर्जी को बनाएं रखने में मदद करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

हर रोज अनानास खाने से बढ़ती उम्र के साथ कम होती आंखों की रोशनी का खतरा कम हो जाता है।

दिल की बीमारियों से बचाव

यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। जिससे दिल की बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है।

कैंसर की रोकथाम

इसका एंटीऑक्सीडेंट आपको हृदय रोग, गठिया, विभिन्न तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

कैविटी से रखे दूर

यह मुंह के किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। जिससे दांतों में कैविटी की समस्या नहीं होती है।

उच्च रक्तचाप

अगर आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो अनानास आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैं। इसमें पोटेशियम की उच्च मात्रा और सोडियम की कम मात्रा रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती हैं।

ठंडी-ठंडी चिकित्सा पद्धति है क्रायोथेरेपी

क्रायोथेरेपी चिकित्सा की ऐसी पद्धति है जिसमें बर्फ के टुकड़े या ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द का उपचार किया जाता है। इसका प्रयोग सबसे अधिक स्पोर्ट्स गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट के उपचार के लिए किया जाता है।

इसके अलावा क्रायोथेरेपी का प्रयोग प्रोस्टेट कैंसर और अनियंत्रित कोशिकाओं पर नियंत्रण पाने के लिए भी किया जाता है। क्रायोथेरेपी से शरीर के उस स्थान के बढ़े हुए तापमान को कम करता है, रक्त संचार की गति को बढ़ाता है, यह तंत्रिकाओं के वेग को भी कम कर देता है जिसके कारण दर्द को काबू में आ जाता है। इस लेख में विस्तार से जानिए इसका प्रयोग कैसे होता है और इसके विभिन्न तरीके क्या-क्या हैं।

कब प्रयोग करें

- चोट के कारण होने वाले वाले तेज दर्द को कम करने के लिए
- सूजन को कम करने के लिए
- शरीर के कोमल (tenderness) क्षेत्रों के उपचार के लिए
- मांसपेशियों में खिंचाव या ऐंठन होने पर
- कुछ भड़काऊ स्थितियों (bursitis, tenosynovitis, tendinitis) में।
- अधिक दबाव के कारण होने वाले दर्द में
- डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने पर

कब प्रयोग न करें

- खुले घावों में इसका प्रयोग न करें
- उच्च रक्तचाप होने पर
- हृदय रोगों में
- त्वचा संक्रमण होने पर
- सनसनी होने पर
- शीत पित्ती (Cold Urticaria) में।

कोल्ड पैक्स

इस तरह का उपचार बर्फ के टुकड़े को तौलिये में या फिर आइस पैकेट में रखकर किया जाता है। यह शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द या फिर ऐंठन की समस्या को दूर करता है।

कोल्ड व्हर्लपूल मेथॉड

क्रायोथेरेपी से उपचार के इस तरीके में किसी टब में पानी भरकर उसे ठंडा कर दिया जाता है, फिर शरीर के जिस हिस्से का उपचार होना होता है उसे टब में डालकर शरीर के हिस्से को हिलाया जाता है। पैरों की समस्याओं के उपचार के लिए यह तरीका अधिक प्रयोग किया जाता है।

आइस इमर्सन

इस तरीके का प्रयोग एथलीटों या फिर स्पोर्ट्स गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों के लिए किया जाता है। इस तकनीक में पूरे टब में बर्फ के टुकड़े डाले जाते हैं उसके बाद मरीज को उस टब में घुसाया जाता है।

क्रायोथेरेपी यानी आइस थेरेपी दर्द की समस्या से निजात दिलाने वाला बहुत ही सामान्य और अच्छा तरीका है जिसका प्रयोग हर कोई आसानी से कर सकता है।

आइस मसाज

इस तरीके में बर्फ के टुकड़े को सीधे तौर पर चोट वाली जगह पर लगाया जाता है। दर्द को दूर करने के लिए यह बहुत ही सामान्य और असरदार तरीका है।

कीटनाशकों के प्रयोग से फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस एक प्रकार का कीड़ा होता है जिसका वायरस यदि शरीर में प्रवेश कर जाएं तो उल्टियां होती हैं। हालांकि यह किसी भी मौसम में हो सकता है। इस संक्रामक वायरस के कारण गंभीर उल्टी और दस्त की समस्या होती है। कुछ अध्ययनो से पता चला है कि ये वायरस कीटनाशकों की वजह से फैल सकता है, तो चलिये जानें कि

नोरोवायरस क्या है, इसके जोखिम क्या हैं और यह किस प्रकार फैल सकता है। यह वायरस बेहद तेजी से फैलता है और इससे संक्रमित होने पर फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं जिनमें पेट दर्द तथा उल्टी भी शामिल होते हैं।

कैसे फैलता है नोरोवायरस

किसानों द्वारा कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए प्रयोग किए जाने वाला गंदा पानी नोरोवायरस फैला सकता है। दरअसल किसान कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए कुओं, सिंचाई होदियों, नदियों, और झीलों जैसे स्रोतों से पानी लेते हैं। और इन सभी पानी के स्रोतों में नोरोवायरस भरे होते हैं।

भोजन के माध्यम से भी फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस अपके भोजन के माध्यम से भी फैल सकता है। नोरोवायरस रेस्तरां में बनाए गए और डिब्बे बंद खाद्य पदाथों में हो सकता है। क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कई सारी अलग-अलग सामग्री होती हैं, नोरोवायरस किस खाद्य पदार्थ से शरीर में गया है, पता लगाना मुश्किल होता है। कई प्रकार के तैयार खाने व खाद्य पदार्थों जैसे, सलाद, सैंडविच, बर्फ, कुकीज, और फल भी इसके लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। यदि खाने के बाद उल्टी या दस्त की समस्या हो तो यह नोरोवायरस संक्रमण के कारण भी हो सकता है। ज़रूरी नहीं कि इस संक्रमण के लक्षण तुरंत दिखाई दें, हो सकता है कि कुछ दिनों बाद आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो।

ध्यान रहे कि भोजन को गर्म करना इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। नोरोवायरस 140 डिग्री फेरनहाइट तक ताप पर जीवित रह सकते हैं। यह वायरस ठंड से जमाने पर भी जीवित रह सकता है।

टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी पानी की बोतल!

एक पानी की बोटल को बार-बार इस्तेमाल न करें। ये आपकी टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी हो सकती है और कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वैज्ञानिकों ने हालिया शोध में पाया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल लंबे समय तक बार बार करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। शोधकर्ताओं के अनुसार बोतल पर जमा होने वाले बैक्टीरिया में से करीब साठ प्रतिशत कीटाणु ऐसे होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसके चलते डायरिया, फूड प्वाइजनिंग, नॉजिया और उल्टी जैसी समस्याएं आमतौर पर होने का खतरा रहता है। शोध में इस्तेमाल की गई ऐसी बोतलों का लैब में परीक्षण किया गया। चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पाया गया कि उसके एक सेंटीमीटर के एरिया में करीब नब्बे हजार कीटाणु थे, जो एक टॉयलेट सीट पर इतने क्षेत्र में मौजूद कीटाणुओं से कहीं ज्यादा है। बोतल के मुंह पर सबसे ज्यादा कीटाणु पाए गए। वहीं स्ट्रॉ के ऊपरी हिस्से पर भी उतने ही बैक्टीरिया मिले। बोतल धोने से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। धोने के बावजूद बैक्टीरिया थोड़ी देर के लिए ही खत्म होते हैं, फिर पनप जाते हैं। तो आपको समझ में आ गया होगा कि जिस पानी की बोटल का आप बार-बार पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वह आपके लिए किस हद तक खतरनाक साबित हो सकती है।

इन नुस्खों से मिलेगी दो मुंहे बालों से मुक्ति

वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं पार्लर में न करें पैसा बर्बाद वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं। बालों का दुमुहां होना आम समस्या है। महिलाएं अक्सर पार्लर में पैसा खर्च करके अपने बाल कटवाती हैं। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर इन दोमुहें बालों से मुक्ति पा सकते हैं।

पपीता और दही : पपीते और दही का घरेलु पैक लगाएं। 150 ग्राम पपीता और आधा कप दही मिलाएं और बालों में लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें।

अंडे का मास्क : अंडे का पीला भाग, तीन टेबल स्पून ऑलिव ऑयल और एक टेबल स्पून शहद मिलाएं। पैक को बालों में 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर शैंपू से धो लें।

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट : दो मुहें बालों के लिए हॉट ऑयल ट्रीटमेंट भी काफी अच्छा है। यह काफी असरदार माना जाता है।

शहद के साथ दही : यह एक नेचुरल कंडीशनर है। इसके और अच्छा रिजल्ट पाने के लिए दही भी मिला दें। एक कप दही में एक टेबल स्पून शहद मिलाएं और उसे जड़ों पर लगाते हुए सिरों तक लगाएं। उसके बाद इस पैक को धो लें।

सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं लोग

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलसिले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वत: ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं नि:स्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

रेसिपी

ब्रेड कटलेट

सामग्री

4 ब्रैड स्लाइस, 1 आलू(उबला हुआ), आधा कप मटर(उबले हुए), 1 गाजर(कद्दूकस की हुई), 1 कप गोभी(कद्दूकस की हुई), 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्स, 1 प्याज (बारीक कटा), 1 हरी मिर्च(कटी हुई), आधा चम्मच अदरक(कसा हुआ), गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, तेल, नमक स्वादानुसार, पानी, 3-4 पनीर(टुकडों में कटा)

विधि

एक कड़ाही में तेल डालकर इसमें प्याज,अदरक और हरी मिर्च डालकर इसे हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें गाजर,मटर और गोभी डालें। अब इसमें गर्म मसाला डालकर मिक्स करके 1-2 मिनट के लिए भूनें और गैस बंद कर दें। ब्रेड को पानी में भिगोकर निचोड लें और इसे पकी हुई सब्जियों में डाल लें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें आलू,ब्रेड क्रम्स,नींबू का रस और नमक डाल कर मिलाएं। इस मिश्रण को टिकी का आकार दें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्स डालकर कटलेट को इसमें लपेट कर एक अलग प्लेट में रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में तेल डालकर इसमें कटलेट को फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन होने तक इसे तले। इन सबको प्लेट में निकाल कर ऊपर से पनीर के साथ गार्निश करके सॉस के साथ सर्व करें।

पास्ता बटर मसाला

सामग्री

1 कप पास्ता, 1 बड़ा चम्मच लहसुन(पिसा हुआ), आधा चम्मच अदरक(पिसा हुआ), 1 टमाटर(कटा हुआ), 2 प्याज(कटे हुए), 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, आधा छोटा चम्मच कसूरी मेथी, 2 कप दूध, 2 बड़ा चम्मच तेल, 1 छोटा चम्मच हरा धनिया(कटा हुआ), स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में थोडा सा नमक मिलाकर इसमें 2-3 बूंद तेल,पास्ता और पानी मिलाकर उबालें। जब पास्ता पक जाए तो इसे पानी से निकाल कर रख दें। अब एक पैन में तेल डालकर इसमें प्याज, टमाटर, अदरक और लहसुन डालकर भूनें और थोडा ठंडा होने पर मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करके इलमें पीसा हुआ पेस्ट और नमक डालकर तेल छोड़ने तक भूनें और इसमें लाल मिर्च,गरम मसाला और जीरा डालकर गाढ़ा हाने तक पकाएं। इसके बाद इसमें दूध डाल दें। जब दूध और मसाले अच्छी तरह उबलकर सॉस बन जाए तो इसमें कसूरी मेथी और उबला हुआ पास्ता डालकर मिलाएं। गैस बंद करके गर्मागर्म पास्ते पर हरा धनिया डालकर सर्व करें।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कई रोगों पर भी पड़ता है असर...

यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नए शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का कई रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्राय: 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)